साप्ताहिक हिन्दी और उर्दू समाचार पत्र

जयपुर से प्रकाशित

उम्मीद की एक नई रोशनी

आवाज़ ए तसनीम

tasneemtv.official@gmail.com

آوازِ تسنیم

PRGI No. RJBIL/25/A1815

www.tasneemtv.com | अंकः 23 / वर्षः 01 | जयपुर, सोमवार, 22 दिसंबर, 2025 | पृष्ठः 8 | मूल्यः 2 रूपए | प्रातः कालीन

अरुणाचल में जासूसी का खुलासा, नेटवर्क के चीन से जुड़े होने के संकेत, एजेंसियां अलर्ट

ईटानगर

अरुणाचल प्रदेश में जासूसी नेटवर्क के खुलासे और सीमा से जुड़ी गतिविधियों ने सुरक्षा एजेंसियों की नींद उड़ा दी है। पुलिस ने पिछले 10 दिनों में पाकिस्तान से जुड़े जासूसी नेटवर्क के चार संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। इस बीच स्थानीय लोगों ने एलएसी के पास चीनी सेना की मौजूदगी और संभावित घुसपैठ की जानकारी दी।

मीडिया रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया है कि गिरफ्तार आरोपी सेना की गतिविधियों और अन्य संवेदनशील सूचनाएं पाकिस्तानी हैंडलर्स तक भेज रहे थे। शुरुआती जांच में इस नेटवर्क के चीन से जुड़े होने के संकेत मिले हैं। सुरक्षा विशेषज्ञ इसे 'हाइब्रिड वॉर' की रणनीति से जोड़कर देख रहे हैं, जिसमें जासूसी, घुसपैठ और सैन्य दबाव को एक साथ इस्तेमाल किया जाता है। राज्य के गृह मंत्री मामा नातुंग ने कहा है कि जासूसी गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।रिपोर्ट के मुताबिक स्थानीय लोगों का दावा है कि सितंबर 2024 से चीनी सेना ने अंजाव जिले के कपापु क्षेत्र में करीब 60 किमी अंदर तक शिविर बनाए हैं। उनका कहना है कि हालात 2022 जैसे हैं। हालांकि, सरकार की ओर से इसे 'ओवरलैपिंग पेट्रोलिंग' बताया जा रहा है। इस दौरान तिब्बत के ल्हुंजे एयरबेस पर चीन की गतिविधियों पर भी नजर रखी जा रही है। यहां मैकमोहन लाइन से करीब 40किमी दूर 36 हार्डेड एयरक्राफ्ट शेल्टर्स बनाए जाने और स्टेल्थ जेट्स की तैनाती की जानकारी सामने आई है। जांच एजेंसियों के मुताबिक पकड़े गए संदिग्ध स्थानीय के साथ घुल-मिलकर स्लीपर सेल विकसित करने की कोशिश कर रहे थे। कुछ बांग्लादेशी युवकों की भूमिका भी संदिग्ध मानी जा रही है। वेस्ट सियांग के एसपी का कहना है कि यह मामला असम और अरुणाचल से जुड़े एक बड़े जासूसी मॉड्यूल का हिस्सा हो सकता है। एजेंसियां इसे ऐसी रणनीति से जोड़कर देख रही हैं, जिसमें पाकिस्तान प्रॉक्सी की भूमिका निभा सकता है।

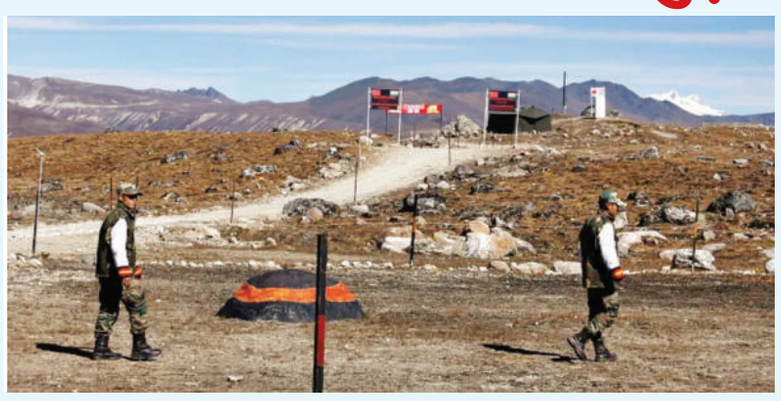

11 दिसंबर को ईटानगर से जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के नजीर अहमद मलिक और सबीर अहमद मीर को गिरफ्तार किया गया था। दोनों व्यापारी बनकर घूम रहे थे और एन्क्रिप्टेड टेलीग्राम चैनलों के जरिए पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में थे। जांच के मुताबिक उन्हें अवैध घुसपैठ में मदद और हथियार तस्करी के लिए कूरियर बनने के निर्देश मिले थे। 13 दिसंबर को कश्मीर के दो अन्य युवक भी पकड़े गए थे। जांच में नेटवर्क के असम तक फैले होने के संकेत मिले हैं।

समाचार सार

इलेक्ट्रिक वाहन से तेज होगी भारत की विकास गाथाः डॉ. जितेंद्र सिंह

नई दिल्ल। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने रविवार को कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) पर्यावरण संरक्षण से लेकर रोजगार सृजन तक भारत के विकास को गति दे रहे हैं। जितेंद्र सिंह ने आज भारत मंडपम में आयोजित इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) एक्सपो में स्वच्छ परिवहन और युवा उद्यमिता के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन को रेखांकित किया। ?उन्होंने युवाओं के बीच इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में मौजूद अवसरों के बारे में जागरूकता और व्यापक पहुंच की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के विकास के लिए हरित और टिकाऊ भविष्य, वैश्विक भागीदार के रूप में भारत की बढ़ती भूमिका तथा स्वच्छ ऊर्जा का समग्र दृष्टिकोण प्रमुख स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक मोबिलिटी केवल परिवहन या पर्यावरण का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह उद्यमिता, रोजगार और आजीविका का एक शक्ति शाली इंजन बनकर उभर रही है।

इंडिगो के हवाई जहाज मे मधुमक्खियों का हमला

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर चकेरी एयरपोर्ट पर दिल्ली जाने वाली इंडिगो फ्लाइट में मधुमक्खियां के झुंड ने हमला कर दिया। मधुमक्खियां एयर ाफ्ट के अंदर घुस गई, जिसके कारण यात्रियों में अफरा तफरी मच गई। यात्री हवाई जहाज से नीचे उतरकर अपने आपको बचाने में लग गए। एयरपोर्ट के कर्मचारियों ने मधुमक्खियां को कीटनाशक छिड़क कर वहां से हटाया। सबसे खास बात यह रही, मधुमक्खी हवाई जहाज के आंतरिक हिस्से में नहीं घुसी थी। जिसके कारण जल्द ही मधुमक्खियों के हमले को काबू में किया गया। यह घटना शु वार दोपहर की है। विमान जब उड़ान भरने वाला था,उसी समय मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। विदेशी पर्यटकों ने घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। जो वायरल हो रहा है। इस घटना के कारण फ्लाइट करीब 4 घंटे देर से दिल्ली के लिए रवाना हो सकी। मधुमक्खियों का हमला, यात्रियों के ऊपर नहीं हुआ।

मुंबई में समुद्र तट पर नजर आया डॉल्फिन का झुंड

मुंबई। मुंबई के वर्ली सी फेस पर शहर के समुद्र तट के पास डॉल्फिन का झुंड तैरता नजर आया है। इस नजारे ने मुंबई में रहने वालों को चौंका दिया। शहर की बड़ी-बड़ी इमारतें और भागदौड़ भरी लाइफ स्टाइल के बीच ऐसा नजारा देख लोग हैरान थे। समुद्र में डॉल्फिन को तैरता देख लोग भी आनंदित हुए इसका वीडियो वायरल हो गया और कमेंट सेक्शन में जमकर रिएक्शन दे रहे हैं।इस वीडियो में लोग वर्ली सी-फेसिंग के पास खड़े होकर समुद्र की ओर देख रहे होते हैं। क्योंकि पानी में डॉल्फिन का एक झुंड उन्हें गोते लगाता नजर आया। इस नजारे का आनंद उठाते हुए लोग डॉल्फिन को अपने कैमरों में कैद करते भी नजर आए। समुद्र के ऊपर उड़ते पक्षियों से यह नजारा और भी खूबसूरत हो गया, जिससे एक पीसफुल मोमेंट बनता है।

राज्य स्तरीय लखपति दीदी संवाद कार्यक्रम, लखपति दीदियां अग्रणी राजस्थान की उभरती हुई तस्वीर– प्रदेश में लखपति दीदी अब मिलेनियर बनने की ओर अग्रसर

राजीविका बन रहा सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम - मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री ने लखपति दीदियों को किए टेबलेट वितरित

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि लखपति दीदियां हमारे अग्रणी राजस्थान की उभरती हुई तस्वीर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के महिलाओं को सशक्त, शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प को लखपति दीदी योजना के माध्यम से पूरा किया जा रहा है तथा अब प्रदेश की लखपति दीदियां मिलेनियर दीदियां बनने की ओर अग्रसर हैं। शर्मा रविवार को हरिश्चंद्र माथुर राजस्थान लोक प्रशासन संस्थान (ओटीएस) में लखपति दीदी संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजीविका हमारी बहनों के सशक्तीकरण, स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता की अहम कड़ी के साथ ही गांवों में सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का माध्यम बन रहा है। हमारी सरकार का संकल्प है कि 'हर हाथ को हुनर, हर घर को रोजगार' मिले और राजीविका इस संकल्प को पूरा करने का सबसे सशक्त माध्यम है।

मुख्यमंत्री ने संघर्ष और सफलता की प्रेरणा बनी बहनों का किया जिक्र

मुख्यमंत्री ने संघर्ष और सफलता की प्रेरणा बनी बहनों का उल्लेख करते हुए कहा कि जयपुर के फागी की सुशीला देवी ने पारंपरिक ब्लू पॉटरी कला को अपनाकर अपने सीमित संसाधनों में भी जीवन को नई दिशा दी। स्वयं सहायता समूह के सहयोग से उत्पादन बढ़ाने के बाद उन्होंने अपने उत्पादों को आदिवासी मेलों के माध्यम से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खरीदारों तक पहुंचाया। इसी तरह सरिता कंवर ने राजीविका के माध्यम से सिलाई व्यवसाय शुरू किया और धीरे-धीरे घरेलू उद्योग स्थापित किया। करौली जिले की अरुणा शर्मा ने प्रशिक्षण प्राप्त कर बेकरी व्यवसाय शुरू किया। धीरे-धीरे उन्होंने नए उत्पाद विकसित किए और अब उनके उत्पाद दूसरे जिलों और राज्य के बाहर लगने वाले मेलों में भी बिकते हैं। उन्होंने कहा कि ये कहानियां महिला सशक्तीकरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा की प्रतीक हैं।

देश में आधी आबादी को मिल रहा पूरा हक

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में आधी आबादी को पूरा हक मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने उज्ज्वला योजना, पीएम आवास योजना और स्वच्छ भारत मिशन के माध्यम से महिलाओं के सम्मान को बढ़ाया है। इसी तरह नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत लोकसभा एवं विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान भी किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार पशुपालकों को दूध पर 5 रुपये प्रति लीटर का बोनस प्रदान कर रही है तथा आंगनवाड़ी केंद्रों के नौनिहालों को पोषण के लिए दूध भी उपलब्ध करवाया जा रहा है।

प्रदेश में बनीं 12 लाख से अधिक लखपति दीदी

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और उनके सशक्तीकरण के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। प्रदेश में 19 लाख 45 हजार महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान कर 12 लाख से अधिक लखपति दीदी बनाई गई। उन्होंने कहा कि बालिकाओं के स्वास्थ्य एवं शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने एवं आर्थिक संबल देने के लिए हमने लाडो प्रोत्साहन योजना शुरू की। इसके तहत डेढ़ लाख रुपये की राशि दी जा रही है। इसी तरह छात्राओं को 10 लाख 51 हजार साइकिलें और लगभग 40 हजार स्कूटियां देकर बालिका शिक्षा को गति दी है।

महिला अत्याचार के मामलों में लगभग 12 प्रतिशत की कमी

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत दी जाने वाली 5 हजार रुपये की राशि को बढ़ाकर 6 हजार 500 रुपये कर दिया है तथा इस योजना के तहत लगभग 10 लाख गर्भवती महिलाओं को 531 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की जा चुकी है। इसी तरह मा वाउचर योजना में 2 लाख 26 हजार महिलाओं को निःशुल्क सोनोग्राफी की सुविधा का लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि राज्य में 500 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट का गठन कर उनका प्रभावी संचालन किया जा रहा है। छेड़छाड़, चेन स्नैचिंग जैसी घटनाओं की प्रभावी रोकथाम हेतु 65 एंटी रोमियो स्क्वॉड का गठन किया गया है। इन सभी प्रयासों से महिला अत्याचार से जुड़े मामलों में वर्ष 2023 के मुकाबले लगभग 12 प्रतिशत की कमी आई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि हमारी बहनों को इतना मजबूत बनाया जाए कि वे प्रदेश के विकास की धुरी बन सकें। उन्होंने आह्वान किया कि लखपति दीदियां नवाचारों को अपनाते हुए अपने समूह के साथ समय-समय पर चर्चा करें तथा अधिक से अधिक महिलाओं को इस आत्मनिर्भरता की यात्रा से जोड़ें।

शर्मा ने कार्यक्रम में लखपति दीदी योजना में उत्कृष्ट सखियों को टेबलेट वितरित किए। उन्होंने कहा कि तकनीक के साथ कदम मिलाकर बहनें अब डिजिटल दुनिया से भी जुड़ सकेंगी। इससे स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता की यात्रा में वे अपने उत्पादों की ब्रांडिंग, ई-कॉमर्स और डिजिटल लेन-देन को और बेहतर ढंग से कर पाएंगी।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लखपति दीदी योजना के माध्यम से महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत हुई हैं। साथ ही उन्होंने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने का कार्य भी किया है। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं केवल घर की चारदीवारी तक ही सीमित नहीं रही बल्कि हर क्षेत्र में अपनी निर्णायक भूमिका निभा रही है। महिला सशक्तीकरण की दिशा में यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

ग्रामीण विकास मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था एवं ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए कार्य कर रही है। महिलाएं हर परिस्थिति में कड़ी मेहनत करते हुए आत्मनिर्भर बन रही है। इस अवसर पर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास श्रेया गुहा सहित अन्य अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में राजीविका से जुड़ी महिलाएं मौजूद रही।

आरआरएस संघ किसी राजनीतिक विचारधारा के लिए नहीं बना

भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए हुई थी– भागवत

कोलकाता

आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने संघ की शताब्दी वर्ष व्याख्यानमाला में लोगों से अपील की कि वे संघ के बारे में अपनी धारणा द्वितीयक स्रोतों से न बनाएं। उन्होंने कहा कि संघ का उद्देश्य भारत को विश्व गुरु बनाना है और इसे किसी राजनीतिक विचारधारा से जोड़ना गलत है। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम की कई धाराओं का उल्लेख करते हुए संघ को सामाजिक सुधार और एकजुटता का माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि लोग जो सोचते हैं, वह उनका अधिकार है, लेकिन संघ को समझने के लिए तुलना करना गलतफहमी पैदा करेगा। हमने देश के चार शहरों

में कार्यक्रम आयोजित किए हैं, ताकि संघ के बारे में सही जानकारी साझा की जा सके।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिअक आरएसएस प्रमुख ने साफ किया कि संघ की स्थापना भारत को विश्व गुरु बनाने के उद्देश्य से हुई थी। उन्होंने कहा कि भारत केवल भूगोल नहीं, बल्कि एक संस्कृति है। संघ किसी राजनीतिक विचारधारा के लिए नहीं बना, न ही ये किसी स्थिति की प्रतिक्रिया स्वरूप शुरू हुआ। इसका उद्देश्य हिंदुओं का विकास करना है। उन्होंने ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए कहा कि पहले कई प्रयास हुए जैसे 1857 की सिपाही विद्रोह के जरिए एअंग्रेजों के विरुद्ध का प्रयास किया गया, लेकिन असफल रहा। बाद में समझ आया कि केवल सशस्त्र क्रांति से ही अंग्रेजों को भगाया जा सकता है। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के कई धाराओं का जिक्र किया। भागवत ने कहा कि राजाओं और सेना ने लड़ाई लड़ी, लेकिन समाज ने पूरी तरह से साथ नहीं दिया। कई लोगों ने लड़ाई लड़ी और कुछ लोग जेल गए, कुछ ने सत्याग्रह में चरखा चलाया। एक अन्य वर्ग का मानना था कि पहले समाज में सुधार होने चाहिए और फिर स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। राजा राममोहन राय उनमें से एक थे। दूसरी धारा स्वामी विवेकानंद और दयानंद स्वामी की थी, जो मानती थी कि समाज अपनी जड़ों को भूल रहा है और उसे एकजुट करने की जरूरत है। भागवत ने कहा कि संघ आया है पूर्ण करने के लिए, नष्ट करने के लिए नहीं। संघ का काम किसी से प्रतिस्पर्धा या लाभ लेना नहीं है।

समाज अपनी जड़ों को भूल रहा है

उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम की विभिन्न धाराओं पर जि किया. आरएसएस प्रमुख के अनुसार, राजाओं और सेना ने लड़ाई लड़ी, लेकिन समाज ने पूरी तरह से साथ नहीं ?दिया. कई लोगों ने लड़ाई लड़ी. कुछ लोग जेल गए, कुछ ने सत्याग्रह में चरखा चलाया. एक अन्य वर्ग का कहना है कि पहले समाज में सुधार होना जरूरी है. इसके बाद स्वतंत्रता मिलनी चाहिए. राजा राममोहन राय उनमें से एक बताए जाते थे. दूसरी धारा स्वामी विवेकानंद और दयानंद स्वामी की थी. इनका मानना था कि समाज अपनी जड़ों को भूल रहा है. उसे एकजुट होने की जरूरत है.

भारत का बाघ संरक्षण मॉडल पूरी दुनिया में सराहा जाता है : भूपेंद्र यादव

नई दिल्ली

बाघ संरक्षण प्राधिकरण की 28वीं बैठक में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि भारत का बाघ संरक्षण मॉडल पूरी दुनिया में सराहा जाता है। उन्होंने वैज्ञानिक आधार पर प्रबंधन, बड़े भूभाग स्तर की योजना, स्थानीय समुदायों की भागीदारी, राज्यों के बीच समन्वय और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बेहद जरूरी बताया। बैठक में 18 अप्रैल को हुई पिछली बैठक के फैसलों की पुष्टि की गई और उन पर की गई कार्रवाई की समीक्षा की गई। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री की अध्यक्षता में रविवार को पश्चिम बंगाल के सुंदरबन टाइगर रिजर्व में बाघ और हाथी संरक्षण से जुड़ी दो राष्ट्रीय बैठकों का आयोजन हुआ। इन बैठकों में देश भर के वरिष्ठ अधिकारी, वैज्ञानिक, वन्यजीव विशेषज्ञ और विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधि शामिल हुए। उद्देश्य था बाघ परियोजना और हाथी परियोजना की प्रगति की समीक्षा करना और भविष्य की संरक्षण रणनीतियों को मजबूत करना। बैठक में बाघ अभयारण्यों के सामने आ रही चुनौतियों पर चर्चा के साथ ही बाघ संरक्षण योजनाओं को मंजूरी दी गई। मानव और बाघ संघर्ष को कम करने के लिए अपनाई जा रही तीन स्तर की रणनीति पर जोर दिया गया। वहीं, टाइगर रिजर्व के बाहर बाघों के प्रबंधन से जुड़ी परियोजना की प्रगति पर भी चर्चा हुई। कई राज्यों में कर्मचारियों की कमी, वित्तीय दबाव, आवास क्षेत्र की क्षति और बाहरी प्रजातियों की समस्या को गंभीर बताते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए।

Bhadohi के अब्दुल रहीम ने दरियादिली से जीता राम भक्तों का दिल, रामलीला के लिए कर दी कीमती जमीन दान

आवाज़ ए तसनीम

ऐसे वक्त में जब उत्तर प्रदेश में मुसलमानों को कभी घर खरीदने, कभी धार्मिक पहचान और कभी गौरक्षा के नाम पर निशाना बनाया जा रहा है. सत्तारूढ़ पार्टी के कई नेता लगातार ऐसे बयान दे रहे हैं जो समाज में नफरत और विभाजन को बढ़ाते हैं. उसी माहौल में भदोही से इंसानियत और गंगा-जमुनी तहजीब की एक ऐसी खबर सामने आई है, जिसने हिंदू मुस्लिम भाईचारे और सामाजिक सौहार्द की एक मजबूत मिसाल पेश की है.

भदोही जिले के गोपीगंज क्षेत्र स्थित बड़ागांव गांव में एक मुस्लिम दर्जी ने रामलीला के लिए अपनी पुश्तैनी जमीन दान कर दी. 65 साल के

अब्दुल रहीम सिद्दीकी उर्फ कल्लन ने रामलीला के स्थायी मंच के निर्माण के लिए अपनी जमीन रामलीला कमेटी को सौंप दी है. बड़ागांव गांव में साल 1932 से लगातार रामलीला का आयोजन होता आ रहा है, लेकिन अब तक इसके लिए कोई स्थायी मंच नहीं था. बताया जा रहा है कि हर साल अस्थायी ढांचे के सहारे रामलीला का मंचन किया जाता था, जिससे कलाकारों और दर्शकों दोनों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था. इसी समस्या को देखते हुए गांव के ही रहने वाले और पेशे से दर्जी अब्दुल रहीम सिद्दीकी उर्फ काल्लू ने अपनी पुश्तैनी जमीन का करीब दो से तीन बिस्वा हिस्सा आदर्श रामलीला समिति को दान कर दिया. खास बात यह है कि अब्दुल रहीम सिर्फ जमीन दान करने वाले ही नहीं हैं, बल्कि वे सालों तक खुद भी रामलीला आयोजन से जुड़े रहे हैं और मंचन में सक्रिय रूप से भाग लेते रहे हैं. रामलीला के प्रति उनका गहरा जुड़ाव और अकीदा ही इस फैसले की सबसे बड़ी वजह बनी. उन्होंने इस कदम को श्रीराम की कृपा बताते हुए समाज के लिए समर्पण का भाव व्यक्त किया. दान में दी गई जमीन पर अब रामलीला के लिए स्थायी मंच का निर्माण कार्य शुरू हो गया है. इस मंच पर कलाकारों के लिए पोशाक बदलने के कमरा, सामान रखने का इंतजाम और दर्शकों के लिए बेहतर सुविधाएं विकसित की जाएंगी. रामलीला समिति के सदस्य विनय शुक्ला ने बताया कि विधि-विधान से पूजन-अर्चन के बाद निर्माण कार्य की शुरुआत की गई है. रामलीला समिति के मुताबिक, साल 2026 से रामलीला का आयोजन इसी नए मंच से किया जाएगा. बड़ागांव गांव की यह पहल न सिर्फ धार्मिक परंपरा को मजबूती देती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि भारत की असली ताकत आपसी भाईचारे, सम्मान और सामाजिक सौहार्द में ही निहित है. जो उत्तर प्रदेश में हिंदूवादी संगठनों के मुहं पर तमाचा है।

इमरान खान की अपील से कांपी Pak सरकार; रावलपिंडी बना छावनी, हजारों जवान सड़कों पर

आवाज़ ए तसनीम

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (PTI) के संभावित विरोध प्रदर्शन और लियाकत बाग में जमात-ए-इस्लामी की सभा को देखते हुए रावलपिंडी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है. हालात को संभालने के लिए शहर में 1,300 से ज्यादा सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है.

तोशाखाना-II मामले में सजा का ऐलान होने के बाद इमरान खान ने अपने एक्स (पहले ट्विटर) हैंडल के जरिए लोगों से विरोध प्रदर्शन करने की अपील की थी. शनिवार को फेडरल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (FIA) की एक अदालत ने इमरान खान और उनकी बीवी बुशरा बीबी को 17-17 साल की जेल की सजा सुनाई थी।

PTI के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पार्टी संस्थापक इमरान खान को पूरा समर्थन देने का संकल्प जताया है. पार्टी का दावा है कि उनके नेता को जानबूझकर फंसाया गया है और यह पूरा मामला राजनीतिक बदले की कार्रवाई है. PTI के महासचिव सलमान अकरम राजा ने शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि इमरान खान ने अपने समर्थकों से सड़कों पर उतरकर आंदोलन की तैयारी करने को कहा है. उन्होंने कहा कि पार्टी इस फैसले के खिलाफ संगठित तरीके से विरोध करेगी.

संभावित प्रदर्शन को देखते हुए प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए हैं. अधिकारियों के मुताबिक, दो पुलिस अधीक्षक, सात उप पुलिस अधीक्षक, 29 इंस्पेक्टर और स्टेशन हाउस ऑफिसर, 92 अपर सब-ऑर्डिनेट और 340 कांस्टेबल तैनात किए गए हैं. इसके अलावा शहरभर में 32 पिकेट लगाए गए हैं और एलीट फोर्स के कमांडो को भी ड्यूटी पर लगाया गया है. स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स में इसकी पुष्टि की गई है.

तोशाखाना मामले में फैसला आने के बाद इमरान खान ने देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है और अदालत के फैसले को चुनौती देने का इरादा भी जाहिर किया है. डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, PTI नेता और उनके वकील के बीच हुई बातचीत का विवरण एक्स पर शेयर किया गया है. इसमें इमरान खान के हवाले से कहा गया है, ÷मैंने खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी को सड़कों पर आंदोलन की तैयारी करने का संदेश भेजा है. पूरे देश को अपने अधिकारों के लिए खड़ा होना होगा.

इमरान खान ने कहा कि अदालत का फैसला उनके लिए हैरान करने वाला नहीं था, लेकिन उन्होंने अपनी कानूनी टीम को हाई कोर्ट में फैसले को चुनौती देने के निर्देश दिए हैं. तोशाखाना-ढृढ्ढ भ्रष्टाचार मामले में आरोप है कि मई 2021 में एक आधिकारिक दौरे के दौरान सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस ने इमरान खान को एक कीमती गिफ्ट दिया था. आरोप है कि पाकिस्तान के तोशाखाना आर्काइव में जमा कराने से बचने के लिए इमरान खान ने उस गिफ्ट की कीमत कम बताई. जांच के दौरान यह दावा गलत पाया गया और मामला अदालत तक पहुंचा.

Bangladesh में फिर हालात बेकाबू, संसद भवन में घुसी उग्र भीड़

आवाज़ ए तसनीम

बांग्लादेश में शनिवार को एक बार फिर हालात तनावपूर्ण हो गए हैं. युवा नेता शरीफ उस्मान हादी के जनाज़े के बाद उग्र भीड़ ने सुरक्षा बैरिकेड तोड़ते हुए देश की संसद भवन में दाखिल हो गई. अधिकारियों के मुताबिक, यह घटना ऐसे वक्त हुई है, जब हादी की मौत के बाद पूरे देश में अशांति का माहौल बना हुआ है.

संसद भवन में दाखिल हुई भीड़

दक्षिण एशियाई देश बांग्लादेश में शनिवार को हादी का तदफीन भारी सिक्योरिटी के बीच की गई. बड़ी तादाद में लोग ढाका पहुंचे थे. हादी की मौत के बाद हालात बिगड़ने की आशंका को देखते हुए सरकार ने संसद भवन सहित अहम सरकारी प्रतिष्ठानों की सुरक्षा पहले ही बढ़ा दी थी. हालांकि ये सुरक्षा भीड़ को नहीं रोक पाई.

सिंगापुर में इलाज के दौरान हादी की मौत

शरीफ उस्मान हादी एक जाने-माने युवा नेता था. 12 दिसंबर को ढाका के मध्य इलाके बिजयनगर में एक चुनावी कार्यक्रम के दौरान नकाबपोश हमलावरों ने उसके सिर में गोली मार दी थी. गंभीर तौर पर घायल हादी को बेहतर इलाज के लिए विदेश भेजा गया, लेकिन गुरुवार को सिंगापुर में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई.

अधिकारी कर रहे हैं जांच

अधिकारियों ने बताया कि हादी की हत्या और संसद भवन में सुरक्षा उल्लंघन की घटना को लेकर जांच जारी है. कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है, ताकि आगे किसी भी तरह की हिंसा को रोका जा सके.

हादी को लेकर कैसे शुरू हुए प्रदर्शन

हादी की हत्या के बाद ढाका में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन शुरू हो गए हैं. गुरुवार देर रात और शुक्रवार तड़के हजारों लोग सड़कों पर उतर आए और हत्याकांड में न्याय की मांग की. धीरे-धीरे यह विरोध प्रदर्शन राजधानी से बाहर अन्य इलाकों तक फैल गया.

प्रदर्शनकारियों ने की तोड़फोड़

प्रदर्शनकारियों ने भारतीय राजनयिक ठिकानों की ओर मार्च करने की कोशिश की और पूर्व सत्तारूढ़ अवामी लीग से जुड़ी संपत्तियों में तोड़फोड़ की. बुधवार को ढाका में सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने भारतीय राजनयिक प्रतिष्ठानों के पास जुटने की कोशिश की, जिनमें भारत के उप उच्चायुक्त का आवास भी शामिल था. हालात को काबू में करने के लिए पुलिस को आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा.

भारत के खिलाफ लगाए नारे

इन प्रदर्शनों में नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के समर्थक भी शामिल हुए. एनसीपी, 'स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन' से निकला एक अहम गुट है, जिसने पिछले साल हुए छात्र आंदोलन का नेतृत्व किया था. प्रदर्शनकारियों ने भारत विरोधी नारे लगाए और दावा किया कि हादी की हत्या के जिम्मेदार हमलावर भारत भाग गए हैं।

भारत में 'हलाल सर्टिफिकेशन' पर वार, ओमान में उसी से सौदा: भाजपा सरकार की नीति ने किया दंग!

एक तरफ देश के भीतर हलाल सर्टिफिकेशन को लेकर हंगामा मचा हुआ है. बीजेपी शासित राज्यों में हिंदूवादी संगठन के लोग लगातार हलाल के खिलाफ विरोध कर रहे हैं और कई मामलों में उन्हें सत्तारूढ़ दल के नेताओं का समर्थन भी मिल रहा है. देश के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश में बीजेपी की अगुवाई वाली यूपी सरकार ने नान मीट उत्पादों पर हलाल लिखने पर प्रतिबंध लगा दिया है. हालांकि, इसके उलट केंद्र की भारतीय जनता पार्टी की अगुवाई वाली सरकार का अलग रूख देखने को मिल रहा है. अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत सरकार हलाल सर्टिफिकेशन को लेकर बड़ी कूटनीतिक और कारोबारी सफलता हासिल करने में जुटी है. इसी कड़ी में भारत को एक अहम कामयाबी मिली है. ओमान ने भारत के हलाल मीट सर्टिफिकेशन को आधिकारिक तौर पर मान्यता दे दी है. इसे भारत के लिए एक बड़ी कामयाबी माना जा रहा है. इस फैसले के बाद अब भारत सरकार की कोशिश है कि इसी तरह की मान्यता 55 इस्लामिक देशों से भी हासिल की जाए, जहां मांस और मांस उत्पादों के निर्यात के लिए हलाल सर्टिफिकेशन अनिवार्य माना जाता है. इस बारे में जानकारी देते हुए केंद्रीय वाणिय और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि

भारत उन सभी देशों से लगातार बातचीत कर रहा है, जहां मांस और मांस से जुड़े उत्पादों के निर्यात के लिए हलाल सर्टिफिकेशन जरूरी होता है. उन्होंने बताया कि सरकार का मकसद भारतीय निर्यातकों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में यादा आसानी से पहुंच दिलाना है. पीयूष गोयल के मुताबिक, पिछले तीन से चार सालों से भारत खाड़ी देशों के साथ इस मुद्दे पर चर्चा कर रहा है. खाड़ी देश दुनिया में हलाल उत्पादों के सबसे बड़े खरीदार माने जाते हैं. उन्होंने कहा कि भारत की कोशिश यह रही है कि अनौपचारिक और अलग-अलग तरीकों से सर्टिफिकेशन कराने के बजाय भारतीय संस्थाओं के जरिए जारी किए गए औपचारिक हलाल सर्टिफाइड उत्पादों को स्वीकार किया जाए.

ओमान की ओर से भारतीय हलाल सर्टिफिकेशन को मान्यता मिलने के बाद कई फायदे सामने आएंगे. अब भारतीय निर्यातकों को बार-बार जांच और नए सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ेगा. इससे न सिर्फ समय की बचत होगी बल्कि लागत भी कम आएगी. इसके साथ ही भारतीय कंपनियों के लिए विदेशी बाजारों में अपने उत्पादों की पहुंच और आसान हो जाएगी. सरकार का मानना है कि ओमान के इस फैसले के बाद अन्य इस्लामिक देशों से भी इसी तरह की स्वीकृति मिलने का रास्ता खुल सकता है, जिससे भारत के मांस और मांस उत्पादों के निर्यात को नई रफ्तार मिल सकेगी. दूसरी तरफ, मानवाधिकार संगठन और अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों का कहना है कि बीजेपी का दोहरा रवैया को उजागर कर दिया है. एक तरफ वह देश के अंदर हलाल सर्टिफिकेशन का विरोध कर रहे हैं, जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसको मान्यता दिलाने के लिए ऐड़ी चोटी का जोर लगा रहे हैं.

सीमा पर जमती रहीं जिंदगियां, सरकारें खामोश; ईरान बॉर्डर पर ठंड से 40 अफगान प्रवासियों की मौत

एक तरफ ईरान अवैध प्रवास का ठप्पा लगाकर इंसानों को 'अनाधिकृत विदेशी नागरिक' कह रहा है, तो दूसरी तरफ अफगानिस्तान अपने नागरिकों को ठंड, तस्करों और खतरनाक सीमाओं के भरोसे छोड़ चुका है. नतीजा यह है कि ईरान-अफगानिस्तान सीमा पर कड़ाके की ठंड ने कई अफगान प्रवासियों की जान ले ली है. अफगानिस्तान और ईरान, दोनों देशों की मीडिया रिपोर्ट्स में इसकी पुष्टि की गई है.

शनिवार (20 दिसंबर) को सामने आई जानकारी के मुताबिक, बीते कुछ दिनों में कई अफगान नागरिक भीषण ठंड की चपेट में आकर मारे गए. ये सभी लोग गैरकानूनी तरीके से ईरान में दाखिल होने की कोशिश कर रहे थे. पश्चिमी अफगानिस्तान के सूत्रों के हवाले से प्रमुख न्यूज नेटवर्क ईरान इंटरनेशन ने बताया कि कड़ाके की ठंड और बर्फीले मौसम के बीच अवैध रूप से सीमा पार कर ईरान पहुंचे करीब 40 अफगान प्रवासियों की मौत हो गई है.

रिपोर्ट के मुताबिक, मरने वालों में से कम से कम 15 लोगों के शव ईरानी क्षेत्र में मौत के बाद अफगानिस्तान के कोहसान और अद्रस्कान जिलों में भेजे गए हैं. रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ईरान इंटरनेशनल से जुड़े चैनल अफगानिस्तान इंटरनेशनल ने एक अफगान प्रवासी शख्स से बातचीत की. प्रवासी शख्स ने ईरान के रजावी खोरासान प्रांत में मौजूद अफगान कब्रिस्तानों और तैबाद अस्पताल के मुर्दाघरों का दौरा किया था. शख्स के मुताबिक, अब तक 40 से ज्यादा अफगान प्रवासियों की मौत हो चुकी है. तालिबान गवर्नर के प्रवक्ता के हवाले से पुष्टि की है कि ईरान में घुसपैठ की कोशिश के दौरान कहसान सीमा क्षेत्र के पास तीन अफगान नागरिकों की मौत हो गई. वहीं, स्थानीय निवासियों का कहना है कि मरने वालों की संख्या इससे कहीं ज्यादा हो सकती है. उनका दावा है कि सीमा पर कड़ाके की ठंड की चपेट में आने के बाद कम से कम 15 शव कोहसान और अद्रस्कान जिलों में भेजे गए हैं, जबकि कुछ अफगान प्रवासी अब भी लापता बताए जा रहे हैं. प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हाल के दिनों में सैकड़ों अफगान नागरिक ईरान की सीमा की ओर बढ़े हैं. ये लोग इस्लाम कला और तैबाद को तस्करों का सुरक्षित रास्ता मानते हुए सीमा पार करने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि कानूनी तरीके से प्रवास के विकल्प बेहद सीमित हैं. भारी बर्फबारी, जमा देने वाली बारिश और ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी इलाकों ने इस सफर को और भी जानलेवा बना दिया है. बताया गया कि मरने वालों के परिजन अपने लापता रिश्तेदारों की तलाश में मुर्दाघरों और सीमावर्ती इलाकों में भटक रहे हैं. इस बीच शनिवार को बताया कि ईरानी पुलिस ने पिछले हफ्ते एक सुरक्षा अभियान के तहत दक्षिण-पूर्वी शहर जाहेदान में 437 अफगानियों को गिरफ्तार किया है. ईरानी पुलसक के मुताबिक गिरफ्तार लोगों के पास वैद्य दस्तावेज मौजूद नहीं हैं. ईरानी अधिकारी बिना दस्तावेज वाले अफगानों को 'अनाधिकृत विदेशी नागरिक' की श्रेणी में रखते हैं. जाहेदान के पुलिस कमांडर हामिद नूरी ने बताया कि पिछले हफ्ते चलाए गए ऑपरेशन के दौरान कुल 437 बिना दस्तावेज वाले विदेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया. इसी अभियान में 135 संदिग्ध चोर, 472 नशा करने वाले और 54 कथित छोटे ड्रग डीलर भी गिरफ्तार किए गए थे.।

न सुनवाई हुई, न रिहाई: ICE हिरासत में इमाम की मौत से मचा हड़कंप

आवाज़ ए तसनीम

अमेरिकी इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (ICE) की हिरासत में 215 दिन बिताने के बाद शेख फुआद सईद अब्दुलकादिर की मौत हो गई है. वह अदालत में अपनी सुनवाई का इंतजार कर रहे थे. अब्दुलकादिर का जन्म 15 मार्च 1979 को सऊदी अरब के रियाद में हुआ था और वह इरिट्रिया के नागरिक भी थे.

इमाम को अचानक मेडिकल प्रोब्लम हुई

14 दिसंबर की सुबह 3:21 बजे उन्हें मृत घोषित किया गया. उस समय वे मोशैनन वैली प्रोसेसिंग सेंटर में हिरासत में थे. रिपोर्ट्स के मुताबिक, हिरासत के दौरान शेख फुआद सईद अब्दुलकादिर ने सीने में दर्द की शिकायत की थी. इसके बाद मेडिकल स्टाफ ने उन्हें सीपीआर दिया, लेकिन आपातकालीन सेवाओं के पहुंचने

के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया गया.

ICE हिरासत केंद्रों पर उठे सवाल

उनकी मौत ने एक बार फिर ICE हिरासत केंद्रों में लंबे समय तक बंद रखे गए लोगों की कंडीशन और वहां मिलने वाली चिकित्सा सुविधाओं को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और सिविल राइट्स संगठनों का लंबे समय से आरोप रहा है कि ढृष्टश्च के डिटेंशन सेंटर्स में बंद लोगों को पर्याप्त और समय पर चिकित्सा देखभाल नहीं मिलती, खासकर उन लोगों को जो महीनों तक बिना किसी कानूनी फैसले के हिरासत में रखे जाते हैं.

शेख फुआद सईद अब्दुलकादिर की मौत से ICE की डिटेंशन सिस्टम, अदालत की सुनवाई में हो रही देरी और यह सवाल कि क्या रोकी जा सकने वाली मेडिकल आपात स्थितियों से सही तरीके से निपटा जा रहा है या नहीं, इन सभी मुद्दों पर जांच और आलोचना और तेज होने की संभावना है. कई मुस्लिम संगठनों ने इमाम की मौत पर शोक व्यक्त किया है और प्रशासन की लापरवाही की बात की है. सोशल मीडिया पर लोगों का कहना है कि इस मामले की जांच होनी चाहिए, ताकि ऐसा घटना फिर न हो

हजारों फीट ऊपर थम गईं उमरा जायरीन की सांसें, PIA फ्लाइट की सऊदी में इमरजेंसी लैंडिंग

आवाज़ ए तसनीम

सऊदी अरब के जेद्दा से लाहौर जा रही पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (PIA) से सफर करने वाले यात्रियों की सांसे उस समय अटक गई, जब तकनीकी खराबी की वजह से फ्लाइनट सऊदी अरब में दोबारा इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी. बताया जा रहा है कि उड़ान के दौरान अचानक ऑक्सीजन मास्क खुल जाने से विमान में सवार यात्रियों में घबराहट फैल गई. इस फ्लाइट में दर्जनों उमरा के लिए गए जायरीन शामिल थे. स्थानीय मीडिया ने शनिवार (20 दिसंबर) को यह जानकारी दी.

PIA के प्रवक्ता के मुताबिक, फ्लाइट पीके-860 को रात करीब 8 बजे लाहौर पहुंचना था, लेकिन तकनीकी खराबी की वजह से फ्लाइट का रूट बदलना पड़ा. इसके बाद विमान को सऊदी अरब के किंग फहद इंटरनेशनल एयरपोर्ट की ओर मोड़ दिया गया, जहां इस फ्लाइट की सुरक्षित तरीके से लैंडिंग कराई गई. इस फ्लाइट में कुल 381 यात्री सवार थे.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऐसा ही एक मामला पिछले महीने भी सामने आया था. तब लाहौर से जेद्दा जा रही पीआईए की फ्लाइट पीके-859 को उड़ान के दौरान बीच में ही मोड़कर कराची के जिन्ना इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतारना पड़ा था. उस समय विमान के फर्स्ट ऑफिसर की विंडशील्ड में दरार आ गई थी, जिससे यात्रियों में दहशत फैल गई थी. उस घटना के बाद पीआईए अधिकारियों ने बताया था कि विंडशील्ड बदलने के बाद यात्रियों को उसी विमान या किसी वैकल्पिक विमान से जेद्दा भेजा जाएगा.

इससे पहले इसी साल पीआईए की एक डोमेस्टिक फ्लाइट को लेकर भी गंभीर मामला सामने आया था. 13 मार्च को कराची से लाहौर जा रही फ्लाइट पीके-306 बिना एक पिछले पहिये के लाहौर पहुंच गई थी. जब फ्लाइट ने अल्लामा इकबाल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंडिंग की, तो जांच के दौरान पता चला कि लैंडिंग गियर का एक पहिया गायब था.

PIA के प्रवक्ता ने उस समय कहा था कि यह समस्या विमान के लैंड करने के बाद निरीक्षण के दौरान सामने आई. हैरानी की बात यह रही कि बड़े पैमाने पर खोजबीन के बावजूद उस गायब टायर का कोई सुराग नहीं मिल सका. वहीं, कराची इंटरनेशनल एयरपोर्ट के अधिकारियों ने पुष्टि की थी कि उड़ान भरते समय वह पहिया मौजूद था और लाहौर में विमान की लैंडिंग सामान्य रूप से हुई थी.

सरहदों में बंटा मुसलमान, इन इस्लामिक देशों ने हजारों अफगान शरणार्थियों को किया बेदखल

आवाज़ ए तसनीम

पाकिस्तान और ईरान से अफगान शरणार्थियों को जबरन निकाले जाने का सिलसिला अब तक थमा नहीं है. तालिबान के एक बड़े अधिकारी ने शुक्रवार (19 दिसंबर) को जानकारी दी कि एक ही दिन में 5,700 से ज्यादा अफगान शरणार्थियों को पाकिस्तान और ईरान से जबरदस्ती वापस भेज दिया गया.

तालिबान के डिप्टी प्रवक्ता मुल्ला हमदुल्ला फितरत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रवासियों के मुद्दों को सुलझाने के लिए हाई कमीशन की रिपोर्ट साझा की. अफगान न्यूज पझवोक के मुताबिक गुरुवार को अफगान शरणार्थियों के 1,084 परिवार अफगानिस्तान लौट आए. 1,084 परिवारों में 5,780 लोग शामिल थे.

तालिबान के डिप्टी प्रवक्ता हमदुल्ला फितरत ने कहा कि लोग हेरात में इस्लाम कला क्रॉसिंग, हेलमंद में बहरामचा, नंगरहार में तोरखम क्रॉसिंग, निमरोज में पुल-ए-अब्रेशम और कंधार में स्पिन बोल्डक के जरिए वापस लौटे. 1,178 परिवार, जिनमें 6,561 लोग शामिल थे, को उनके अपने इलाकों में ले जाया गया, जबकि 974 परिवारों को मानवीय मदद दी गई. इसके अलावा, टेलीकम्युनिकेशन कंपनियों ने हाल ही में अफगानिस्तान लौटे रिफ्यूजी को 1,019 सिम कार्ड दिए.

तालिबान के डिप्टी प्रवक्ता हमदुल्ला फितरत ने कहा कि गुरुवार (18 दिसंबर) को ईरान और पाकिस्तान से 4,591 अफगान शरणार्थियों को जबरदस्ती निकाला गया था. इस साल के नवंबर की शुरुआत में, यूनाइटेड नेशंस हाई कमिश्नर फॉर रिफ्यूजी ने बताया कि पाकिस्तान ने 2025 में रिकॉर्ड संख्या में अफगानी प्रवासियों को हिरासत में लिया है, जिसमें सबसे ज्यादा गिरफ्तारियां बलूचिस्तान और पंजाब प्रांतों में हुई हैं.

अफगानिस्तानी न्यूज एजेंसी खामा प्रेस ने बताया कि यूएनएचआरसी की एक नई रिपोर्ट के मुताबिक ज्यादातर गिरफ्तारियां बलूचिस्तान के चगाई और क्वेटा जिलों और पंजाब के अटक जिलों में हुई. पाकिस्तानी अधिकारियों ने 1 जनवरी से नवंबर 2025 के बीच 1,00,971 अफगानों को गिरफ्तार किया। इससे पहले 2024 में लगभग 9,000 और 2023 में 26,000 से ज्यादा गिरफ्तारियां हुई थीं.

UNHRC ने कहा कि हिरासत में लिए गए लोगों में से 76 फीसदी अफगान नागरिकता वाले या बिना दस्तावेज वाले प्रवासी थे, जबकि बाकी 24 फीसदी के पास प्रूफ ऑफ रजिस्ट्रेशन कार्ड थे. अफगान प्रवासियों को हिरासत में रखने में बढ़ोतरी 2025 में दो सरकारी ऑर्डर के बाद हुई है. पाकिस्तानी सरकार ने इस्लामाबाद और रावलपिंडी से अफगान प्रवासियों को हटाने का निर्देश दिया था, और पुलिस को पीओआर-कार्ड होल्डर्स को गिरफ्तार करने की इजाजत दी गई थी.

कई मानवीय संगठनों ने पाकिस्तान से यह सुनिश्चित करने की अपील की है कि कोई भी वापसी अपनी मर्जी से और अंतर्राष्ट्रीय जिम्मेदारियों के हिसाब से हो. उन्होंने चेतावनी दी कि बड़े पैमाने पर निकाले जाने से अफगानिस्तान की सीमा पर अस्थिरता पैदा होती है. लौटे परिवारों के पास अक्सर रहने की जगह, नौकरी और बुनियादी सुविधाओं की कमी होती है.

Saudi Arabia में बर्फ की चादर, रेगिस्तान बना विंटरलैंड

आवाज़ तसनीम

18 दिसंबर को सऊदी अरब के उत्तरी इलाके का नज़ारा पूरी तरह बदल गया. आमतौर पर सुनहरी रेत और सूखे पहाड़ों के लिए पहचाना जाने वाला यह इलाका अचानक बर्फ की सफेद चादर से ढक गया. तबूक इलाके में स्थित जाबल अल-लॉज इस अनोखी बर्फबारी का केंद्र बनता दिखाई दिया. जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. समुद्र तल से करीब 2,580 मीटर ऊंचा यह पहाड़ ऐसा दिखने में लग रहा था मानों सऊदी अरब नहीं, बल्कि स्विट्ज़रलैंड के आल्प्स हों.

सऊदी अरब में भारी बारिश

इस हफ्ते आए एक नाटकीय मौसम बदलाव के तहत उत्तरी सऊदी अरब के कई हिस्सों में बर्फ गिरी, जिसने स्थानीय लोगों के साथ-साथ दुनियाभर के लोगों को हैरान कर दिया. ऊंचे पहाड़ी इलाकों, रेगिस्तानी मैदानों और यहां तक कि बड़े-बड़े भूरे रेत के टीलों पर भी 18 दिसंबर को बर्फ जम गई. आमतौर पर शुष्क रहने वाला यह इलाका अचानक सर्दियों की तस्वीर में बदल गया.

कई जगहों पर तापमान शून्य से नीचे गए

यह बर्फबारी तब हुई जब एक ताकतवर ठंडी हवा इलाके में दाखिल हुई. इससे कई जगहों पर तापमान शून्य से नीचे चला गया और कुछ इलाकों में भारी बारिश भी हुई. कुछ जगहों पर तापमान माइनस 4 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया गया, जो सऊदी अरब के सामान्य रेगिस्तानी मौसम से बिल्कुल उलट है.

गर्म कपड़े पहने दिखाई दिए लोग

बर्फबारी के बाद गर्म कपड़े पहने लोग बाहर निकलकर बर्फ के साथ खेलते नजर आए, सोशल मीडिया पर ऐसे कई ऐसी तस्वीरें साझा की गई, जिनमें बर्फ से ढके रास्तों पर चलते ऊंट और गाड़ियां दिखाई दीं. यह नज़ारा लोगों के लिए बेहद खास और यादगार बन गया.

दुनिया भर में चर्चा

जैसे ही सऊदी अरब में बर्फबारी की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए, लोग हैरान रह गए. कई यूज़र्स ने तो यह तक सवाल उठाया कि कहीं ये दृश्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बनाए गए तो नहीं हैं. सफेद बर्फ से ढके रेगिस्तान और रेत के टीले देखकर लोग असमंजस में पड़ गए. हालांकि, आधिकारिक रिपोर्ट्स और मौसम से जुड़े आंकड़ों ने साफ कर दिया कि यह बर्फबारी पूरी तरह वास्तविक है और एक मजबूत ठंडी मौसम प्रणाली के कारण हुई है. तेज़ गर्मी के लिए मशहूर देश में बर्फ का यह नज़ारा लोगों के लिए और भी चौंकाने वाला साबित हुआ.

سلطان الہند خواجہ غریبؒ

آوازِ تسنیم

ذی الحجہ کا مہینہ تھا پانچ سو تراسی سن ہجری اور گیارہ سو ستاسی عسیوی تھی، مکتہ المکرّمہ کی سرزمین پر میدان محشر کا سا سماں تھا، چہار دانگ عالم سے فرزندان توحید اپنے معبود حقیقی کے اس فرمان ’’واتموا الحج والعمرۃ للہ‘‘ کی تعمیل کیلئے سرنیاز خم کئے سیل رواں کی طرح جوق در جوق جمع ہو گئے تھے ایک ہی ترانہ جو ہر زبان پہ جاری تھا ایک ہی آواز جس سے مکتہ المکرّمہ کی فضا گونج رہی تھی وہ مقدس ترانہ یہ تھا، ’’لبیک اللّٰھم لبیک لاشریک لک لبیک ان الحمد والنعمۃ لک والملک لاشریک لک‘‘ خالق کائنات جل جلالہ کے یہ وفا شعار بندے دنیا و مافیہا سے بے نیاز ہر کر مناسک حج کی ادائیگی میں مصروف تھے لیکن ایک خلش جو دلوں کو بے چین کر رہی تھی وہ تھی روضۃ الرسول صلی اللہ تعالیٰ علیہ وآلہ وسلم کی حاضری کیونکہ ہادی اکرم صلی اللہ علیہ وسلم کے در اقدس ہی تو اصل مراد اور قبولیت کا پروانہ ہے جیسا کہ سیدی اعلیٰ حضرت رضی اللہ تعالیٰ عنہ فرماتے ہیں

اس کے طفیل حج بھی خدا نے کرادیئے
اصل مراد حاضری اس پاک در کی ہے

بشارت

آخر وہ لمحہ جانفزا آ ہی گیا جب حجاج فرائض حج سے فراغ ہو کر اپنا مال و متاع اونٹوں پر لاد کر دیوانہ وار عشق و مستی میں سرشار جانب طیبہ قافلہ در قافلہ کوچ کرنے لگے اور اپنے غمخوار آقا کی بارگاہ میں عقیدت و محبت کے نذرانے پیش کرنے لگے انہی میں ایک خوب رو، خوش قامت، عاشق رسول تھا جس کی عمر تاریخ میں اس وقت چھیالیس سال بتائی جارہی ہے اور حالت یہ تھی برہنہ سر، آنکھیں نم اور کثرت سفر کی وجہ سے پاؤں میں چھالے ہیں لیکن صورت بتارہی تھی یہ کوئی اللہ والے ہیں۔ اپنے محسن آقا کی بارگاہ میں ہر کوئی اپنا درد دل بیان کر رہا تھا لیکن محبوب رب العالمین کا یہ عاشق ان سب سے بے نیاز ہو کر اپنے معبود حقیقی کی عبادت و ریاضت میں مشغول تھا اچانک گنبد خضرٰی سے آواز آئی۔ اے معین الدین تو میرے دین کا معین ہے میں نے تجھے ہندوستان کی ولایت عطا کی وہاں کفر و ظلمت پھیلی ہوئی ہے تو اجمیر جا تیرے وجود سے ظلمت کفر دور ہوگی اور اسلام رونق پذیر ہوگا۔‘‘ ہر دل مخمور اور ہر چہرہ مسرور تھا اگر کسی چہرے پر پریشانی کی لکیر اور تکفرات کی سلوٹیں نمایاں تھیں تو وہ اسی عاشق رسول کا چہرہ تھا کیونکہ سلوک و معرفت کا یہ محبتوں بھرا تحفہ اسی کو عطا کیا گیا تھا۔ یہ مژدہ دلنواز اسی کو سنایا گیا تھا۔ آخر خوشخبری پہ خیران کیوں؟ جب یہ سوال تاریخ کے ورق الٹنے والے مؤرخوں سے کیا گیا تو جواب ملا اس وجہ سے کہ وہ انجان تھا اس ملک سے۔ جس کا مژدہ سنایا گیا تھا۔ اسے معلوم نہ تھا کہ شہر اجمیر کہاں ہے؟ سمت سفر کیا ہوگی؟ مدینہ سے مسافت کتنی ہے؟ راستہ کے پیچ وخم کیا ہیں؟ ابھی وہ انہی فکروں میں گم تھا کہ گنبد خضرٰی کی ٹھنڈی ٹھنڈی ہواؤں نے اس پر غنودگی طاری کر دی خواب میں محبوب کائنات صلی اللہ علیہ وسلم تشریف لائے۔ اپنے جمال جہاں آراء کے دیدار سے مشرف فرمایا اور ایک نظر میں مشرق سے مغرب تک سارے عالم کو دکھا دیا۔ تمام بلا و امصار نگاہوں کے سامنے تھے شہر اجمیر وہاں کا قلعہ اور پہاڑیاں نظر آنے لگیں۔ سرکار نے اپنے اس عاشق صادق کو ایک جنتی انار عطا فرما کر ارشاد فرمایا ہم تم کو خدا کے سپرد کرتے ہیں آنکھیں کھولیں تو ہندوستان کا پورا نقشہ پیش نظر تھا۔ چنانچہ تعمیل آقا کے لئے چالیس اولیاء کے ساتھ ہندوستان کا رُخ کیا۔

سفر ہند

مدینہ منورہ سے وہ عاشق صادق بغداد پہنچا جہاں کچھ دنوں مشائخین وقت سے صحبتیں رہیں پھر 586ھ/ 1190 کو بقصد اجمیر بغداد سے عازم سفر ہوا۔ دوران سفر چشت، خرقان، جہنہ، کرمان، استرآباد، بخارا، تبریز، اصفہان، ہرات، سبزہ وار ہوتا ہوا بلخ پہنچا جہاں کچھ ایام شیخ احمد خضریہ کے یہاں قیام کیا۔ پھر بلخ سے روانہ ہو کر سمرقند ہوتا ہوتا غزنین پہنچا یہاں شمس العارفین عبدالواحد سے ملاقات کی اور کچھ دنوں روحانی صحبت گرم رہی پھر اپنے روحانی قافلہ کے ساتھ لاہور پہنچا حضرت ابوالحسن علی بن عثمان ہجویری المعروف داتا گنج بخش علیہ الرحمہ کے مزار اقدس پر حاضری دی اور روحانی فیوض سے مالا مال ہوا جب روانہ ہونے لگا تو مزار مبارک پر یہ شعر پڑھا

گنج بخش فیض عالم مظہر نور خدا
ناقصاں را پیر کامل، کاملاں را رہنما

دہلی میں آمد:۔

لاہور سے سمانا ہوتا ہوا ہندوستان کی راجدھانی دہلی پہنچ کر راجہ کھانڈے راؤ کے راج محل کے سامنے ایک بت کدہ کے پاس قیام کیا اور اپنے اعلیٰ اخلاق و کردار، سادہ مؤثر نصیحتوں سے راج کھانڈے راؤ کے کاریگروں اور بہت سے راجپوتوں کو کلمہ اسلام پڑھنے پر مجبور کر دیا۔ لوگ جوق در جوق آنے لگے اور اسلام کا نور پھیلنے لگا، دیکھتے ہی دیکھتے دہلی کی سرزمین پر مسلمانوں کا ایک وسیع حلقہ تیار ہو گیا چونکہ اس مرد مجاہد کی منزل مقصود اجمیر تھی اس لئے اپنے خلیفہ حضرت قطب الدین بختیار کاکی رحمۃ اللہ تعالیٰ علیہ کو دہلی میں خلق خدا کی ہدایت کیلئے چھوڑ کر عازم اجمیر ہو گیا۔

اجمیر میں آمد

چند ثقہ مؤرخوں کے مطابق وہ مرد مجاہد 587ھ/ 1191 کو وارد اجمیر ہوا جہاں روز اول ہی سے باطن شکن کرامتوں کے ظہور نے ایک بوریہ نشیں درویش کی روحانی عظمت و قوت کا سکہ اہل اجمیر کے دلوں پر بٹھا دیا۔ اجمیر کے عوام و خواص کی کثیر تعداد شرک و بت پرستی کے قعر عمیق سے نکال کر فرمان باری تعالیٰ ورایت الناس یدخلون فی دین اللہ افواجا کی ڈور سے منسلک ہونے لگی اور ایک وقت وہ آیا کہ شہر اجمیر کی پوری فضا کلمہ توحید سے گونجنے لگی۔ قبل ازیں کہ اس مرد خدا کی کچھ کرامتیں سپرد قرطاس کی جائیں نام ونسب اور ولادت وبچپن کا بیان بھی ضروری ہے۔

نام ونسب اور والدین

تاریخ میں اس عظیم مرد مجاہد کا نام معین الدین بتایا جاتا ہے۔ جنہیں والدین پیار سے حسن کہا کرتے تھے اور غریب پروری کی وجہ سے غریب نواز کے نام سے مشہور ہوئے۔ پدر بزرگوار کا نام خواجہ غیاث الدین حسن ہے جو زہد وورع، تقوٰی وطہارت میں ممتاز اور علم

ظاہر و باطن سے بھی آراستہ تھے۔ یہ آٹھویں پشت میں حضرت موسٰی کاظم کے پوتے ہوتے ہیں۔

آپؒ کا شجرہ اس طرح ہے۔ سید معین الدین حسن بن غیاث الدین بن سید سراج الدین بن سید عبداللہ بن سید عبدالکریم بن سید عبدالرحمٰن بن سید علی اکبر بن سید ابراہیم بن امام موسی کاظم بن امام جعفر الصادق بن امام محمد باقر بن امام زین العابدین بن حضرت امام حسین بن حضرت علی المرتضی رضوان اللہ تعالی علیہم اجمعین۔

اور مادر مہربان کا نام بی بی ام الورع ہے جو بی بی ماہ نور سے مشہور تھیں یہ بھی بلند کردار، پاکیزہ باطن خاتون تھیں، عبادت و ریاضت آپ کا محبوب مشغل تھا۔ چند واسطوں سے یہ حضرت امام حسن رضی اللہ تعالیٰ عنہ کی پوتی تھیں۔ اس لئے حضرت خواجہ کی نجیب الطرفین سید کہا جاتا ہے۔ حضرت خواجہ حضرت غوث اعظم کے خالہ زاد بھائی ہیں اور ایک روایت کے مطابق آپ غوث اعظم رضی اللہ تعالیٰ عنہ کے ایک رشتے سے بھانجے بھی ہوتے ہیں۔

ولادت، بچپن اور تعلیم

حضرت خواجہؒ کی ولادت با سعادت 537ھ 1142 کو موضع سنجر علاقہ سجستان (جسے سبستان بھی کہا جاتا ہے) میں ہوئی۔ آپ نے متقی و پارسا والدین کی آغوش تربیت میں پرورش پائی تھی اس لئے عام بچوں کی طرح آشنائے لہو و لعب نہ تھے۔ پیشانی مبارک پر لمعہ نور اور شائستہ اطوار اس امر کی غمازی کرتے تھے کہ آپ آگے چل کر غیر معمولی شخصیت اور فکر و عمل، صلاح و تقوٰی کا روشن مینار ہوں گے۔ ابتدائی تعلیم والد گرامی کے زیر سایہ ہوئی۔ نو برس کی عمر میں قرآن پاک حفظ کر لیا پھر ایک مدرسہ میں داخل ہو کر تفسیر و حدیث اور فقہ کی تعلیم حاصل کی اور بہت قلیل مدت میں کثیر علم حاصل کر لیا۔

انقلاب اور تلاش حق

جب عمر شریف پندرہ سال کی ہوئی تو والد کا سایہ شفقت سر سے اٹھ گیا ترکہ پدری سے ایک باغ اور ایک پن چکی ملی تھی جس کو آپ نے ذریعہ معاش بنایا اور خوشگوار زندگی گزرنے لگی مگر قدرت نے آپ کو اپنی مخلوق کے دلوں کی باغبانی کیلئے پیدا فرمایا تھا۔ چنانچہ ایک دن ایک مجذوب حضرت ابراہیم قندوزی باغ میں تشریف لائے اور ایک کھلی کا ٹکڑا کھلا کر دل کی دنیا میں انقلاب پیدا کر دیا۔ فوراً حضرت خواجہ نے باغ اور پن چکی بیچ کر اس کی قیمت فقراء میں تقسیم کر دی اور تلاش حق میں نکل پڑے۔ کئی مقامات سے گزرتے ہوئے قریہ ہارون پہنچے جہاں حضرت خواجہ عثمان ہارونی نے آپ کو اپنے حلقہ ارادت میں داخل فرما کر اپنی دو انگلیوں کے درمیان سے اوپر عرش اعظم اور نیچے تحت الثرٰی تک دکھا دیا۔ بیس سال تک اپنے مُرشد کی خدمت کرتے رہے یہاں تک کہ ایک دن پیر و مُرشد نے آپ کو ساتھ لیکر خانہ کعبہ کا سفر کیا۔ طواف و زیارت کے بعد ہاتھ پکڑ کر حق تعالیٰ کے سپرد کر دیا۔ جب زیر حطیم کعبہ مناجات کی تو ندا آئی ’’ہم نے معین الدین کو قبول کیا‘‘ بعد ازاں بارگاہ آقا صلی اللہ تعالیٰ علیہ وآلہ وسلم میں حاضر ہو کر بحکم مُرشد حضرت خواجہ نے سلام عرض کیا تو روضہ انور سے اس طرح جواب ملا ’’وعلیکم السلام یا قطب المشائخ بر و بحر‘‘ یہ تو مُرشد برحق کے ساتھ کا واقعہ ہے لیکن جب دوسری مرتبہ اپنے مُرید خاص حضرت قطب الدین بختیار کاکیؒ کو ساتھ لیکر حج و زیارت کیلئے تشریف لے گئے تو ایک دن کا واقعہ ہے کہ آپ حرم کعبہ کے اندر یادِ الٰہی میں مشغول تھے کہ ہاتف کی آواز سنی‘‘ اے معین الدین ہم تجھ سے خوش ہیں، تجھے بخش دیا، جو کچھ چاہے مانگ تا کہ عطا کروں‘‘ اور جب روضہ انور کی زیارت کیلئے پہنچے تو یہ خوشخبری سنی‘‘ اے معین الدین تو میرے دین کا معین ہے ہندوستان کی ولایت میں نے تجھے عطا کی‘‘ یہی وہ بشارت عظمٰی ہے جس سے میں نے اپنے مقالہ کا آغاز کیا تھا، اب لگے ہاتھوں حضرت خواجہ غریب نواز رحمۃ اللہ تعالیٰ علیہ کی چند بصیرت افروز کرامتیں بھی ملاحظہ فرمائیں۔

کرامات خواجہ ہندالولی

دوران قیام بغداد ایک دن خواجہ غریب نواز رضی اللہ تعالیٰ عنہ شیخ وحدالدین، شیخ شہاب الدین سہروردی اور خواجہ قطب الدین بختیار کاکی رضی اللہ تعالیٰ عنہم کی ایک مجلس میں تھے۔ انبیاء علیہم السلام کا ذکر خیر ہو رہا تھا کہ سامنے سے ایک بارہ سال کا لڑکا ہاتھ میں ایک پیالہ لئے جارہا تھا (دوسری کتابوں میں تیر وکمان کا ذکر ہے) جب بزرگوں کی نگاہیں اس پہ پڑی تو حضرت خواجہ نے فرمایا، یہ لڑکا ایک دن دہلی کا بادشاہ بنے گا۔ چنانچہ یہی وہ لڑکا شمس الدین التمش کے نام سے دہلی کا بادشاہ گزرا ہے۔

زیارتِ کعبہ

حضرت قطب الدین بختیار کاکیؒ کا بیان ہے کہ حضرت خواجہ ہر سال زیارتِ کعبہ کیلئے بقوت روحانی اجمیر سے تشریف لے جاتے تھے جب کام پایہ تکمیل کو پہنچا تو آپ کا یہ معمول تھا کہ آپ ہر شب بعد نمازِ عشاء کعبۃ اللہ شریف تشریف لے جایا کرتے تھے اور نمازِ فجر اجمیر میں ادا فرماتے تھے۔

رہزنوں کا تائب ہونا

ایک مرتبہ حضرت خواجہؒ اپنے مُریدوں کے ساتھ ایک گھنے جنگل سے گزر رہے تھے کہ وہاں بسنے والے ڈاکوؤں نے آپ کے مُریدوں پر حملہ کر دیا اور لوٹ مار شروع کر دی۔ یہ دیکھ کر حضرت خواجہؒ نے جب نگاہِ جمال ان ڈاکوؤں پر ڈالی تو وہ کانپنے لگے اور قدموں میں گر پڑے۔ چھینا ہوا سامان واپس کیا اور آپ کے دستِ حق پرست پر سب کے سب مشرف باسلام ہوئے۔ بعد ازاں آپ نے ان کو چند نصیحتیں فرمائیں۔ جو نہایت گارگر ثابت ہوئیں۔ سب نے رہزنی سے توبہ کی اور پوری عُمر دین حق پر کاربند رہے اور سچائی کا دامن کبھی بھی اپنے ہاتھ سے نہیں چھوڑا۔

مقتول زندہ ہوگیا

حاکم وقت نے ایک بے قصور شخص کو پھانسی دی اس کی ماں روتی پیٹتی ہوئی خدمتِ خواجہ میں حاضر ہوئی اور عرض کیا کہ میرا بیٹا بے قصور تھا حضور مجھ پر کرم فرمائیں۔ آپ عصا لیکر اس کے ساتھ روانہ ہو گئے۔ مقتول کے پاس پہنچ کر عصا سے اس کی طرف اشارہ کیا اور فرمایا اگر تو بے گناہ قتل کیا گیا ہے تو خدا کے حکم سے زندہ ہو جا اور دار سے نیچے اتر آ۔ مقتول یہ سنتے ہی زندہ ہو گیا اور سولی سے اتر کر آپ کے قدموں پر سر رکھا اور اپنی ماں کے ساتھ اپنے گھر کو روانہ ہو گیا۔

بُت پرستوں کا تائب ہونا

کلمات الصادقین میں لکھا ہے کہ ایک دن حضرت خواجہؒ کا گزر کفار کے ایک بُت کدے کی طرف سے ہوا۔ اس وقت سات کافر بُت پرستی میں مشغول تھے آپ کا جمال جہاں آراء دیکھتے ہی بے بس ہو گئے اور قدموں میں آ کر گر گئے فوراً توبہ کی اور مشرف بہ اسلام ہو گئے۔ آپ نے ان میں سے ایک کا نام حمیدالدین رکھ دیا۔ چنانچہ شیخ حمید الدین دہلوی ان سات حضرات میں سے ایک ہیں جنھوں نے شہرت پائی۔

آتش پرستوں کا قبولِ اسلام

ایک روز حضرت خواجہ غریب نوازؒ صحرا سے گزرے وہاں آتش پرستوں کا ایک گروہ آگ کی پرستش میں مشغول تھا یہ لوگ اس قدر ریاضت و مجاہدات کرتے تھے کہ چھ چھ مہینے تک دانہ پانی زبان پر نہیں رکھتے تھے سرکار خواجہ نے ان لوگوں سے آتش پرستی کے بارے میں دریافت کیا تو انہوں نے جواب دیا کہ ہم لوگ آگ کو اس لئے پُوجتے ہیں کہ دوزخ میں یہ آگ ہمیں تکلیف نہ پہنچائے۔ آپ نے فرمایا دوزخ سے بچنے کا طریقہ یہ نہیں بلکہ نارِ دوزخ سے بچنے کیلئے خالق نار کی پُوجا کرو پھر یہ آگ تمہیں کوئی نقصان نہیں پہنچائے گی۔ تم لوگ اتنے دنوں سے آگ کی پوجا کرتے ہو ذرا اس میں اپنا ہاتھ ڈال کر دکھاؤ؟ ان لوگوں نے جواب دیا۔ آگ کا کام جلانے کا ہے، ہمارا ہاتھ تو جل جائے گا لیکن اس بات کا کیا ثبوت ہے کہ حق پرستوں کو آگ نہ جلائے گی۔ حضرت خواجہؒ نے فرمایا، دیکھو ہم خدا کے پرستار ہیں۔ یہ آگ ہمارے جسم کو تو دور کی بات ہماری جوتی کو بھی نہیں جلاسکتی۔ یہ فرما کر آپ نے اپنی ایک جوتی آگ میں ڈال دی بہت دیر تک وہ آگ میں رہی مگر اس پر آگ کا ذرا سا بھی اثر نہ ہوا یہ دیکھ کر سب مسلمان ہو گئے۔

فریاد رسی

ایک دن کا واقعہ ہے کہ حضرت خواجہ قطب الدین بختیار کاکی رحمۃ اللہ تعالیٰ علیہ سلطان شمس الدین التمشؒ کے ہاتھ میں ہاتھ ڈالے مصروف سیر و تفریح تھے بعض امراء و اعیان سلطنت بھی ہمراہ تھے کہ ایک بدکار عورت نے بادشاہ کے حضور میں عرض کیا کہ آپ میرا نکاح کر دیں ورنہ عتابِ الٰہی میں گرفتار ہو جاؤں گی بادشاہ نے کہا تو کس کے ساتھ نکاح کرنا چاہتی ہے تو عورت نے حضرت قطب الدینؒ کی طرف اشارہ کرتے ہوئے کہا کہ اس مرد سے جو قطب الاقطاب بنے پھرتے ہیں (نعوذ اللہ) انہوں نے میرے ساتھ حرام کی ہے اور یہ حمل (پیٹ کی طرف اشارہ کر کے) انہیں کا ہے۔ حضرت قطب صاحبؒ کو یہ بیہودہ بات سن کر شرم و ندامت سے پسینہ آ گیا۔ بادشاہ و امراء ششدر رہ گئے۔

فوراً قطب صاحب نے اجمیر کی طرف منہ کر کے کہا ’’یا پیر و مُرشد میری مدد فرمایئے‘‘ فوراً سامنے حضرت خواجہ تشریفؒ لاتے دکھائی دیئے حضرت قطب صاحب اور بادشاہ قدم بوس ہو گئے۔ سرکار خواجہ نے فرمایا کیا بات ہے؟ تم نے مجھے کیوں یاد فرمایا؟ حضرت قطب صاحب نے سارا ماجرا بیان کیا تو سرکار خواجہؒ نے اس عورت کے پیٹ کی طرف اشارہ کرتے ہوئے فرمایا اے بچے سچ سچ بتا تو کس کا بچہ ہے۔ بچہ فوراً اپنی ماں کے پیٹ سے بول اٹھا کہ میں ایک چرواہے کا بچہ ہوں۔ میری ماں نہایت بدکار عورت ہے۔ چنانچہ عورت نے بھی اعتراف کر کے معافی مانگی۔

پرتھوی راج اور حضرت خواجہ

جب حضرت خواجہؒ اجمیر میں مقیم ہوئے اور وہاں آپ کی ذات بابرکت سے کرامتوں کا مسلسل ظہور ہونے لگا اور لوگ اسلام کی صداقت کے معترف ہونے لگے پرتھوی راج کی دفاعی کوششوں کے باوجود حضرت خواجہؒ کا اثر بڑھنے لگا تو پرتھوی راج دل سے حضرت خواجہؒ کا دشمن ہو گیا، جوگی جے پال کی ناکامی اور اس کے قبول اسلام کے بعد پرتھوی راج کی آتش عداوت تیز ہو گئی اور وہ حضرت خواجہؒ کو اجمیر سے نکالنے کا منصوبہ بنانے لگا جب وہ اپنے منصوبے کو عملی شکل دینے کا ارادہ کرتا اندھا ہو جاتا اور جب باز آتا بینائی واپس آجاتی اس کرامت کو بار بار دیکھنے کے باوجود بھی شرک و بُت پرستی کی ظلمت اس کے دل سے نہ نکل سکی بالآخر اپنے کیفر کردار کو پہنچا۔

مجلس کرامات

حضرت خواجہؒ ایک مجلس کا تذکرہ فرماتے ہیں جس میں خواجہ عثمان ہارونیؒ خواجہ اوحدالدین کرمانیؒ اور حضرت خواجہؒ بھی موجود تھے۔ گفتگو اس بارے میں شروع ہوئی کہ جو شخص بھی اس مجلس میں ہے وہ اپنی کرامت دکھائے یہ سنتے ہی خواجہ عثمان ہارونیؒ نے مصلے کے نیچے ہاتھ ڈالا اور مٹھی بھر اشرفیاں نکال کر ایک درویش کے حوالہ کرتے ہوئے فرمایا کہ جاؤ درویشوں کیلئے حلوہ لے آؤ۔ شیخ اوحدالدین نے قریب ہی پڑی ہوئی ایک لکڑی پر ہاتھ مارا تو فوراً وہ لکڑی سونا بن گئی۔ میں پیچھے رہ گیا جو پیر و مُرشد کی وجہ سے کوئی کرامت ظاہر نہیں کر سکتا تھا۔ شیخ نے میری طرف رُخ کر کے فرمایا تم کوئی کرامت کیوں نہیں دکھاتے؟ اس مجلس میں ایک بھوکا درویش تھا جو شرم کی وجہ سے سوال نہیں کرتا تھا میں نے اپنی گدڑی میں سے جو کی چار روٹیاں نکالیں اور اس درویش کے حوالہ کر دیں۔

رام دیو کا قبول اسلام

جب حضرت خواجہؒ اجمیر میں اناساگر کے قریب مقیم ہوئے وہ اناساگر جس کے گردو نواح میں ہزاروں بُت خانے تھے جن پر سینکڑوں من تیل اور پھول صرف ہوتے صبح و شام تک پرستاروں کا ہجوم رہا کرتا تھا۔ برہمنوں اور پرستار اصنام کو حضرت کا قیام ناگوار گزرا جب راجہ اور اہل شہر کی کثیر تعداد مندروں میں پُوجا کیلئے حاضر ہوئی پجاریوں کا سردار رام دیو (دوسری کتابوں میں شادی دیو آیا ہے) ایک جماعت کثیر کے ساتھ حضرتؒ کی بارگاہ میں آیا تا کہ درویش کو یہاں سے نکال دیا جائے لیکن حضرت خواجہؒ کے جمال باکمال پر نظر پڑتے ہی لوگوں کے جسموں پر لرزہ طاری ہو گیا۔ وہ لوگ کانپنے لگے۔ حضرتؒ کی نگاہِ کرم کی تاثیر نے رام دیو کے دل کی کیفیت بدل دی بصد خلوص وعقیدت آگے بڑھا اور دستِ حق پرست پر اسلام قبول کر لیا۔ حضرت خواجہؒ نے اس کا نام شادی دیو رکھا۔ یہ آپؒ کی دس کرامتیں مکمل ہوئیں ویسے تو آپؒ کی بے شمار کرامتیں ہیں اور الحمدللہ!! آج بھی آپؒ کی تربیت گہوارہ ء کرامت بنی ہوئی ہے۔

خدا کی رحمتیں ہوں اے امیر کارواں تم پر

☆☆☆

پدم شری یوسف علی
ہندوستان کا لعل دنیا بھر میں کر رہا ہے کمال

آوازِ تسنیم

پدم شری یوسف علی اکثر چرچا میں رہتے ہیں اور اس کا ایک اہم سبب ان کا کاروبار ہے۔ انہوں نے دنیا بھر کے کئی مقامات پر لولو مال کھولے ہیں۔ یوسف علی نے ہندوستان میں بھی کئی مقامات پر لولو مال قائم کئے ہیں جن میں اتر پردیش اور حیدرآباد بھی ہیں۔ لکھنو کا لولو مال یوپی کا سب سے بڑا مال ہے جو انتہائی جدید قسم کا ہے اور شہر کے لوگوں کی توجہ اپنی جانب مبذول کر رہا ہے۔ ایسے میں لوگ جاننا چاہتے ہیں کہ یوسف علی کون ہیں؟ یہ عجیب بات ہے کہ جس شخص کا کاروبار دنیا کے تقریباً پچاس ملکوں تک پھیلا ہوا ہے اور جو ہزاروں افراد کو روزگار فراہم کرتا ہے، انہیں ہمارے ملک میں بہت کم لوگ جانتے ہیں۔ اتر پردیش کے وزیر اعلیٰ یوگی آدتیہ ناتھ نے لکھنو میں لولو مال کا افتتاح کیا تھا۔ لکھنو کے گولف سٹی میں 22 لاکھ مربع فٹ میں 2 ہزار کروڑ روپے کی لاگت سے بنے اس مال کو اتر پردیش کا سب سے بڑا مال کہا جارہا ہے۔ مال کے اندر ایک بڑا فوڈ کورٹ بھی ہے، جس میں 15 بہترین ریستوراں اور 25 برانڈ آؤٹ لیٹس ہیں جو ایک وقت میں 1600 لوگوں کے بیٹھ سکتے ہیں۔ تمام سہولیات سے آراستہ اس مال میں ملٹی لیول پارکنگ ہے جس میں ایک وقت میں 3 ہزار سے زائد گاڑیاں کھڑی کی جاسکتی ہیں۔ عوام کے متنوع ذوق کے مطابق 15 عمدہ ریستوراں اور کیفے ہیں اور 25 برانڈ آؤٹ لیٹس کیساتھ ایک کشادہ فوڈ کورٹ ہے جس میں 1600 افراد بیٹھ سکتے ہیں۔ لولو مال لکھنؤ میں بہترین زیورات، فیشن اور پریمیم واچ برانڈز کے ساتھ شادی کی خریداری کا علاقہ بھی ہوگا۔ مال 3000 سے زیادہ گاڑیوں کے لیے ایک مختص ملٹی لیول پارکنگ کی سہولت سے لیس ہے۔

آخر لولو گروپ کیا ہے؟

یو اے ای میں مقیم لولو گروپ کے مالک یوسف علی ایم اے کا تعلق کیرالہ کے تھریسور ضلع سے ہے۔ انہوں نے سال 2000 میں لولو ہائپر مارکیٹ کی بنیاد رکھی۔ اس وقت یوسف علی متحدہ عرب امارات کے شہری ہیں۔ ان کا گروپ سوپر مارکیٹ چین شعبے میں کام کرتا ہے۔ لکھنؤ ہندوستان کا پانچواں شہر ہے جہاں گروپ نے اپنی سوپر مارکیٹ کھولی ہے۔ لکھنو کے علاوہ کوچی، بنگلور، ترواننت پورم اور حیدرآباد میں بھی لولو گروپ کی سوپر مارکیٹیں کھولی جاچکی ہیں۔ ان کا گروپ اس وقت مشرق وسطیٰ، امریکہ اور یورپ کے 22 ممالک میں کاروبار چلا رہا ہے۔ یوسف علی متحدہ عرب امارات میں رہنے والے سب سے امیر ہندوستانی این آر آئی ہیں۔ یوسف علی 1973 میں ابوظہبی چلے گئے۔ اب ان کا شمار وہاں کے چوٹی کے تاجروں میں ہوتا ہے۔ یوسف علی اپنے کاروبار کے ساتھ ساتھ فلاحی کاموں کیلئے بھی جانے جاتے ہیں۔ گجرات میں زلزلے سے لے کر سونامی اور کیرالہ کے سیلاب تک انہوں نے کئی بار خطیر رقم عطیہ کی ہے۔ ان کے گروپ کا سالانہ ٹرن اوور 8 بلین ڈالر ہے اور انہوں نے تقریباً 57 ہزار لوگوں کو روزگار دیا ہے۔

ابوظہبی کا اعلیٰ ترین سول ایوارڈ

2021 میں یوسف علی کو ابوظہبی کے اعلیٰ ترین سیول ایوارڈ سے نوازا گیا۔ انہیں یہ ایوارڈ ابوظہبی کے ولی عہد شیخ محمد بن زید النہیان نے دیا۔ یوسف علی کو ابوظہبی چیمبر آف کامرس اینڈ انڈسٹری کا نائب صدر بھی مقرر کیا گیا ہے۔ اس کے علاوہ یوسف علی کو پدم شری اور پرواسی بھارتیہ سمان سے بھی نوازا جاچکا ہے۔ 2021 میں لولو گروپ کے سربراہ ایم اے یوسف علی اور ان کی اہلیہ کو لے جانے والا ہیلی کاپٹر گر کر تباہ ہو گیا تھا۔ یہ حادثہ کیرالہ میں پیش آیا۔ تاہم اس حادثے میں یوسف علی اور ان کی اہلیہ بال بال بچ گئے۔

ہزاروں لوگوں کو روزگار دیا

آپ کو بتاتے چلیں کہ یوسف علی کی پیدائش 15 نومبر 1955 کو کیرالہ کے ایک مسلم گھرانے میں ہوئی۔ وہ 18 سال کی عمر میں اپنے چچا کے ریٹیل کاروبار کو سنبھالنے کیلئے ابوظہبی چلے گیے تھے۔ یوسف علی فوربز انڈیا امیروں کی فہرست 2021 میں 5 بلین ڈالر کے ساتھ 38 ویں نمبر پر تھے۔ لولو گروپ جو 42 ممالک میں کام کرتا ہے، اس کا سالانہ کاروبار 8 بلین ڈالر ہے اور اس میں 57,000 سے زیادہ لوگ ملازمت کرتے ہیں۔

ایک کروڑ روپے دیکر جان بچائی

یوسف علی اپنی تجوری کا دروازہ ضرورت مندوں کیلئے ہمیشہ کھولے رہتے ہیں۔ انہوں نے ایک خطیر رقم دے کر یو اے ای میں ایک شخص کی جان بچائی تھی اور تب یہ معاملہ میڈیا کی سرخیوں میں آیا تھا۔ 2012 میں 45 سالہ بیکس کرشنن گاڑی ڈرائیو کرتے ہوئے غلطی سے بچوں کے ایک گروپ سے ٹکرایا تھا اور ایک بچے کی غیر ارادتاً موت ہوگئی تھی۔ یہ بچہ سوڈانی تھا اور اپنے والدین کا اکلوتا تھا۔ اس معاملے میں کرشنن کو عدالت نے مجرم پایا گیا اور متحدہ عرب امارات کی عدالت نے اسے موت کی سزا سنائی۔ کیرالہ کے رہنے والے کرشنن کے اہل خانہ اور دوستوں نے اسے بچانے کی بہت کوشش کی لیکن وہ ناکام رہے۔ وہیں حادثے کے بعد بچے کے اہل خانہ بھی واپس سوڈان چلے گئے جس کی وجہ سے وہ متاثرہ کے اہل خانہ سے بات بھی نہیں کر سکے۔ اس دوران بیکس کرشنن کے اہل خانہ نے لولو گروپ کے چیئرمین یوسف علی سے ملاقات کی اور یوسف نے بھی اس معاملے پر متحدہ عرب امارات کی انتظامیہ سے ملاقات کی۔ اس کے بعد یوسف علی نے جنوری 2021 میں ایک بیان جاری کرتے ہوئے کہا کہ سوڈان میں متاثرہ خاندان بیک کرشنن کو معاف کرنے کیلئے تیار ہے۔ یوسف علی نے بتایا کہ اگر وہ عدالت میں پانچ لاکھ درہم یعنی ایک کروڑ روپے ادا کر دیں تو انہیں رہا کر دیا جائے گا۔ اس کے بعد یوسف علی نے بیکس کرشنن کی رہائی کیلئے عدالت میں معاوضہ ادا کیا اور بیک کرشنن کو رہا کر دیا گیا۔ یوسف علی، کرشنن اور اس کے خاندان کیلئے فرشتہ ثابت ہوئے۔ یوسف کا بیکس کرشنن سے کوئی تعلق نہیں تھا۔ انہوں نے یہ سب صرف انسانیت کی وجہ سے کیا تھا۔

ہندوستان نژاد امر سبرامنیا کو ایپل نے بنایا کمپنی میں اے آئی کا نائب صدر۔ آوازِ تسنیم

کیلیفورنیا: ٹیک کمپنی ایپل نے اعلان کیا ہے کہ مشہور ہندوستانی نژاد اے آئی محقق امر سبرامنیا نے ایپل میں اے آئی کے نائب صدر کے طور پر شمولیت اختیار کی ہے اور وہ براہ راست کریگ فیڈریگی کو رپورٹ کریں گے۔ ایپل کے مطابق کمپنی کے مشین لرننگ اور اے آئی اسٹریٹیجی کے سینئر نائب صدر جان گیانانڈریا ریٹائر ہو رہے ہیں۔ فی الحال وہ 2026 میں اپنی ریٹائرمنٹ تک کمپنی کے مشیر کا کردار ادا کریں گے۔ سبرامنیا کے بارے میں فراہم کردہ معلومات کے مطابق وہ کمپنی میں ایپل فاؤنڈیشن ماڈلس، ایم ایل ریسرچ، اے آئی سیفٹی ایویلیوایشن جیسے اہم شعبوں کی قیادت کریں گے۔ وہ ایپل میں اپنے بہترین تجربے کے ساتھ شامل ہو رہے ہیں۔ اس سے قبل وہ مائیکروسافٹ میں اے آئی کے کارپوریٹ نائب صدر کے طور پر خدمات انجام دے رہے تھے۔ مائیکروسافٹ سے پہلے وہ 16 سال تک گوگل میں کام کر چکے ہیں جہاں انہوں نے گوگل جیمنی اسسٹنٹ کیلئے ہیڈ آف انجینئرنگ کے عہدے پر خدمات انجام دی ہیں۔ اس سلسلے میں ایپل نے کہا کہ سبرامنیا کا اے آئی اور ایم ایل ریسرچ اور اس ریسرچ کو پروڈکٹس اور فیچرس میں ضم کرنے کو لے کر وسیع تجربہ کمپنی کے موجودہ انوویشن اور مستقبل کے ایپل انٹیلی جنس فیچرس کیلئے کافی اہم ہونے والا ہے۔ ایپل کے سی ای او ٹم کک نیامر کے بارے میں کہا کہ اے آئی طویل عرصے سے ایپل کی حکمت عملی میں مرکزی حیثیت رکھتا ہے اور ہم ان کے غیر معمولی اے آئی تجربے کو لانے کے ساتھ کریگ کی زیر قیادت ٹیم میں ان کا خیر مقدم کرتے ہیں۔ جان گیانانڈریا نے ایپل میں 2018 سے اپنی شمولیت کے بعد کمپنی کی اے آئی اور مشین لرننگ کی حکمت عملی میں کلیدی کردار ادا کیا ہے۔ انہوں نے ایپل میں ایک عالمی معیار کی ٹیم بنائی اور اس ٹیم کو اہم اے ٹکنالوجی کو ڈیولپ کرنے اور تعینات کرنے کیلئے تیار کیا۔ یہ ٹیم فی الحال ایپل فاؤنڈیشن ماڈلز، سرچ اینڈ نالج، مشین لرننگ ریسرچ اور اے آئی انفراسٹرکچر کی ذمہ داری سنبھال رہی ہے۔ اس موقع پر ٹم کک نے کہا کہ ہمارے اے آئی ورک کو لیکر جان کے کردار کیلئے ہم ان کا شکریہ ادا کرتے ہوئے۔ انہوں نے ایپل کو اختراع کرنے اور صارفین کی زندگیوں کو بہتر بنانے میں کمپنی کی مدد کی۔

जयपुर में फैक्ट्री में बन रहा था सरस-अमूल का नकली-घी

4 आरोपी गिरफ्तार; बोले-रोजाना 2 हजार लीटर तैयार कर बाजार में खपाते

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। आरोपियों के कब्जे से बड़ी मात्रा में नकली घी, कच्चा माल, पैकिंग मटेरियल और घी बनाने की मशीन मिली। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे रोज 2 हजार लीटर नकली घी बनाकर बाजारों में बेचते थे।

नकली घी से ज्यादा प्रॉफिट कमाने और माल मार्केट में जल्दी बिके इसलिए नामी कम्पनियों - सरस, लोट्स, अमूल, महान और कृष्णा के नाम के डिब्बों में नकली घी पैक किया जाता था।

एक साल से फैक्ट्री चल रही थी। आरोपी 15 किलो से 500 ग्राम तक के डिब्बे में घी पैक करते थे। यह कार्रवाई खोरा बीसल थाना पुलिस ने शनिवार शाम को की थी।

चार बदमाश गिरफ्तार, मास्टरमाइंड की तलाश जारी

डीसीपी (ईस्ट) हनुमान प्रसाद ने बताया कि नकली घी मामले में 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें आरोपी राजेंद्र कुमार गुप्ता (55), अनिल जोशी (29), भूपेंद्र उर्फ रुपेंद्र शर्मा (30) और जगदीश शर्मा (44) शामिल हैं।

अनिल जोशी और भूपेंद्र उर्फ रुपेंद्र शर्मा ग्वालियर (एमपी) के रहने वाले हैं, अभी दुर्गा विहार कॉलोनी और नाड़ी का फाटक, खोरा बीसल में रहते है।

वहीं, राजेंद्र कुमार गुप्ता मथुरा (यूपी) का रहने वाला है। अभी सूर्यनगर, बैनाड़ रोड, खोरा बीसल में रहता है। जगदीश शर्मा दादी का फाटक, झोटवाड़ा का रहने वाला है। अभी खोरा बीसल में रहता है। पुलिस नकली घी गैंग के मुख्य सरगना वीरेंद्र शर्मा की तलाश में दबिश दे रही है।

रैंप पर मॉडल्स का डांस, कविता-गाने सुनाए

एलीट मिस राजस्थान के टैलेंट राउंड में दिखी क्रिएटिविटी, प्रदेशभर से आई हैं मॉडल

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। जयपुर में आयोजित एलीट मिस राजस्थान2025 सीजन-12 के तहत टॉप-30 फाइनलिस्ट का टैलेंट राउंड ऊर्जा, आत्मविश्वास और बहुआयामी प्रतिभाओं का शानदार प्रदर्शन बनकर उभरा। इस राउंड में प्रतिभागियों ने केवल खूबसूरती ही नहीं, बल्कि डांस, सिंगिंग, एक्टिंग, स्पीच और रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी संपूर्ण पर्सनैलिटी को मंच पर जीवंत कर दिया।

कार्यक्रम के दौरान मंच पर फैशन, कला और आत्मविश्वास का ऐसा संगम देखने को मिला, जिसने जजेज के साथ-साथ दर्शकों को भी प्रभावित किया। हर प्रतिभागी ने अपने-अपने टैलेंट के जरिए मंच को खास बना दिया।

डांस और सिंगिंग ने बांधा समां

फाउंडर-डायरेक्टर गौरव गौड़ ने बताया कि टैलेंट राउंड में कुछ प्रतिभागियों ने एनर्जेटिक डांस परफॉर्मेंस से माहौल को जोशीला बना दिया, तो वहीं कई प्रतिभागियों ने सिंगिंग के जरिए अपनी सुरीली आवाज से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कुछ मॉडल्स ने लाइव म्यूजिक के साथ परफॉर्म करते हुए म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स का भी उपयोग किया, जिससे उनकी प्रस्तुति और अधिक प्रभावशाली बनी।

रैंप पर दिखा कॉन्फिडेंस और प्रोफेशनल अप्रोच

टैलेंट राउंड के दौरान प्रतिभागियों ने रैंप वॉक और कैट वॉक के जरिए अपना कॉन्फिडेंस, बॉडी लैंग्वेज और एक्सप्रेशन बखूबी प्रदर्शित किया। अलग-अलग थीम और स्टाइल पर आधारित वॉक ने यह साबित किया कि फाइनलिस्ट केवल सुंदर ही नहीं, बल्कि प्रोफेशनल मॉडलिंग स्किल्स में भी मजबूत हैं।जजेस ने प्रतिभागियों की चाल, संतुलन, ग्रेस और ओवरऑल प्रेजेंटेशन को बारीकी से परखा।

एक्टिंग और स्पीच ने बढ़ाया प्रभाव

कुछ प्रतिभागियों ने एक्टिंग स्किल्स के माध्यम से मंच पर भावनात्मक अभिव्यक्ति और कहानी को जीवंत किया। उनकी अदायगी ने यह दर्शाया कि वे फैशन के साथ-साथ परफॉर्मिंग आर्ट्स में भी दक्ष हैं।वहीं कुछ प्रतिभागियों ने स्पीच और जनरल नॉलेज के माध्यम से अपनी सोच, सामाजिक समझ और व्यक्तित्व की गहराई को सामने रखा।

टैलेंट राउंड की खास बात यह रही कि प्रतियोगिता में शामिल मॉडल्स अलग-अलग प्रोफेशनल और सांस्कृतिक बैकग्राउंड से आई। किसी ने क्लासिकल डांस के जरिए भारतीय संस्कृति की झलक दिखाई तो किसी ने मॉडर्न परफॉर्मेंस से क्रिएटिविटी का परिचय दिया।

निर्णायक भूमिका में टैलेंट राउंड

आयोजकों के अनुसार, टैलेंट राउंड का उद्देश्य केवल खूबसूरती तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रतिभागियों की पर्सनैलिटी, आत्मविश्वास, क्रिएटिविटी और स्टेज प्रेजेंस को मंच देना है। यह राउंड प्रतियोगिता को निर्णायक मोड़ देने में अहम भूमिका निभाएगा।

कार्यक्रम में एलिट की सुपर सीनियर मेंटर्स तनु, मिताली, आकांक्षा, फिरदौस, निशा, नेहा, रिया सेन और रिया सुलूदिया ने जज की भूमिका निभाई। वहीं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व आईएएस जगदीश चंद्र कातिल रहे।

हाईकोर्ट बोला-रिश्वत के साथ ट्रैप करना भ्रष्टाचार का दोषी नहीं: स्पष्ट डिमांड और लंबित काम जरूरी; 18 साल पुराने मामले में 3 पुलिसकर्मी बरी

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक अहम फैसला देते हुए कहा- भ्रष्टाचार के मामले में किसी भी आरोपी को दोषी ठहराने के लिए केवल ट्रैप की कार्रवाई पर्याप्त नहीं है। इसके लिए स्पष्ट डिमांड, बरामदगी और लंबित काम का होना जरूरी है।

जस्टिस आनंद शर्मा की अदालत ने यह फैसला रेलवे सुरक्षा बल इंस्पेक्टर और 2 कॉन्स्टेबलों की अपील पर सुनवाई करते हुए दिया। तीनों को एसीबी ने करीब 18 साल पहले 22 जुलाई 2007 को 5 हजार रुपए की रिश्वत लेने के मामले में गिरफ्तार किया था।

एसीबी कोर्ट-1 जयपुर ने 29 मई 2023 को तीनों को दोषी मानते हुए 1-1 साल की सजा सुनाई थी। सजा के खिलाफ तीनों ने हाईकोर्ट में अपील दायर की थी। हाईकोर्ट ने एसीबी कोर्ट के फैसले को रद्द करते हुए तीनों को बरी कर दिया।

फर्श से रुपए बरामद होना रिश्वत नहीं

कोर्ट ने कहा- भ्रष्टाचार से जुड़े किसी भी मामले में रिश्वत की स्पेसिफिक और क्लियर डिमांड होनी चाहिए। इस मामले में एसीबी की ऑडियो रिकॉर्डिंग में स्पष्ट डिमांड नहीं है। दूसरा, ट्रैप की कार्रवाई में एसीबी का कहना है कि RPF रींगस थानाधिकारी कैलाशचंद सैनी के इशारा करने पर शिकायतकर्ता ने कॉन्स्टेबल सांवरमल मीणा को रिश्वत की राशि दी, लेकिन शक होने पर उसने यह राशि जेब से निकालकर जमीन पर फेंक दी।

एसीबी ने यह राशि फर्श से बरामद की,

लेकिन कॉन्स्टेबल सांवरमल के हाथों से नोटों पर लगाया गया रंग नहीं छूटा। तीसरा, शिकायतकर्ता का कहना था कि थानाधिकारी ने उसे टिकट ब्लैक करने के केस से निकालने की एवज में रिश्वत मांगी थी, जबकि फाइल में मौजूद तथ्यों के आधार पर शिकायतकर्ता के केस की जांच थानाधिकारी के पास नहीं थी।

उसने केवल जांच को चार्जशीट के लिए उच्चाधिकारियों को रेफर किया था। वहीं ट्रैप की कार्रवाई से पहले ही चार्जशीट तैयार हो चुकी थी। ऐसे में तीनों के पास शिकायतकर्ता का कोई भी काम लंबित नहीं था।

एसीबी ने कोई स्वतंत्र गवाह नहीं बनाया

हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा- एसीबी ने यह ट्रैप की कार्रवाई सीकर रेलवे कोर्ट परिसर में की। ट्रैप कार्रवाई के समय रेलवे मजिस्ट्रेट कोर्ट परिसर में मौजूद थे, लेकिन एसीबी ने न तो मजिस्ट्रेट को और न ही किसी अन्य स्वतंत्र व्यक्ति को अभियोजन पक्ष का गवाह बनाया। सभी गवाह एसीबी के कर्मचारी थे और उन्होंने भी अभियोजन की कहानी की पुष्टि नहीं की। वहीं, तीनों आरोपियों के खिलाफ जारी अभियोजन स्वीकृति के अलग-अलग आदेशों की समान भाषा भी संदेह पैदा करती है।

2007 में हुई थी ट्रैप की कार्रवाई

दरअसल, शिकायतकर्ता चिरंजीलाल और उसके भाई को RPF रींगस ने फर्जी नामों से टिकट बुक करवाकर ब्लैक करने के मामले में पकड़ा था। उसने एसीबी में शिकायत दी थी कि आरोपी पुलिस वाले उसका नाम केस से हटाने के लिए 5 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहे हैं।

कॉन्स्टेबल जगवीर सिंह ने उससे थानाधिकारी के नाम पर 2 हजार रुपए की रिश्वत ले ली है और अब शेष 3 हजार रुपए देने के लिए कह रहे हैं। इस पर एसीबी ने 26 जुलाई 2007 को ट्रैप कार्रवाई की और कॉन्स्टेबल सांवरमल से रिश्वत की राशि बरामद होना बताया।

राजापार्क में आयोजित होगा गीता महाकुंभ

देश के अलग-अलग हिस्सों से शामिल होंगे संत-महंत, सनातन धर्म की वर्तमान स्थिति पर करेंगे मंथन

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। जयपुर के राजापार्क स्थित श्रीराम मंदिर में 17 दिसंबर से चल रहे मां बगलामुखी महायज्ञ के अंतर्गत 21 दिसंबर को गीता महाकुंभ आयोजित किया जाएगा। गीता महाकुंभ में मौजूदा राष्ट्रीय और वैश्विक हालात, खासकर बांग्लादेश में हिंदू समाज की स्थिति को लेकर गहन मंथन होगा।

कार्यक्रम में शिवशक्ति धाम डासना के पीठाधीश्वर और जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी महाराज ने बताया कि गीता महाकुंभ में श्रीमद्भगवद्गीता के संदेशों के माध्यम से हिंदू अस्मिता, मानवाधिकार, राष्ट्र चेतना और सनातन मूल्यों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

बांग्लादेश में हिंदू समाज पर अत्याचार मानवता से जुड़ा मुद्दा

रसिंहानंद गिरी महाराज ने बताया- बांग्लादेश में हिंदू समाज पर हो रहे अत्याचार केवल एक देश या समाज का विषय नहीं, बल्कि मानवता से जुड़ा गंभीर मुद्दा है। गीता महाकुंभ में देशभर से संत, धर्माचार्य, विचारक और बड़ी संख्या में युवा शामिल होंगे। यहां सनातन धर्म की वर्तमान स्थिति, महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा, गौमाता से जुड़े मुद्दों और समाज में बढ़ती चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

युवा पीढ़ी को गीता, संस्कृति और राष्ट्रधर्म से जोड़ना जरूरी

बैठक में उपस्थित राष्ट्रीय हिंदू महासभा के अध्यक्ष विजय कौशिक ने कहा कि यह समय केवल विमर्श का नहीं, बल्कि संगठित जागरूकता और वैचारिक सुदृढ़ता का है। उन्होंने कहा कि देश की युवा पीढ़ी को गीता, सनातन संस्कृति और राष्ट्रधर्म से जोड़ना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है।

साथ ही उन्होंने मठ-मंदिरों की सामाजिक एवं सांस्कृतिक भूमिका को और अधिक सुदृढ़ करने तथा राष्ट्र व सनातन विरोधी गतिविधियों पर संवैधानिक दायरे में कठोर दृष्टि रखने की आवश्यकता पर बल दिया। आयोजकों ने बताया कि गीता महाकुंभ का उद्देश्य युवाओं को गीता, संस्कृति और राष्ट्र के मूल विचारों से जोड़ना है। उन्होंने जयपुर सहित प्रदेशभर के लोगों से 21 दिसंबर को श्रीराम मंदिर, राजापार्क पहुंचकर कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की।

अमोदिनी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में पहुंचे स्टार्स

देश-दुनिया की सात फिल्म दिखाई गई, 10 देशों की 16 फिल्मों का सिलेक्शन हुआ

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। सिनेमा, कला, संस्कृति, स्वास्थ्य और साहित्य के वैश्विक संगम अमोदिनी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2025 में नजर आया। इस फेस्टिवल की शुरुआत जेएलएन मार्ग स्थित होटल क्लार्क्स आमेर में हुई। डोला फाउंडेशन की ओर से वर्ल्ड हेल्थ एंड वेलनेस फेस्टिवल के सहयोग से यह दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय महोत्सव आयोजित हो रहा है।

फेस्टिवल के पहले दिन सिनेमा, कला, संस्कृति और साहित्य जगत के कई दिग्गजों की मौजूदगी में वैश्विक सिनेमा के बदलते परिदृश्य, सामाजिक यथार्थ और मानवीय मूल्यों पर सार्थक चर्चा हुई। यह महोत्सव केवल फिल्मों का उत्सव नहीं, बल्कि कला, संवाद और प्रसन्नता के माध्यम से स्वस्थ समाज की अवधारणा को सशक्त करने की एक वैचारिक पहल के रूप में सामने आया।

10 देशों की 16 अंतरराष्ट्रीय फिल्मों का होगा प्रदर्शन

फेस्टिवल के आयोजक देवज्योति रे ने बताया कि अमोदिनी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2025 के अंतर्गत कुल 10 देशों से चयनित 16 उत्कृष्ट अंतरराष्ट्रीय फिल्मों का प्रदर्शन किया जा रहा है। इनमें पहले दिन 7 फिल्मों को प्रदर्शित किया गया, जबकि दूसरे दिन 8 फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। ये फिल्में वैश्विक सामाजिक यथार्थ, मानवीय संवेदनाओं, सांस्कृतिक विविधता और समकालीन चुनौतियों को सशक्त और संवेदनशील ढंग से प्रस्तुत करती हैं।

हॉलीवुड डेब्यूटेंट नेहा शर्मा सहित कई दिग्गज हस्तियों की शिरकत

फेस्टिवल के पहले दिन सिनेमा, संगीत और नृत्य जगत की कई प्रतिष्ठित हस्तियां मौजूद रहीं। प्रमुख रूप से हॉलीवुड डेब्यूटेंट अभिनेत्री नेहा शर्मा, बाहुबली एवं गजनी के सह-निर्माता हरि विष्णु, बॉलीवुड पार्श्वगायिका रक्तिमा मुखर्जी, ओडिसी नृत्यांगना गीतांजलि आचार्य, रूसी संगीतकार लुबोमीर जबांदा, गायक राहगीर, बंगाली सुपरस्टार जॉय सेनगुप्ता, फिल्म एवं टेलीविजन अभिनेत्री जया भट्टाचार्य सहित कई नामचीन कलाकार शामिल रहे।

इस दौरान सिनेमा, कला और साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली हस्तियों को अमोदिनी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

जयपुर में कार ने कॉन्स्टेबल को रौंदा, मौत: पहले टक्कर मारी, फिर सड़क पर गिरे पुलिसकर्मी पर गाड़ी चढ़ाई

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। जयपुर में ओवर स्पीड कार ने पुलिस कॉन्स्टेबल को रौंद दिया। हादसे में पुलिसकर्मी की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मृतक उदयपुर में गोगुंदा के उपखंड अधिकारी के पीएसओ थे।

वह तीन दिन पहले ही छुट्टी लेकर घर आए थे। घटना जिले के रायसर थाना क्षेत्र में शनिवार रात करीब साढ़े 8 बजे की है। पुलिस अधिकारियों का कहना है फरार ड्राइवर की तलाश की जा रही है।

छुट्टी लेकर तीन दिन पहले ही आया था घर रायसर एसएचओ हेमराज सिंह ने बताया कि हादसे में अजबपुरा गांव निवासी राहुल बुनकर (28) की मौत हुई है। घटनाक्रम के मुताबिक, घर से कुछ दूरी पर स्थित खेत में राहुल का नया मकान बन रहा है।

रात को खाना खाने के बाद नए मकान पर सोने के लिए पैदल जा रहे थे। घर से कुछ

ही दूरी पर दौसा-मनोहरपुर हाईवे पर सामने से आ रही ओवर स्पीड कार ने राहुल को जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर लगने से रोड पर गिरे राहुल को रौंदते हुए ड्राइवर मौके से कार लेकर फरार हो गया।

परिवार के इकलौते बेटे थे राहुल

उनके परिवार में माता-पिता के साथ ही पत्नी व 2 साल का बेटा है। राहगीरों की सूचना पर पहुंचे परिजनों को लहूलुहान हालत में मिले राहुल को निम्स हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर्स ने मृत घोषित कर दिया। रायसर थाना पुलिस ने रविवार सुबह निम्स हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

राज्य स्तरीय कार्यक्रम में दौसा जिले की तीन लखपति दीदियों को टैबलेट मिले

आवाज़ ए तसनीम

दौसा (विष्णु आशीर्वाद)। राजस्थान ग्रामीण आजीविका परिषद की ओर से रविवार को जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय लखपति दीदी संवाद एवं टैबलेट वितरण कार्यक्रम में दौसा जिले की भी तीन लखपति दीदियों को आजीविका संवर्धन में मदद के लिए टैबलेट प्रदान किए गए। जयपुर के हरीश चंद्र माथुर लोक प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित समारोह में जिला परियोजना प्रबंधक बलदेव सिंह गुर्जर के साथ दौसा जिले की लखपति दीदियों ने भी सहभागिता की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी और कृषि एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने दौसा जिले की तीन लखपति दीदियों को भी टैबलेट प्रदान किए। दौसा ब्लॉक के दीपक कलस्टर की मंजू मीणा को पशुपालन और सॉफ्ट टॉय निर्माण से आजीविका संवर्धन के लिए, महिमा क्लस्टर सिकराय की सीमा देवी को क्लस्टर कॉर्डिनेटर और मिट्टी के बर्तन के कार्य से आमदनी बढ़ाने के लिए और ज्वाला माता स्वयं सहायता समूह की नीरू वर्मा को किराना स्टोर संचालन से आजीविका संवर्धन करने पर टैबलेट वितरण किया गया।

सांप डसता रहा, डीजे पर रील बनाता रहा नाबालिग, मौत

देव आगमन की प्रथा में नाचते रहे लोग; तबीयत बिगड़ी तो भोपे के पास ले गए

आवाज़ ए तसनीम

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ में सांप को लेकर रील बना रहे नाबालिग की मौत हो गई। किशोर के घर में कॉमन करैत सांप निकला था। इसके बाद वह उसे हाथ में लेकर रील बनाते हुए देव आगमन की प्रथा के तहत लोकदेवता के थान जा रहा था। इस दौरान सांप ने उसके हाथ में कई जगह डस लिया। लोग डीजे बजाते हुए उसके साथ चल रहे थे। किशोर की तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे अस्पताल ले जाने की बजाय मंदिरों में ले गए। भोपे से इलाज करवाया, सुधार नही होने पर उदयपुर ले गए, जहां इलाज के दौरान नाबालिग ने दम तोड़ दिया। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। जिसमें नाबालिग के हाथ में स्नेक बाइट साफ नजर आ रही है। खून भी निकल रहा है। मामला चित्तौड़गढ़ के रोलहेड़ा गांव का शुक्रवार का है। नाबालिग की शनिवार देर रात मौत हो गई।

भाजपा मंडल अध्यक्ष घोसुंडा राजमल सुखवाल ने बताया- रोलहेड़ा गांव निवासी लक्ष्मण जाट दूध का काम करते हैं। उनका बेटा मोहित 11वीं क्लास में पढ़ता था। शुक्रवार को उनके घर में सांप निकला। मोहित ने उसे पकड़ लिया और देव आगमन की प्रथा के साथ उसे देवता के थान ले जाने लगा। इस दौरान सांप ने उसके हाथ में कई जगह काट लिया। सांप के डसने के बाद परिजन उसे देवताओं के थान पर ले गए।

देवताओं के थान ले जाते रहे, भोपों से पूजा करवाई

सुखवाल ने बताया- सांप के काटने के बाद मोहित की हालत धीरे-धीरे बिगड़ने लगी, लेकिन परिवार और आसपास के लोग उसे हॉस्पिटल ले जाने के बजाय अलग-अलग देव स्थानों पर ले जाते रहे। पहले रोलहेड़ा में भोपों से पूजा करवाई गई। जब वहां बात नहीं बनी तो बड़ोदिया में पूजा-पाठ किया गया। इस बीच शरीर में जहर फैलता गया। बाद में हालत ज्यादा खराब होने पर उसे चंदेरिया, फिर चित्तौड़गढ़ और आखिर में उदयपुर ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे वेंटिलेटर पर रखा, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। शनिवार देर रात उसकी मौत हो गई। उदयपुर में ही पोस्टमॉर्टम हुआ और शव परिजनों को सौंप दिया गया।

ग्रामीण इलाकों में बढ़ी देव आगमन की प्रथा

सुखवाल ने बताया- सोशल मीडिया के दौर में बड़ोदिया, रोलहेड़ा, चोगावड़ी और तालेड़ी जैसे इलाकों में एक नई प्रथा देव आगमन चल रही है। किसी के घर अगर सांप निकलता है तो उसे देवता का रूप मान लिया जाता है। इसके बाद कुछ युवा बिना किसी जानकारी या सुरक्षा के सांप को हाथ में पकड़ लेते हैं। जुलूस के रूप में देवताओं के थान या चबूतरे तक ले जाते हैं। रास्ते में डीजे बजता है, धूप-दीप होती है और लोग इसे देव आगमन मानकर नाचते-गाते चलते हैं। ऐसा ही मोहित के साथ भी हुआ।

रील बना रहे ग्रामीण युवा

सुखवाल ने कहा- ये सोशल मीडिया पर एक ट्रेंड बन चुका है। यहां के युवा सांपों की प्रजाति को जाने बिना उन्हें हाथ में ले लेते हैं और इसके वीडियो-फोटो सोशल मीडिया पर डाल रहे हैं। व्यूज के चक्कर में ऐसा कर रहे हैं। जुलूस, डीजे और रील बनाने का सिलसिला चल पड़ा है।

BCMO ने डॉक्टर को फोन कर गालियां दी

कहा- 1 मिनट में बता दूंगा तुझे, तमीज से पेश आया कर; मरीज को लेकर हुआ विवाद

आवाज़ ए तसनीम

आमेट (राजसमंद)। राजसमंद के आमेट उप जिला अस्पताल में मुख्य ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी (BCMO) और शिशु डॉक्टर के बीच मरीज को लेकर विवाद हो गया। BCMO ने फोन कर शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ के साथ गाली-गलौज कर दी। इसका ऑडियो भी सामने आया है।

शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ ने BCMO पर जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दी है। मामला सामने आने के बाद क्ष्टस्ल्ह ने इसे व्यक्तिगत मामला बताया और गुस्से में कहे गए शब्दों के लिए अफसोस जताया।

डॉक्टर ने थाने में लिखित शिकायत दी

थानाधिकारी ओम सिंह चुंडावत ने बताया- शनिवार रात करीब 8 बजे BCMO डॉ. आशीष गवारिया ने शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ राकेश पंड्या को जाति सूचक गालियां दी। साथ ही स्ट-स्ज्ञ केस दर्ज कराने और जान से मारने की धमकी दी। इस पर डॉक्टर राकेश पंड्या ने क्ष्टस्ल्ह के खिलाफ थाने में लिखित शिकायत दी। मामले में जांच कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

झुंझुनू का हिस्ट्रीशीटर डेनिस बावरिया हत्याकांड, पुलिस को मिली बड़ी सफलता

50 हजार का इनामी गैंगस्टर जयपुर के मंदिर में मांग रहा था भीख, पुलिस ने धर दबोचा

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। जुर्म की दुनिया में कभी खौफ का पर्याय रहा गैंगस्टर दीपक मालसरिया आज फटे हुए कपड़ों में हाथ में कटोरा लिए मिला। झुंझुनू के चर्चित डेनिश बावरिया हत्याकांड का मुख्य आरोपी, जिस पर पुलिस ने 50,000 रुपये का इनाम घोषित कर रखा था, जयपुर के खोले के हनुमान जी मंदिर के सामने भिखारी के भेष में गिरफ्तार किया गया।

आधे मुंडे सिर और फटे कपड़ों में छिपा था एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया कि पुलिस की पकड़ से बचने के लिए शातिर बदमाश दीपक मालसरिया ने फिल्मी अंदाज में अपना हुलिया बदल लिया था। उसने अपने सिर के आधे बाल मुंडवा लिए थे और फटे-पुराने कपड़े पहनकर भिखारियों की टोली में शामिल हो गया था। फरारी के दौरान वह जयपुर, दिल्ली और ऋषिकेश के मंदिरों के बाहर श्रद्धालुओं से मिलने वाली रोटियों और चंद सिक्कों पर गुजारा कर रहा था।

नए कानून का खौफ, अपनों ने भी फेरा मुंह पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी ने फरारी के दौरान अपने कई करीबियों और दोस्तों से मदद मांगी थी। लेकिन कड़े नए आपराधिक कानूनों के डर से किसी ने भी उसे शरण या आर्थिक मदद नहीं दी। पैसे खत्म होने पर वह इस कदर मजबूर हो गया कि उसे पेट भरने के लिए कटोरा उठाना पड़ा। वह मंदिर के रास्ते पर आने-जाने वाले लोगों से चिल्लर मांगकर अपना दिन काट रहा था।

दो दिन की रेकी और कांस्टेबल प्रवीण की पैनी नजर

झुंझुनू पुलिस को मुखबिर के जरिए सूचना मिली थी कि एक इनामी बदमाश जयपुर के मंदिर के बाहर भिखारी बनकर रह रहा है। कांस्टेबल प्रवीण कुमार की विशेष सूचना पर टीम ने दो दिनों तक मंदिर परिसर में साधारण कपड़ों में रेकी की। दर्जनों भिखारियों के बीच गहराई से जांच करने के बाद जब टीम को पक्का यकीन हो गया कि मैला-कुचैला दिखने वाला यह शख्स ही दीपक मालसरिया है, तो घेराबंदी कर उसे दस्तयाब कर लिया गया।

क्या था डेनिश बावरिया हत्याकांड

यह घटना 19 अक्टूबर 2025 की रात की है। तीन गाड़ियों में आये दीपक मालसरिया और उसके साथियों ने कैम्पर गाड़ियों से टक्कर मारकर डेनिश उर्फ नरेश की स्कॉर्पियो को रोका था। इसके बाद हथियारों की नोक पर उसका अपहरण कर रसोड़ा जोहड़ ले गए, जहाँ लोहे की पाइपों और सरियों से उस पर बर्बरतापूर्वक हमला कर वहीं पटक गए। अस्पताल में दिए गए बयान में यह भी आरोप था कि आरोपियों ने न केवल हमला किया, बल्कि सोने की चेन और 3 लाख रुपये भी लूट लिए थे।

अपराध का लंबा कच्चा चिट्ठा

गिरफ्तार दीपक मालसरिया के खिलाफ झुंझुनू के विभिन्न थानों में 8 गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। झुंझुनू एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय के निर्देशन में कोतवाली थानाधिकारी श्रवण कुमार नील और उनकी टीम की इस सफलता ने अपराधियों को कड़ा संदेश दिया है कि कानून के हाथ बहुत लंबे होते हैं।

हरियाणा पुलिस ने राजस्थान में बदमाशों को धमकाकर 9-लाख वसूले

डीडवाना-कुचामन में एसआई की गाड़ी से मिले 6 लाख; जोधपुर में 3 लाख लेते ASI गिरफ्तार

आवाज़ ए तसनीम

नागौर। जोधपुर और राजसमंद में हरियाणा से आई पुलिस की टीमों ने आरोपियों को धमकाकर 9 लाख रुपए वसूले। अजमेर की ACB टीम ने शनिवार देर रात हरियाणा पुलिस की गाड़ी से कुचामन-डीडवाना में 6 लाख बरामद किए।

इससे कुछ देर पहले जोधपुर ACB की टीम ने गुड़गांव क्राइम ब्रांच के ASI को तीन लाख रुपए लेते रंगे हाथों पकड़ा था।

ACB को इनपुट मिला था कि गुरुग्राम और सिरसा से दो टीमें जोधपुर और राजसमंद आई हैं। ये टीमें आरोपियों को धमकाकर रुपए वसूल कर रही हैं।

SI बैठे थे, कार से 6 लाख मिले

ACB एसपी महावीर सिंह ने बताया- सिरसा थाने की साइबर टीम राजसमंद से आ रही थी। गाड़ी में सिरसा साइबर क्राइम थाने के स्ढ्ढ सुरेंद्र सिंह भी बैठे हुए थे। कुचामन सिटी थाना क्षेत्र के त्रिशिंगिया में कार को रोककर तलाशी ली गई। कार से 6 लाख रुपए बरामद हुए।

राशि के बारे में जब उनसे पूछा गया तो वे कोई संतुष्टि पूर्ण जवाब नहीं दे सके। राशि को संदिग्ध मानते हुए जब्त कर लिया गया है। कार्रवाई की रिपोर्ट मुख्यालय भेजी गई है। फिलहाल किसी की गिरफ्तारी नहीं की गई है।

ASI मदद के लिए 3 लाख लेते पकड़ा

ACB (भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो) के महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया- एसीबी की जोधपुर ग्रामीण इकाई को एक शिकायत मिली थी। शिकायत में बताया गया था कि हरियाणा पुलिस का स्ढ्ढ प्रवीण एक मामले में मदद करने और पुलिस रिमांड में परेशान न करने के बदले 3 लाख रुपए की डिमांड कर रहा है।

एसीबी की जोधपुर ग्रामीण इकाई ने शिकायत मिलने के बाद तुरंत कार्रवाई करते हुए जाल बिछाया। योजना के अनुसार, परिवादी को रिश्वत की रकम के साथ भेजा गया और जैसे ही प्रवीण ने 3 लाख रुपए की रिश्वत ली, एसीबी की टीम ने उसे रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारस सोनी ने बताया कि परिवादी का मामा वाहन चोरी से संबंधित मामले में क्राइम ब्रांच की कस्टडी में है। पीड़ित को गुरुग्राम क्राइम ब्रांच अनुसंधान के लिए जोधपुर लेकर आई थी और इसी दौरान उसे रिमांड पर परेशान नहीं करने और केस में मदद करने के नाम पर पैसे मांगे गए, जिसकी परिवादी ने कल शिकायत की थी। शिकायत सत्यापन में सही पाई गई। इसके बाद एसीबी ने ट्रैप की कार्रवाई को अंजाम दिया।

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय का 33 वां दीक्षान्त समारोह

विद्यार्थी सदा सत्य, धर्म और मानवता के मार्ग पर चलें, शिक्षा से ही गरीबी का अंत संभव- राज्यपाल

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने कहा कि प्राचीन काल में गुरु और शिष्य परिवार के सदस्य होते थे जिससे छात्र का सतत् मूल्यांकन संभव होता था। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी सदा सत्य के मार्ग पर चले, धर्म का पालन करें और मानवता की भलाई के लिए कार्य करें। बागडे ने कहा कि जनजाति क्षेत्रों में उच्च शिक्षा ग्रहण करने वालों की संख्या अपेक्षाकृत कम है। परिवार में जब कोई व्यक्ति पढ़-लिखकर नौकरी हासिल करता है तो उसकी पूरी पीढ़ी का भविष्य संवर जाता है। इस दिशा में वंचित वर्ग को शिक्षा से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। गरीबी केवल शिक्षा से ही दूर हो सकती है, इसके लिए समाज में शिक्षा को बढ़ावा देना होगा।

राज्यपाल बागडे रविवार को उदयपुर के आरएनटी मेडिकल कॉलेज सभागार में आयोजित मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के 33वें दीक्षान्त समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। समारोह में विभिन्न संकायों के 255 शोधार्थियों को पीएचडी की डिग्री तथा 109 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक राज्यपाल एवं कुलाधिपति बागडे द्वारा प्रदान किए गए।

राज्यपाल बागडे ने कहा कि मेवाड़ का इतिहास शूरवीरों, मर्यादा और श्रेष्ठ संस्कारों का इतिहास है। शिक्षा में जीवन के विभिन्न आयामों और संस्कारों का समावेश होना चाहिए, तभी अच्छे नागरिक तैयार होंगे। बच्चों की शारीरिक एवं बौद्धिक क्षमता का विकास करना शिक्षा का मूल उद्देश्य है। विश्वविद्यालयों को देश-दुनिया की टॉप रैंकिंग में लाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए।

समारोह में पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ प्रशासक गुलाबचंद कटारिया ने दीक्षान्त संबोधन में कहा कि यह केवल डिग्री वितरण का अवसर नहीं है बल्कि एक विद्यार्थी के निर्माण में अध्यापक, अभिभावक और संस्थान का सामूहिक समर्पण होता है। गुरु की कृपा से ही व्यक्ति जीवन में आगे बढ़ता है और जब तक धरती पर मानव रहेगा, गुरु का सम्मान बना रहेगा। उन्होंने कहा कि इस समारोह में सर्वाधिक स्वर्ण पदक और पीएचडी बालिकाओं को मिली हैं, जो इस बात का संकेत है कि हमारा समाज सही दिशा में आगे बढ़ रहा है।

दीक्षान्त समारोह में उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। सरकार के स्तर पर मजबूती के साथ नीतिगत निर्णय लिए जा रहे हैं और साधनों के अभाव की पूर्ति के लिए सरकार कृतसंकल्पित है। शिक्षा जगत में मात्रात्मक सुधार के साथ-साथ गुणात्मक वृद्धि सुनिश्चित की जा रही है।

सार्वजनिक निर्माण, महिला एवं बाल विकास विभाग की राज्यमंत्री प्रो. मंजू बाघमार ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सच्ची शिक्षा का अर्थ केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं है बल्कि बदलते समय के साथ अपने ज्ञान को निरंतर नवीन बनाए रखना ही सच्ची शिक्षा है। उन्होंने कहा कि आज हमारा देश युवा शक्ति का देश है।

समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. बी.पी. सारस्वत ने की। उन्होंने स्वागत उद्बोधन देते हुए हुए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत की।

जोधपुर में रन फॉर विकसित राजस्थान के माध्यम से दिया विकास के साथ स्वास्थ्य का संदेश

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। वर्तमान राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रविवार को जोधपुर जिला मुख्यालय पर रन फॉर विकसित राजस्थान– 2025 का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य आमजन को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के साथ-साथ विकसित राजस्थान के संकल्प से जोड़ना रहा।

शहर विधायक श्री अतुल भंसाली एवं संभागीय आयुक्त डॉ. प्रतिभा सिंह ने कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झंडी दिखाकर दौड़ का शुभारंभ किया । इस अवसर पर जिला कलक्टर गौरव अग्रवाल, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आशीष कुमार मिश्रा एवं अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी गणपतलाल सुथार भी उपस्थित रहे। दौड़ कलेक्ट्रेट परिसर से घूमर होटल रोड, राईका बाग पुलिया एवं पावटा चौराहा होते हुए पुनः कलेक्ट्रेट परिसर पर संपन्न हुई। इसमें प्रतिभागियों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। शुभारंभ कार्यक्रम में शहर विधायक अतुल भंसाली ने कहा कि विद्यार्थियों सहित समाज के प्रत्येक व्यक्ति के लिए स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन अत्यंत आवश्यक है। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने योग दिवस को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाकर पूरे विश्व को भारत की प्राचीन स्वास्थ्य परंपरा से जोड़ा है। इसी कड़ी में रन फॉर विकसित राजस्थान जैसा आयोजन युवाओं को फिटनेस और अनुशासित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करता हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से नियमित व्यायाम को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। जिला खेल अधिकारी भरत सिंह गुर्जर ने बताया कि दौड़ में स्कूल एवं कॉलेज के विद्यार्थी, एनसीसी, एनएसएस व हिन्दुस्तान स्काउट एवं गाइड के वॉलंटियर्स, जिला परिषद, नगर निगम, पुलिस व आरएसी , खेल , चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग व सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता सहित विभिन्न विभागों के कार्मिकों एवं आमजन ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने कहा कि ‘रन फॉर विकसित राजस्थान 2025’ न केवल एक दौड़ है बल्कि यह स्वस्थ, सशक्त और विकसित राजस्थान के निर्माण का जनआंदोलन है। इस प्रकार के आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ते हैं।

विकास रथ यात्रा के दौरान पशुपालन मंत्री ने ग्रामीणों ने किया सीधा संवाद

ग्रामीणों ने सरकार की पहल की सराहना की - रविवार को सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र के 9 गांवों में पहुंची विकास रथ यात्रा

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। राज्य सरकार के दो वर्ष पूरे होने के अवसर पर ‘2 सालः नव उत्थान-नई पहचान, बढ़ता राजस्थान-हमारा राजस्थान’ कार्यक्रम के तहत रविवार को पाली जिले के सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र के 9 गांवों में विकास रथ यात्रा पहुंची। ग्रामीणों ने इन विकास रथ यात्राओं का स्वागत किया।

यह विकास रथ यात्रा ग्राम पंचायत खौड़, नादाना भाटान, ईटंदरा मेड़तियान, निम्बाड़ा, बुसी, चांचौड़ी, किरवा, बालराई, माण्डल गांव पहुंची। इस दौरान पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान मंत्री श्री जोराराम कुमावत भी पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा पिछले दो वर्षों में किए गए जनहितकारी एवं विकास कार्यों की जानकारी दी। श्री कुमावत ने कहा कि राज्य सरकार सेवा, सुशासन और जनकल्याण के मूल मंत्र पर कार्य कर रही है। उन्होंने जोर दिया कि सरकार की प्राथमिकता है कि विकास योजनाओं का लाभ हर गांव, हर गरीब और समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने बताया कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पानी और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्रों में सरकार ने उल्लेखनीय कार्य किए हैं, जिनका सीधा लाभ आमजन को मिल रहा है।

कुमावत ने कहा कि विकास रथ यात्रा का उद्देश्य केवल उपलब्धियां गिनाना नहीं बल्कि जनता को यह विश्वास दिलाना है कि सरकार उनके साथ खड़ी है। कार्यक्रम के दौरान विकास रथ के माध्यम से राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं, उपलब्धियों और भावी कार्ययोजनाओं को प्रदर्शनी, जानकारी सामग्री और संवाद के जरिए ग्रामीणों तक प्रभावी रूप से पहुँचाया गया। ग्रामीणों ने योजनाओं की जानकारी ली और सरकार की पहल की सराहना की। विकास रथ यात्रा के खौड़ आगमन पर ग्रामीणों ने सरकार के दो वर्षों के कार्यकाल को जनहितकारी बताया। इस मौके पर ढोला के सरपंच मेघाराम परमार, पूनम सिंह परमार, नारायण सिंह, सुमित्रा राजपुरोहित, सरपंच श्रवण सिंह, उप सरपंच मालव सिंह मेड़तिया, दुर्गेश सिंह, हुकम सिंह खरोकड़ा आदि मौजूद रहे। इसी तरह कीरवा में विकास रथ यात्रा के कार्यक्रम में मुकेश सिरवी, मुकेश मोदी, सरपंच घिसी देवी, शंकर सिंह आदि ने रथ यात्रा व कुमावत का स्वागत किया।

پارلیمنٹ کے سرمائی سشن کا اختتام

لوک سبھا اور راجیہ سبھا کی کارروائی غیر معینہ مدت کیلئے ملتوی، 8 بل منظور

آوازِ تسنیم

پارلیمنٹ کے سرمائی اجلاس کا جمعہ کے روز اختتام عمل میں آیا اور دونوں ایوانوں راجیہ سبھا اور لوک سبھا میں ہنگامہ آرائی کے دوران ایک ثمر آور سیشن ثابت ہوا۔ جس میں کئی اہم فیصلے لئے گئے۔ 18 ویں لوک سبھا کو آج ایوان کی کارروائی کے آغاز کے بعد غیر معینہ مدت کیلئے ملتوی کر دیا گیا۔ اسپیکر اوم برلا نے ایوان کی کارروائی کے آغاز کے کچھ ہی دیر بعد غیر معینہ مدت کیلئے التوٰی کا اعلان کیا جس کے ساتھ ہی 15 نشستوں پر مشتمل ثمر آور سیشن ختم ہوگیا۔ اسپیکر نے اپنے اختتامی ریمارکس میں سیشن کے دوران سرگرمی سے کارروائی میں حصہ لینے اور تعاون کرنے پر ارکان کی ستائش کی۔ اس سیشن کے دوران 8 بل منظور کئے گئے جن میں منریگا کی جگہ وکست بھارت جی رام جی بل اور جوہر توانائی کے شعبہ کو آزاد کرنے سے متعلق امن بل شامل ہے۔

اس اجلاس میں انتخابی اصلاحات اور وندے ماترم کی 150 ویں سالگرہ پر خصوصی بحث بھی کی گئی۔ اتفاقِ رائے کے باوجود قومی دارالحکومت میں آلودگی کے مسئلہ پر بحث نہیں ہوسکی۔ لوک سبھا میں وقفہ وقفہ سے ہنگامہ آرائی کے باوجود مجموعی طور پر تعمیری کارروائی ہوئی۔ سرکاری اور اپوزیشن بنچوں کے ارکان نے رات دیر گئے تک ہونے والی نشستوں میں حصہ لیا اور اس بات کو یقینی بنایا کہ زیر التوٰی کارروائی کی یکسوئی ہوسکے۔ یکم دسمبر کو شروع ہونے والے اجلاس میں کل 15 نشستیں ہوئیں اور آٹھ بل منظور کیے گئے، جن میں منریگا کی جگہ "ترقی یافتہ ہندوستان جی رام جی بل" اور جوہری توانائی کے شعبے کو آزاد کرنے سے متعلق امن بل شامل ہیں۔ اس اجلاس میں انتخابی اصلاحات اور وندے ماترم کی 150 ویں سالگرہ پر بھی دو خصوصی بات چیت کی گئی۔ اتفاق رائے کے باوجود قومی راجدھانی دہلی میں آلودگی کی سنگین صورتحال پر بحث نہیں ہوسکی۔ لوک سبھا نے دو بلوں، 'ڈیولپڈ انڈیا ایجوکیشن فاؤنڈیشن بل' اور 'سیکیورٹیز مارکیٹس کوڈ بل 2025'' کو تفصیلی مطالعہ کے لیے مشترکہ کمیٹی کو بھیجا گیا۔ مانسون سیشن کے مقابلے سرمائی اجلاس میں دونوں ایوانوں میں کم خلل پڑا اور کام کا بوجھ اچھا رہا۔ مانسون اجلاس کے دوران رائے دہندگان کی فہرستوں کی خصوصی گہرائی سے نظر ثانی کے مسئلہ پر اپوزیشن کے ہنگامے کی وجہ سے زیادہ تر اجلاس میں کارروائی میں خلل پڑا۔ دونوں ایوانوں نے منی پور گڈز اینڈ سروسز ٹیکس (دوسری ترمیم) (بل، 2025، سنٹرل ایکسائز) ترمیمی (بل، 2025، ہیلتھ کیئر بل، 2025 سے نیشنل سیکیورٹی سیس، نیوکلیئر انرجی کے پائیدار استعمال اور فروغ بل، 2025 کو منظور کیا۔ سب کی رکھشا) بیمہ قوانین میں ترمیمی بل (2025)، وکست بھارت جی رام جی بل اور منسوخی اور ترمیمی بل 2025 منظور کیا گیا۔

اس کے علاوہ دونوں ایوانوں نے منی پور میں آبی آلودگی کی روک تھام اور کنٹرول (ترمیمی قانون کو لاگو کرنے کی آئینی قرارداد کو منظوری دی۔ راجیہ سبھا کے چیئرمین سی پی رادھا کرشنن نے اپنے اختتامی کلمات میں کہا کہ سیشن بہت نتیجہ خیز رہا اور ارکان نے ضروری قانون سازی کے کام کو مکمل کرنے میں بہترین تعاون فراہم کیا۔ انہوں نے کہا کہ راجیہ سبھا کا 269 واں اجلاس کامیابیوں سے بھرا ہوا ہے۔ اس عرصے کے دوران روزانہ اوسطاً 15 موضوعات وقفہ صفر کے دوران اٹھائے گئے اور 87 موضوعات خصوصی ذکر کے تحت اٹھائے گئے۔ ایوان نے تاریخی اور اہم مسائل اور بلوں پر بامعنی اور بھرپور بحث کی۔ انہوں نے پہلی بار ایوان کی کارروائی چلانے میں تعاون کرنے پر تمام اراکین کا شکریہ ادا کیا۔ چیئرمین نے نوٹ کیا کہ 82 ارکان نے تاریخی وندے ماترم پر بحث میں حصہ لیا۔ انتخابی اصلاحات پر بحث میں 57 ارکان نے بھی اظہار خیال کیا۔ ایوان میں 59 پرائیویٹ ممبرز بل پیش کئے گئے۔

☆☆☆

ایلن مسک 700 ارب ڈالر اثاثے والے دنیا کے پہلے شخص

امریکی صنعت کار ایلن مسک 700 ارب امریکی ڈالر سے زائد اثاثے والے دنیا کے پہلے شخص بن گئے ہیں۔ یہ اطلاع فوربس میگزین نے دی ہے۔ ڈیلاویئر کی عدالت عظمی کے 2018 کے ٹیسلا اسٹاک آپشن پیکیج کو پہلے منسوخ کرنے والی نچلی عدالت کے فیصلے کو پلٹنے کے بعد ایلن مسک کی دولت میں نمایاں اضافہ ہوا ہے، جس کی مالیت اب 139 ارب ڈالر ہے۔ فوربس کے مطابق، اس فیصلے کے خلاف کامیاب اپیل کے بعد ایلن مسک کی مجموعی دولت ریکارڈ سطح پر پہنچ کر 749 ارب امریکی ڈالر ہوگئی ہے۔ میگزین نے اس سے قبل مسک کو 600 ارب امریکی ڈالر سے زائد دولت رکھنے والا پہلا شخص قرار دیا تھا، جب اسپیس ایکس نے آئی پی او کا اعلان کیا تھا، جس میں کمپنی کی مالیت 800 ارب امریکی ڈالر بتائی گئی تھی۔ حال ہی میں مارچ 2020 تک ایلن مسک کی مجموعی دولت کا تخمینہ 24.6 ارب امریکی ڈالر لگایا گیا تھا۔ جنوری 2021 میں وہ دنیا کے امیر ترین شخص بن گئے۔ اسی سال انہوں نے 300 ارب ڈالر کی حد عبور کی، جبکہ 2024 میں ان کی دولت بڑھ کر 500 ارب ڈالر سے بھی زیادہ ہوگئی۔ ایلن مسک کے علاوہ اوریکل کے شریک بانی لیری ایلیسن کی مجموعی دولت بھی 400 ارب ڈالر کے ہندسے تک پہنچ چکی ہے۔

وکست بھارت جی رام جی بل کی منظوری کے خلاف احتجاج

ترنمول کانگریس کے ایم پیز کا احاطہ پارلیمنٹ میں 12 گھنٹے طویل دھرنا

آوازِ تسنیم

ترنمول کانگریس کے ارکانِ پارلیمنٹ نے وکست بھارت۔ گیارنٹی فار روزگار اینڈ اجیویکا مشن (گرامین) بل کو منظور کئے جانے کے انداز کے خلاف احاطہ پارلیمنٹ میں 12 گھنٹے طویل دھرنا منظم کیا۔ اس بل کو عموماً جی رام جی بل کے نام سے جانا جاتا ہے جسے پارلیمنٹ کے دونوں ایوانوں میں منظور کرلیا گیا ہے۔ دھرنے کا آغاز رات تقریباً ایک بجے پارلیمنٹ بلڈنگ کی اصل گیٹ کے باہر ہوا جو آج دوپہر تک جاری رہا۔ ترنمول کانگریس کے قائدین نے الزام لگایا کہ اس بل کو مناسب بحث کئے بغیر، پارلیمانی قواعد کی خلاف ورزی کرتے ہوئے اور جمہوری عمل کو اہمیت نہ دیتے ہوئے منظور کیا گیا۔ احتجاج کے دوران میڈیا سے بات چیت کرتے ہوئے ترنمول کانگریس کی رکن پارلیمنٹ ساگریکا گھوش نے بتایا کہ پارٹی نے اِس بل کی غیر جمہوری اور زبردستی منظوری کے خلاف 12 گھنٹے طویل دھرنے کا آغاز کیا۔ انہوں نے کہا کہ یہ 12 گھنٹے طویل احتجاجی دھرنا ہے، جس کا ہم نے کل رات آغاز کیا تھا، آج دوپہر ختم کیا جائے گا۔ ہم احتجاج کر رہے ہیں کیونکہ یہ ایک سیاہ قانون ہے۔ وکست بھارت جی رام جی بل ایسے انداز میں متعارف کیا گیا ہے جو ایم جی این آر ای جی اے کو کمزور کرتا ہے اور مہاتما گاندھی کی وراثت کی توہین کرتا ہے۔ گھوش نے مزید کہا کہ مودی حکومت نے مناسب بحث کئے بغیر اِس قانون سازی کو پارلیمنٹ میں منظور کروایا ہے۔ اِس حکومت نے رابندر ناتھ ٹیگور کی وراثت کی توہین کی ہے اور پارلیمنٹ کے ذریعہ بلز مسلط کر رہی ہے۔ یہ جمہوریت اور پارلیمانی طریقوں پر ایک سنگین حملہ ہے۔ ہمارا احتجاج اسی غیر جمہوری طریقے کے خلاف ہے۔

ترنمول کانگریس کے رکن پارلیمنٹ ڈولا سین نے ایسے ہی جذبات کا اظہار کرتے ہوئے کہا کہ پارٹی نے دو واضح اعتراضات اٹھائے ہیں۔ ایم جی این آر ای جی اے اسکیم جو مہاتما گاندھی کے نام سے ہے اور انتہائی پسماندہ طبقات کو سالانہ 100 دن کام کی ضمانت دیتی ہے اس کی اہمیت کو گھٹایا جا رہا ہے۔ سرکاری بنچوں کے ارکان تحریک آزادی کا حصہ نہیں تھے اور وہ مجاہدین آزادی یا مہاتما گاندھی کے لئے احترام کا مظاہرہ نہیں کرتے۔ ڈولا سین نے مزید کہا کہ حکمراں جماعت ناتھورام گوڈسے کو جو مہاتما گاندھی کا قاتل ہے' اس کی شان بڑھا رہی ہے۔ حکومت اس ذہنیت کے ساتھ چلائی جا رہی ہے کہ ''مودی ہے تو ممکن ہے''۔ یہی وجہ ہے کہ ہم یعنی اپوزیشن واک آؤٹ کرنے پر مجبور ہو رہے ہیں۔ ترنمول کانگریس کی رکن پارلیمنٹ سشمیتا دیو نے کہا کہ چیف منسٹر مغربی بنگال ممتا بنرجی نے اِس بل پر کڑی تنقید کی ہے اور کہا ہے کہ یہ منریگا کے تحت 100 دن روزگار کی ضمانت کو کمزور کرتا ہے اگرچہ کہ اس بل میں 125 دن کا ذکر کیا گیا ہے لیکن اب مرکز اِس بات کا فیصلہ کرے گا کہ دراصل کتنے لوگوں کو یہ روزگار دیا جائے گا۔ قبل ازیں منریگا کے 90 فیصد فنڈس مرکز کی جانب سے فراہم کئے جاتے تھے، اب اس ترمیم کے بعد صرف 60 فیصد مصارف مرکزی حکومت برداشت کرے گی اور باقی رقم ریاستوں کو دینے پر مجبور کیا جا رہا ہے۔ یہ منریگا کے بنیادی مقصد کے خلاف ہے۔ کل اپوزیشن قائدین نے پارلیمنٹ سیشن کے دوران نعرہ بازی اور احتجاج کرتے ہوئے کافی ہنگامہ کیا تھا۔ اسی ہنگامہ کے دوران لوک سبھا میں وکست بھارت جی رام جی بل کو ندائی ووٹ کے ذریعہ منظوری دی گئی تھی۔

☆☆☆

پنجاب دیہی انتخابات میں عاپ کا بہتر مظاہرہ

ضلع پریشد میں کامیابی مان حکومت پر عوام کے اعتماد کا مظہر: اروند کجریوال

آواز تسنیم

موہالی۔ 18 دسمبر (پی ٹی آئی) عاپ کے سربراہ اعلیٰ اروند کجریوال نے جمعرات کو کہا کہ ان کی پارٹی نے ضلع پریشد پنجاب انتخابات میں اچھا مظاہرہ کیا ہے اور یہ ظاہر کر دیا کہ دیہی علاقوں میں لوگوں کے لوگوں نے بھگونت مان حکومت کی حکومت پر اپنی مہر ثبت کر دی ہے۔ یہاں میڈیا سے بات کرتے ہوئے کجریوال نے کہا تاحال جو نتائج ضلع پریشد اور سمیتی انتخابات کے آئے ہیں اس سے یہ ظاہر ہوتا ہے کہ عاپ نے دیہی انتخابات میں سب کا صفایہ کر دیا ہے اور یہ واضح کر دیا کہ ریاست میں ان کی پارٹی کی تائید میں ذبردست لہر چل رہی ہے۔ ضلع پریشد کے 70 فیصد سیٹس اور پنچایت سمیتی کے انتخابات میں عاپ کو کامیابی ملی ہے۔ یہ بہت بڑی بات ہے۔ اس سے یہ ظاہر ہوتا ہے کہ دیہی علاقوں کے لوگوں نے عاپ حکومت کے تحت بھگونت مان کی حکومت کی تائید اور اس کی منظوری پر اپنی مہر ثبت کر دی ہے۔ عاپ کے قومی کنوینر نے کہا کہ انتخابات 2027ء سے ایک سال قبل ہو رہے ہیں جب پنجاب اسمبلی انتخابات ہوں گے کجریوال اپنے ہمراہ پنجاب چیف منسٹر بھگونت مان نے بھی اپوزیشن پارٹیوں کے ان الزامات کو مسترد کر دیا کہ اس میں بڑے پیمانہ پر دھاندلی ہوئی ہے۔ اور یقین ظاہر کیا کہ انتخابات صاف ستھرے آزادانہ انداز میں منعقد کئے گئے۔ انہوں نے کہا ضلع پریشد اور پنچایت سمیتی انتخابات آزادانہ، صاف ستھرے ماحول میں ہوئے ہیں اور مزید کہا کہ پولنگ کی ویڈیو گرافی اور ووٹوں کی گنتی کی ویڈیو گرافی بھی کی گئی ہے۔ انہوں نے اطلاع دی کہ جملہ 580 سیٹوں کے منجملہ کامیابی کا حصہ 100 ووٹوں سے بھی کم رہا اور عاپ نے 261 پر کامیابی حاصل کی اور اپوزیشن کو صرف 319 سیٹیں مل سکیں اور یقین ظاہر کیا کہ اس سے یہ ظاہر ہوتا ہے کہ انتخابات صاف ستھرے انداز میں منعقد ہوئے۔

انہوں نے انتخابات میں جہاں کانگریس کی کامیابی ہوئی ہے ان کی مثال دیتے ہوئے کہا وہاں اسے چار تا پانچ ووٹوں سے کامیابی ملی۔ اگر اپوزیشن پانچ ووٹ حاصل کر لیتے تو اس کا بڑا ثبوت یہ مل جاتا انتخابات آزادانہ اور صاف ستھرے انداز میں منعقد ہوئے۔ حکمراں عام آدمی پارٹی (عاپ) نے ضلع پریشد اور پنجاب کے انتخابات تاحال ظاہر کردئے گئے ہیں اور مکمل نتائج کا اعلان ابھی بیالٹ پیپرس کی گنتی کی وجہ سے چل رہا ہے۔ عاپ کو ضلع پریشد اور پنچایت سمیتی میں اکثریت حاصل ہوئی ہے اور کانگریس کو دوسرا مقام ملا ہے۔ جس کے بعد شرومنی اکالی دل (ایس اے ذی) کو حاصل ہوا۔ پولنگ 14 دسمبر کو منعقد ہوئی تا کہ 347 زونس اور 22 ضلع پریشد اور 2838 زونس، پنچایت سمیتی کیلئے منتخب کیا جائے۔ اپوزیشن پارٹیاں کانگریس، شرومنی اکالی دل نے یہ الزام عائد کیا تھا کہ حکمراں عاپ سرکاری مشنری استعمال کرتے ہوئے بڑے پیمانہ پر دھاندلی کر رہی ہے۔

آلودگی سے نمٹنے قومی صفائی فضائی مشن شروع کیا جائے

راجیہ سبھا میں کانگریس قائد اشوک سنگھ کا مطالبہ۔ دہلی کی صورتحال پر تشویش کا اظہار

آواز تسنیم

قومی راجدھانی خطہ میں آلودگی کا سنگین مسئلہ جمعرات کو راجیہ سبھا میں اٹھایا گیا اور اس سے نمٹنے کے لیے قومی صفائی فضائی مشن شروع کرنے کا مطالبہ کیا گیا۔ چیئرمین کی اجازت کے تحت مسئلہ اٹھاتے ہوئے کانگریس پارٹی کے اشوک سنگھ نے کہا کہ قومی راجدھانی خطہ میں فضائی آلودگی کا لوگوں کی صحت پر بہت برا اثر پڑ رہا ہے اور اس سے کینسر جیسی سنگین بیماریاں جنم لے رہی ہیں۔ انہوں نے کہا کہ اس سنگین مسئلے سے نمٹنے کے لیے ایک قومی صفائی فضائی مشن شروع کیا جانا چاہیے۔ انہوں نے زور دیا کہ گرین اسپیسز اور اسموگ ٹاورز جیسے اقدامات صرف کاغذوں پر نہیں رہنے چاہئیں بلکہ حقیقت میں ان کے موثر ہونے کا مظاہرہ کیا جانا چاہیے۔ انہوں نے یہ بھی کہا کہ آلودگی کی صورتحال کو سال میں 365 دن مانیٹر کرنے کی ضرورت ہے۔ ممبر نے تجویز پیش کی کہ اس صورتحال کو ایک قومی ایمرجنسی کے طور پر دیکھا جانا چاہئے اور تمام ریاستی حکومتوں کو اس سے نمٹنے کے لئے مرکزی حکومت کے ساتھ مل کر کام کرنا چاہئے۔ بی جے پی کی سنگیتا بلونت نے دہلی-غازی پور ریلوے لائن پر ریلوے کراسنگ کی وجہ سے ٹریفک جام کا مسئلہ اٹھایا اور اوور برج یا انڈر پاس کی تعمیر کا مطالبہ کیا۔ انہوں نے رکے ہوئے غازی پور سٹی تا مہور ریلوے لائن پروجیکٹ کو دوبارہ شروع کرنے کا بھی مطالبہ کیا۔ عام آدمی پارٹی کے راگھو چڈھا نے سوشل میڈیا مواد تخلیق کرنے والوں کی بڑی تعداد کے لیے کاپی رائٹ قانون میں ریلیف کا مطالبہ کیا۔ انہوں نے کہا کہ غیر واضح قوانین کی وجہ سے ان کے چینلز بلاک کر دیے گئے ہیں جس سے ان کی برسوں کی محنت بیکار ہو رہی ہے۔ انہوں نے کاپی رائٹ قانون میں ترمیم کا مطالبہ کیا اور کہا کہ یوٹیوبرز کے چینلز کو بلاک کرنے سے پہلے اپنی بات رکھنے کا موقع دیا جانا چاہیے۔ جے ایم کے مہوا ماجھی نے پردھان منتری ماترو توا یوجنا (پی ایم ایم) اسکیم کے تحت جھارکھنڈ میں وسائل کی کمی کا مسئلہ اٹھایا۔ انہوں نے کہا کہ وہاں حاملہ خواتین کو ماہر ڈاکٹروں کی کمی کی وجہ سے مناسب طبی امداد نہیں مل رہی ہے۔ انہوں نے مطالبہ کیا کہ اس مسئلے کے حل کے لیے اقدامات کیے جائیں۔ عام آدمی پارٹی کے اشوک کمار متل نے صفائی کے کارکنوں کے ساتھ اچھوت سلوک کا مسئلہ اٹھایا جو سوچھ بھارت مشن کو کامیاب بنا رہے ہیں۔ انہوں نے کہا کہ مناسب سہولیات نہ ہونے کی وجہ سے سو سے زائد صفائی کارکن ہلاک ہو چکے ہیں۔ انہوں نے کہا کہ ان میں سے 90 فیصد کے پاس صفائی کا کوئی سامان یا کٹس نہیں ہے۔ انہوں نے کہا کہ اکثر جگہوں پر صفائی کا کام اب بھی مشینوں کے استعمال کے بجائے ہاتھ سے کیا جاتا ہے۔ انہوں نے کہا کہ چونکہ ہندوستان میں ہر چیز کے لیے روبوٹ تیار کیے جا رہے ہیں، اس لیے گٹروں کی صفائی کے لیے بھی روبوٹ تیار کئے جانے چاہئے۔ بی جے پی کی سمترا بالمک نے درج فہرست ذات کے طلباء کے لیے بیس سال پرانے ہاسٹل کی تعمیر نو کا مطالبہ کیا۔ انہوں نے کہا کہ یہ ہاسٹلز خستہ حال ہیں۔ بی جے پی کے اجیت مادھوراؤ گوپچڈے نے کیڑے مار ادویات اور بیرون ملک سے درآمد کی جانے والی خوراک کی مصنوعات میں ملاوٹ کا مسئلہ اٹھایا۔ انہوں نے کہا کہ کئی ریاستوں میں ملاوٹ کی جانچ کے لیے ضروری سہولتیں بھی نہیں ہیں۔ آئی یو ایم ایل کے عبدالوہاب نے میٹروپولیٹن ایریاز میں کچرے کو ٹھکانے لگانے کا مسئلہ اٹھاتے ہوئے کہا کہ

ڈھاکہ میں عثمان ہادی کی نماز جنازہ میں ہزاروں افراد کا مجمع

ہندوستان کے خلاف نعرے۔ سخت سیکوریٹی میں قاضی نذرالاسلام کے پہلو میں تدفین

آواز تسنیم

بنگلہ دیش کے دارالحکومت ڈھاکہ میں ہفتہ کے دن ممتاز نوجوان قائد شریف عثمان ہادی کی نمازِ جنازہ کڑے پہرہ میں ادا کی گئی۔ عبوری حکومت کے مشیر اعلیٰ محمد یونس نے اپنی شوریٰ کے ارکان اور فوجی سربراہ وقارالزماں کے ساتھ انقلاب منچ کے 32 سالہ ترجمان کی نمازِ جنازہ ہزاروں لوگوں کی موجودگی میں ادا کی۔ مانک میاں ایونیو میں پارلیمنٹ کامپلکس کے ساؤتھ پلازا میں نمازِ جنازہ سے قبل محمد یونس نے مختصر خطاب کیا۔ سابق وزیر اعظم بیگم خالدہ ضیاء کی بنگلہ دیش نیشنلسٹ پارٹی، جماعتِ اسلامی اور طلبا کی نیشنل سٹیزن پارٹی کے نمائندوں نے بھی شرکت کی۔ ملک میں آج یوم سوگ منایا گیا۔ گزشتہ برس طلبا کی زیر قیادت احتجاج کے ایک ممتاز رہنما شریف عثمان ہادی 12 فروری کا اسمبلی الیکشن آزاد امیدوار کی حیثیت سے لڑنے والے تھے۔ انہوں نے وسطی ڈھاکہ کے بجئے نگر علاقہ سے اپنی انتخابی مہم شروع ہی کی تھی کہ 12 دسمبر کو نقاب پوش بندوق برداروں نے ان کے سر میں گولی ماردی تھی۔ وہ سنگاپور میں زیر علاج رہنے کے بعد جمعرات کو انتقال کر گئے۔ ڈھاکہ کے سرکاری سہروردی ہاسپٹل میں نعش کا پوسٹ مارٹم کیا گیا۔ ہادی کے بڑے بھائی ابوبکر نے نمازِ جنازہ پڑھائی۔ نمازِ جنازہ کے فوری بعد کڑے پہرہ میں ڈھاکہ یونیورسٹی کیمپس کے قبرستان میں بنگلہ دیش کے قومی شاعر قاضی نذرالاسلام کے پہلو میں عثمان ہادی کو دفنایا گیا۔ ایک پولیس عہدیدار نے کہا کہ پچھلے اعلان کے مطابق میت کو عام دیدار کے لئے نہیں رکھا گیا اور تدفین کے وقت چند لوگ ہی موجود تھے۔ نمازِ جنازہ میں پولیس نے ہزاروں لوگوں کو شرکت کرنے سے نہیں روکا۔ ہجوم ہندوستان کے خلاف دہلی یا ڈھاکہ' ڈھاکہ ڈھاکہ اور بھائی ہادی کا خون رائیگاں نہیں جائے گا کے نعرے لگا رہا تھا۔ جمعرات کے دن سنگاپور کے دواخانہ میں ہادی کی موت کا اعلان ہونے کے بعد ڈھاکہ اور بنگلہ دیش کے بڑے شہروں میں پرتشدد احتجاج ہوا تھا۔ آج ڈھاکہ میں پارلیمنٹ کامپلکس کے اطراف بھاری پولیس فورس تعینات تھی۔ علاقہ میں ڈرون اڑانے پر پابندی عائد کردی گئی تھی۔ نمازِ جنازہ ادا کرنے والوں سے کہا گیا تھا کہ وہ بیاگ' پانی کی بوتلیں یا بھاری سامان اپنے ساتھ نہ لائیں۔

بی جے پی آسام میں کانگریس کی غلطیوں کو درست کر رہی ہے

ہم بنگال میں 'مہا جنگل راج' ختم کر دیں گے۔ دونوں ریاستوں میں مودی کا خطاب

آواز تسنیم

یہ الزام عائد کرتے ہوئے کہ کانگریس نے کئی دہائیوں تک آسام اور شمال مشرق کو نظر انداز کیا ہے' وزیر اعظم نریندر مودی نے ہفتہ کے روز کہا کہ بی جے پی زیر قیادت حکومت اس خطہ میں قدیم سیاسی جماعت کی غلطیوں کو درست کر رہی ہے۔ مودی نے کہا کہ آسام کو مشرقی پاکستان کا ایک حصہ بنانے کی سازش رچی گئی تھی اور کانگریس بھی اس کا حصہ بننے والی تھی لیکن گوپی ناتھ بورڈولوئی' پارٹی کے خلاف اٹھ کھڑے ہوئے تھے اور ریاست کو بچالیا۔ مودی' لوک پریا گوپی ناتھ بورڈولوئی انٹرنیشنل ایرپورٹ'' کے 4 ہزار کروڑ روپئے کے مصارف سے تعمیر کردہ نئے ٹرمنل کا افتتاح کرنے اور کانگریس کے قدآور لیڈر کے مجسمہ کی نقاب کشائی کرنے کے بعد خطاب کر رہے تھے۔ یہ نیا ٹرمنل 1.40 لاکھ مربع میٹر پر پھیلا ہوا ہے اور یہاں سالانہ 1.31 کروڑ مسافروں کو سہولت فراہم کی جائے گی۔ مودی نے بتایا کہ یہ نیا ٹرمنل مقامی معیشت کو فروغ دے گا اور سیاحت کی حوصلہ افزائی کرے گا۔ وزیر اعظم مغربی بنگال سے یہاں پہنچے تھے جہاں انہوں نے ایک ریالی سے خطاب کیا۔ ان دونوں ریاستوں میں آئندہ 6 ماہ کے اندر انتخابات مقرر ہیں۔ مودی نے الزام عائد کیا کہ کانگریس نے دراندازوں کو تحفظ فراہم کیا جنہوں نے جنگلات اور زمین پر قبضہ کرلیا جس کی وجہ آسام کی سیکوریٹی اور شناخت خطرہ میں پڑ گئی۔ انہوں نے دعوی کیا کہ بی جے پی حکومت ان غلطیوں کو درست کر رہی ہے جو کانگریس شمال مشرق میں کئی دہوں تک کرتی رہی تھی۔ انہوں نے بتایا کہ آزادی سے پہلے جب مسلم لیگ اور انگریز ہندوستان کے بٹوارہ کی تیاری کر رہے تھے' آسام کو مشرقی پاکستان کا ایک حصہ بنانے کی سازش رچی گئی تھی۔ کانگریس بھی اس سازش کا ایک حصہ بننے والی تھی لیکن گوپی ناتھ بورڈولوئی خود اپنی پارٹی کے خلاف اٹھ کھڑے ہوئے اور آسام کی شناخت کو ختم کرنے کی مخالفت کی۔ انہوں نے آسام کو ملک سے الگ ہونے سے بچالیا۔ قبل ازیں کولکتہ سے موصولہ اطلاع کے بموجب وزیر اعظم نریندر مودی نے ہفتہ کے روز مغربی بنگال میں ترنمول کانگریس پر کڑی تنقید کی اور ریاست کی موجودہ صورتحال کو'' مہا جنگل راج'' قرار دیا۔ انہوں نے الزام عائد کیا کہ حکمراں جماعت کا کرپشن' اقربا پروری اور خوشامد کی سیاست نے ریاست کی ترقی روک دی ہے۔ کولکتہ سے فون کے ذریعہ ضلع نادیا کے طاہر پور میں ایک بڑے جلسے سے خطاب کرتے ہوئے مودی نے عوام سے اپیل کی کہ وہ 2026 کے اسمبلی انتخابات میں بی جے پی کو ریاست میں ڈبل انجن حکومت بنانے کا موقع دیں۔ واضح رہے کہ بی جے پی قائدین اور مرکز اور ریاست میں بیک وقت پارٹی کی حکومت کے لیے' ڈبل انجن حکومت' کی اصطلاح استعمال کرتے ہیں۔ طاہر پور میں گہرے کہرے کی وجہ سے وزیر اعظم کا ہیلی کاپٹر وہاں بنائے گئے عارضی ہیلی پیاڈ پر نہیں آتر سکا تھا اور انہیں کولکتہ ایرپورٹ واپس ہونا پڑا جہاں سے بعد ازاں انہوں نے ورچول آڈیو موڈ کے ذریعہ ایک بڑے ہجوم سے خطاب کیا۔ مودی نے اپنے خطاب میں کہا کہ ٹی ایم سی کو میری اور بی جے پی کی مخالفت کرنے دیں جیسا کہ وہ چاہتی ہے لیکن میں یہ سمجھنے سے قاصر ہوں کہ حکمراں جماعت میں عوام کو کیوں یرغمال بنالیا ہے اور انہیں مصیبت میں ڈال رکھا ہے اور بنگال کی ترقی روک رہی ہے۔ وزیر اعظم نے یہ بھی دعوی کیا کہ ہم بنگال میں ترنمول کانگریس کے مہا جنگل راج کو ختم کردیں گے جہاں کرپشن' اقربا پروری اور خوشامد کی سیاست عروج پر ہے۔

☆☆☆

مافیا کے خلاف بلڈوزر کارروائی کی جائے

مودی کے حلقہ سے کوڈین سیرپ ریاکٹ کی شروعات ہوئی: اکھلیش یادو

آواز تسنیم

اکھلیش یادو نے ہفتہ کے دن ان تمام کے خلاف بلڈوزر کارروائی کا مطالبہ کیا جنہیں مبینہ غیر قانونی کوڈین سیرپ ریاکٹ میں ''مافیا'' قرار دیا گیا ہے۔ انہوں نے کہا کہ اس میں اگر سماج وادی پارٹی کے لوگ ملوث پائے جائیں تو ان کے خلاف بھی کارروائی کی جائے۔ لکھنو میں پریس کانفرنس سے خطاب میں سماج وادی پارٹی قائد نے بی جے پی پر الزام عائد کیا کہ وہ اس کیس کے اہم حقائق چھپا رہی ہے۔ حکومت' سماج وادی پارٹی کو مورد الزام ٹھہرانے کے لئے تصاویر کا چنندہ استعمال کر رہی ہے۔ انہوں نے کہا کہ اگر تصویر میں ساتھ کھڑے رہنے سے کوئی مافیا بن جاتا ہے تو میرے پاس چیف منسٹر ان کے دونوں نائبین اور کئی بی جے پی قائدین کی بھی تصاویر ہیں۔ اگر میری تصویر چیف منسٹر کے ساتھ ہو تو پھر کسے مافیا کہا جائے گا؟ چیف منسٹر یوگی آدتیہ ناتھ اور ان کے 2 نائبین برجیش پاٹھک اور کیشو پرساد موریہ نے الزام عائد کیا تھا کہ کھانسی کی دوا کے ریاکٹ کے بعض ملزمین کا تعلق سماج وادی پارٹی سے ہے۔ انہوں نے اپنے دعوی کی تائید میں اکھلیش یادو کی پرانی تصاویر دکھائی تھی۔ سماج وادی پارٹی سربراہ نے الزام عائد کیا کہ ریاکٹ جتنا دکھایا جا رہا ہے اس سے کافی بڑا ہے۔ انہوں نے دعوی کیا کہ اس کی شروعات وزیر اعظم کے پارلیمانی حلقہ سے ہوئی تھی۔ معاملہ 100 یا 200 کروڑ کا نہیں ہے۔ سننے میں آ رہا ہے کہ اس میں تقریباً 700 کمپنیاں ملوث ہیں اور کئی ہزار کروڑ روپے کی معاملتیں ہوئی ہیں۔ انہوں نے کہا کہ میرا مطالبہ ہے کہ سبھی ملزمین پر بلڈوزر چلایا جائے چاہے ان کا تعلق سماج وادی پارٹی سے ہی کیوں نہ ہو۔ ان سبھی کے مکان گرادیجئے' پس وپیش مت کیجئے۔ اسی دوران وزیر پارلیمانی امور وفینانس سریش کھنہ نے ہفتہ کے دن کہا کہ اتر پردیش کے 31 اضلاع میں کوڈین کاف سیرپ کی غیر قانونی ذخیرہ اندوزی اور فروخت کے سلسلہ میں تاحال 74 کیسس درج کئے گئے اور 75 افراد کو گرفتار کیا گیا۔ انہوں نے شاہجہاں پور میں میڈیا سے بات چیت میں کہا کہ کھانسی کی اس دوا کی 12 لاکھ 65 ہزار بوتلیں برآمد کی گئیں۔ 132 فرمس کے خلاف کارروائی کی گئی۔

हादी की मौत के बाद बांग्लादेश सुलगा, चटगांव में भारतीय असिस्टेंट हाई कमीशन के पास हिंसा

आवाज़ ए तसनीम

बांग्लादेश में ढाका-8 सीट से निर्दलीय उम्मीदवार शरीफ उस्मान हादी की सिंगापुर में इलाज के दौरान मौत हो गई. हादी की मौत के बाद बांग्लादेश में तनाव का माहौल है. इस बीच, शुक्रवार को चटगांव में भारतीय असिस्टेंट हाई कमीशन के बाहर हिंसा भड़क गई, जिसमें दो पुलिस अधिकारियों सहित कम से कम चार लोग घायल हो गए. बांग्लादेशी मीडिया आउटलेट ह्लक़के मुताबिक, शरीफ उस्मान हादी का शव सिंगापुर से वापस लाया जाएगा. 12 दिसंबर को दिनदहाड़े दो हमलावरों ने उन्हें गोली मार दी थी. शुरुआत में उनका इलाज एवरकेयर अस्पताल में चल रहा था, जिसके बाद उन्हें एयरलिफ्ट करके सिंगापुर ले जाया गया था.

स्थानीय मीडिया के मुताबिक, कट्टरपंथी समूह इंकलाब मंच के प्रवक्ता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद अशांति फैल गई. पुलिस के अनुसार, शुक्रवार सुबह चटगांव के खुलशी इलाके में भारतीय मिशन कार्यालय के बाहर प्रदर्शनकारी जमा हो गए और उन्होंने ईंटें फेंकीं और कार्यालय में तोड़फोड़ की. चटगांव मेट्रोपॉलिटन पुलिस कमिश्नर हसीब अजीज ने कहा कि पुलिस के दखल के बाद पुलिस अधिकारियों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हो गई. झड़प में घायल लोगों को चटगांव मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया.

बांग्लादेशी अखबार ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक, अजीज ने कहा कि पुलिस ने मौके से कुछ लोगों को हिरासत में लिया है, जिन पर आतंकवाद विरोधी कानून के तहत आरोप लगाए जा सकते हैं. हादी की मौत पर विरोध प्रदर्शनों के बीच चटगांव में प्रदर्शनकारियों ने पूर्व अवामी लीग शिक्षा मंत्री मोहिबुल हसन चौधरी नोफेल के घर में आग लगा दी.

गुरुवार रात को गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने शहर के चश्माहिल इलाके में पूर्व चटगांव मेयर मोहिउद्दीन चौधरी के घर के अंदर एक मोटरसाइकिल में भी आग लगा दी. घटना की पुष्टि करते हुए पंचलाईश पुलिस स्टेशन के इंचार्ज मोहम्मद सोलेमान ने कहा कि हादी की मौत के विरोध में चटगांव के सोलोशहर और नंबर 2 गेट इलाकों में लगभग 200 प्रदर्शनकारी जमा हुए थे.

बांग्लादेशी मीडिया आउटलेट UNB ने पुलिस अधिकारी के हवाले से कहा, ÷बाद में, प्रदर्शनकारी मेयर के घर की ओर मार्च करने लगे और पूर्व शिक्षा मंत्री और अवामी लीग नेता मोहिबुल हसन चौधरी नोफेल के घर में एक मोटरसाइकिल में आग लगा दी. पुलिस मौके पर मौजूद थी और स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश कर रही थी.÷ बुधवार को विदेश मंत्रालय (रूख़) ने भारत में बांग्लादेश के हाई कमिश्नर रियाज हामिदुल्लाह को बुलाया और बांग्लादेश में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति पर गहरी चिंता जताई.

हालात ऐसे हो गए हैं कि दो दिनों के अंदर तीन भारतीय वीज़ा सेंटर बंद होने की खबरें सामने आई हैं. MEA के मुताबिक, बांग्लादेशी राजदूत का ध्यान खास तौर पर कुछ कट्टरपंथी तत्वों की गतिविधियों की ओर दिलाया गया. MEA ने इन कट्टरपंथियों द्वारा ढाका में भारतीय दूतावास के आसपास तनावपूर्ण स्थिति पैदा करने की योजना की घोषणा के बाद बांग्लादेशी राजदूत को बुलाया.

मुसलमानों के अपमान को नॉर्मलाईज़ बनाने की कोशिश, नीतीश के हिजाब विवाद पर पाकिस्तान की एंट्री

आवाज़ ए तसनीम

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा एक मुस्लिम महिला डॉक्टर का हिजाब खींचने की घटना की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा हो रही है. पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार 18 दिसंबर को एक बयान जारी करके नीतीश कुमार की निंदा की. साथ ही संजय निषाद द्वारा नीतीश कुमार के हरकतों का समर्थन करने पर पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने आलोचना की.

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने साप्ताहिक प्रेस ब्रिफिंग के दौरान एक बयान जारी किया. इस बयान में भारत में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और धार्मिक अधिकारों के संरक्षण के लिए भारत से आग्रह किया गया. उन्होंने कहा कि एक सीनियर नेता द्वारा मुस्लिम महिला का हिजाब जबरन खींचना और उसके बाद इस कृत्य का सार्वजनिक रूप से मजाक उड़ाना बहुत परेशान करने वाला है.

ताहिर आंद्रावी ने आगे कहा कि इस प्रकार की घटनाओं की निंदा की जानी चाहिए. ताहिर आंद्रावी ने उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री संजय निषाद की भी निंदा की, क्योंकि संजय निषाद ने नीतीश कुमार द्वारा हिजाब खींचने का समर्थन करते हुए एक अपमानजनक बयान दिया गया था. हालांकि विवाद बढ़ने के बाद संजय निषाद ने सफाई दी और अपने शब्दों को वापस ले लिया है.

ताहिर आंद्रावी ने कहा कि इस घटना से भारत में मुस्लिम महिलाओं के अपमान को सामान्य बनाने का डर है. उन्होंने कहा कि यह घटना भारत में मुस्लिम समाज केखिलाफ सार्वजनिक अनादर को दर्शाती है. पाकिस्तान ने भारत समेत सभी हितधारकों से इस घटना की गंभीरता को पहचानने और अल्पसंख्यकों की धार्मिक आजादी के संरक्षण के अपील की है.

गौरतलब है कि बिहार में स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित एक प्रोग्राम में आयुष डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र बांटा गया. इस आयोजन में आयुष डॉक्टर नुसरत परवीन भी अपना नियुक्ति पत्र लेने पहुंची. इसी बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आयुष डॉक्टर नुसरत परवीन को नियुक्ति पत्र देते हुए उसका हिजाब जबरन खींच दिया, जिसको लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विवाद खड़ा हो गया है.

जॉर्डन के अम्मान में पीएम मोदी-किंग अब्दुल्ला की मुलाकात, 5 बिलियन डॉलर का होगा कारोबार

आवाज़ ए तसनीम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 दिसंबर को अम्मान में अल हुसैनीया पैलेस में जॉर्डन के किंग अब्दुल्ला II से मुलाकात की. इस मुलाकात के दौरान उन्होंने अगले पांच सालों में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर 5 बिलियन अमेरिकी डॉलर करने का लक्ष्य रखने का प्रस्ताव दिया. एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, भारत जॉर्डन का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है. पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देशों को आपसी व्यापार और आर्थिक सहयोग को और मजबूत करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए.

मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर लिखा, 'अम्मान में किंग अब्दुल्ला II के साथ सार्थक चर्चा हुई. भारत-जॉर्डन संबंधों को मजबूत करने के लिए उनकी व्यक्तिगत प्रतिबद्धता सराहनीय है. इस साल, हम अपने द्विपक्षीय राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं. यह महत्वपूर्ण मील का पत्थर हमें नए उत्साह के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता रहेगा.

प्रधान मंत्री मोदी ने जॉर्डन की डिजिटल पेमेंट प्रणाली और भारत के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस के बीच सहयोग की भी वकालत की. बयान में कहा गया है कि जॉर्डन भारत को उर्वरकों का एक महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता है और भारत में फॉस्फेटिक उर्वरकों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए जॉर्डन में निवेश के संबंध में दोनों देशों की कंपनियों के बीच बातचीत चल रही है. इससे पहले, पीएम मोदी का किंग अब्दुल्ला II ने गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें औपचारिक राजकीय सम्मान दिया गया. दोनों नेताओं ने सीमित और प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत की, जिसके दौरान उन्होंने अपनी पिछली मुलाकातों को याद किया और दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक और मैत्रीपूर्ण संबंधों पर प्रकाश डाला.

नेताओं ने कहा कि यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब भारत और जॉर्डन अपने राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 साल मना रहे हैं, जो इस यात्रा को ऐतिहासिक बनाता है. प्रधानमंत्री मोदी ने भारत-जॉर्डन संबंधों को मजबूत करने के लिए किंग अब्दुल्ला की प्रतिबद्धता की सराहना की. किंग अब्दुल्ला II ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई के लिए समर्थन व्यक्त किया और आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की निंदा की.

प्रधानमंत्री मोदी ने किंग अब्दुल्ला के नेतृत्व और आतंकवाद, उग्रवाद और कट्टरवाद से निपटने के वैश्विक प्रयासों में उनके योगदान की सराहना की. बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा, उर्वरक और कृषि, नवाचार, आईटी और डिजिटल प्रौद्योगिकी, महत्वपूर्ण खनिज, बुनियादी ढांचा, स्वास्थ्य और फार्मास्यूटिकल्स, शिक्षा और क्षमता निर्माण, पर्यटन और विरासत, संस्कृति, और लोगों से लोगों के बीच संपर्क जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा करने पर चर्चा की.

उन्होंने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया और क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल करने के महत्व को दोहराया. प्रधानमंत्री मोदी ने क्षेत्र में स्थायी शांति के लिए किए जा रहे प्रयासों के लिए भारत के समर्थन की पुष्टि की. इस मौके पर दोनों देशों ने संस्कृति, रिन्यूएबल एनर्जी, वॉटर मैनेजमेंट, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और पेट्रा और एलोरा के बीच ट्विनिंग अरेंजमेंट से जुड़े मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग को फाइनल किया. उम्मीद है कि ये समझौते भारत-जॉर्डन के द्विपक्षीय संबंधों और दोस्ती को नई गति देंगे. बातचीत के बाद किंग अब्दुल्ला II ने प्रधानमंत्री मोदी के सम्मान में एक भोज का आयोजन किया. प्रधानमंत्री मोदी ने किंग अब्दुल्ला को भारत आने का न्योता भी दिया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया.

कौन है हसनत अब्दुल्ला? भारत को तोड़ने की दी धमकी, बांग्लादेश के राजदूत को किया गया तलब

आवाज़ ए तसनीम

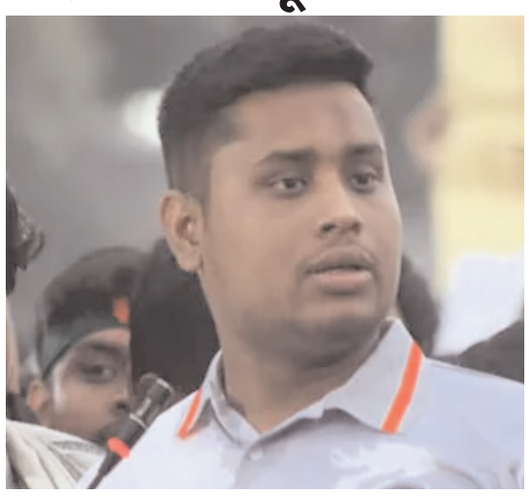

पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से हटाने के बाद बांग्लादेश में हिंसा का दौर जारी है. देश में उग्रवाद बढ़ रहा है. इस बीच, नेशनल सिटिजन पार्टी के नेता हसनात अब्दुल्ला ने भारत के सात उत्तर-पूर्वी राज्यों (सेवन सिस्टर्स) को अलग-थलग करने और अलगाववादी समूहों को पनाह देने की धमकी दी थी. इस धमकी के बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश के हाई कमिश्नर एम रियाज हामिदुल्लाह को बुलाया और ढाका में भारतीय हाई कमीशन की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई. ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि हसनात अब्दुल्ला कौन हैं.

हसनत अब्दुल्ला कौन है?

2024 में, बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में कोटा के खिलाफ छात्रों का आंदोलन हुआ. इस आंदोलन की अगुवाई 27 साल के हसनत अब्दुल्ला ने की थी. यह आंदोलन बाद में तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों में बदल गया, जिसके कारण आखिरकार उन्हें इस्तीफा देना पड़ा. उस समय अब्दुल्ला 'स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन' प्लेटफॉर्म के मुख्य कोऑर्डिनेटर में से एक थे.

हसीना के तख्तापलट के बाद अब्दुल्ला नेशनल सिटिजन पार्टी में शामिल हो गए, जो फरवरी 2025 में बनी थी और उन्हें पार्टी के दक्षिणी क्षेत्र का मुख्य आयोजक नियुक्त किया गया. अब्दुल्ला विवादों से दूर नहीं रहे हैं. अप्रैल 2025 में उन्होंने बांग्लादेश सेना पर राजनीति में दखल देने का आरोप लगाया, जिसे सेना ने ÷हास्यास्पद और अपरिपक्व÷ बयान कहकर खारिज कर दिया.

भारत को क्यों दी थी धमकी

वहीं, 15 दिसंबर को बांग्लादेश की राजधानी ढाका के सेंट्रल शहीद मीनार में एक रैली को संबोधित करते हुए अब्दुल्ला ने कहा था, ÷अगर बांग्लादेश को अस्थिर करने की कोशिश की जाती है, तो प्रतिरोध की आग सीमाओं के पार फैल जाएगी. चूंकि आप उन ताकतों को पनाह दे रहे हैं जो हमें अस्थिर कर रही हैं, इसलिए हम भी सेवन सिस्टर्स के अलगाववादियों को पनाह देंगे.÷ उन्होंने आगे कहा, ÷मैं भारत को यह साफ कर देना चाहता हूं कि अगर आप ऐसी ताकतों को पनाह देते हैं जो बांग्लादेश की संप्रभुता, क्षमताओं, मताधिकार और मानवाधिकारों का सम्मान नहीं करती हैं, तो बांग्लादेश भी जवाबी कार्रवाई करेगा.

साफ पानी के लिए तरस रहा पाकिस्तान, हजारों बच्चों की मौत, रिपोर्ट से हुआ खुलासा

आवाज़ ए तसनीम

पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति बदहाल है. पाकिस्तान में रोजमर्रा की चीजों की रेट आसमान छू रहा है. वहीं, पाकिस्तान की आधे से ज्यादा आबादी को पीने के लिए साफ पानी भी नहीं मिल पा रहा है. इस्लामाबाद में पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स (PIDE) द्वारा आयोजित एक सेमिनार में विशेषज्ञों ने चेतावनी दी कि पाकिस्तान में केवल 47 प्रतिशत लोगों को ही सुरक्षित पीने का पानी मिल पाता है, यानी देश के 53 परसेंट आबादी को पीने के लिए साफ पानी नहीं मिल पा रहा है.

विशेषज्ञों ने पाकिस्तान बढ़ते पानी की गुणवत्ता के संकट और सार्वजनिक स्वास्थ्य, उत्पादकता और स्थायी विकास पर इसके गंभीर परिणामों पर जोर दिया. पाकिस्तान काउंसिल ऑफ रिसर्च इन वाटर रिसोर्सेज (PCRWR) में महानिदेशक डॉ. हिफ्जा रशीद ने कहा कि पाकिस्तान में प्रति व्यक्ति ताजे पानी की उपलब्धता 1951 में 5,260 क्यूबिक मीटर से घटकर 2024 में 1,000 क्यूबिक मीटर से कम हो गई है, जिससे यह पानी की कमी का सामना करने वाले देशों में शामिल हो गया है.

डॉ. रशीद और PIDE में डीन डॉ. शुजात फारूक ने बताया कि असुरक्षित पानी के कारण देश भर में लगभग 40 प्रतिशत बीमारियाँ होती हैं. उन्होंने पाकिस्तान में साफ पानी और उसके भविष्य की सुरक्षा के लिए तुरंत सुधारों का आह्वान किया.

इसी आयोजन में डॉ. फारूक ने कहा कि पाकिस्तान में समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों के बावजूद, प्रदूषण, अत्यधिक दोहन और संस्थागत अव्यवस्था जैसे कारकों ने पानी की असुरक्षा को देश के सबसे जरूरी स्वास्थ्य मुद्दा बना दिया है. UNICEF के आंकड़ों का हवाला देते हुए, उन्होंने बताया कि पाकिस्तान में लगभग 70त्न घर दूषित पानी का इस्तेमाल करते हैं. इसी असुरक्षित पानी की वजह से दस्त, हेपेटाइटिस और टाइफाइड सहित 30-40त्न बीमारियाँ होती हैं. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान में असुरक्षित पानी की वजह से हर साल 53,000 बच्चों की मौत होती है.

मज़बूती से खड़े हों दुनिया भर के मुसलमान, US में Quran की तौहीन पर भड़के हूती नेता

आवाज़ ए तसनीम

यमन के अंसारुल्लाह प्रतिरोध आंदोलन के नेता ने अमेरिका में क़ुरआन शरीफ के हालिया अपमान की कड़ी निंदा की है. उनका कहना है है कि दुनिया भर के मुसलमानों को अपनी मज़हबी चीजों के लिए मज़बूती से खड़े होने की जरूरत है.

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, अमेरिका की सीनेट के लिए रिपब्लिकन पार्टी के दक्षिणपंथी उम्मीदवार जेक लैंग ने रविवार को फ्लोरिडा के प्लानो शहर में एक इस्लाम-विरोधी मार्च के दौरान क़ुरआन शरीफ का अपमान किया था. इसके बाद से भारी बवाल जारी है. मुसलमान और मानवाधिकार कार्यकर्ता इस हरकत की पुरजोर मुखालिफत कर रहे हैं.

क्या बोले अंसारुल्लाह नेता अब्दुल-मलिक

यमन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इसे अमेरिका और दुनिया भर में रहने वाले लाखों मुसलमानों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली खुली उकसावे की कार्रवाई बताया गया है. मंगलवार को जारी अपने बयान में अंसारुल्लाह नेता अब्दुल-मलिक अल-हूती ने इसको एक बड़ा अपराध करार दिया है. उन्होंने कहा कि यह इस्लाम के खिलाफ जारी एक लगातार चल रही जंग का हिस्सा है, जिसकी अगुवाई अमेरिका, ब्रिटेन, इज़राइली शासन और उनके पूर्वी व पश्चिमी सहयोगी कर रहे हैं.

अब्दुल-मलिक अल-हूती ने कहा कि ये ताक़तें समाज को भ्रष्ट करने और उस पर अपना रोब जमाने की कोशिश कर रही हैं. उन्होंने कहा कि किसी भी मज़हब का अपमान उन कोशिशों के साथ जुड़ा हुआ है, जिनका मक़सद देशों को गुलाम बनाना, उनके संसाधनों को लूटना और उनकी ज़मीनों पर कब्ज़ा करना है.

मुसलमानों के खिलाफ दुश्मनी

उन्होंने कहा कि ज़ायोनिज़्म और उसके सहयोगियों के जरिए बार-बार किए जा रही तौहीन और उनके जरिए चलाई जा रही जंग, इस्लाम और मुसलमानों के खिलाफ खुली दुश्मनी को दर्शाती है. अब्दुल-मलिक अल-हूती ने आगे कहा कि इस तरह की कार्रवाइयों का मकसद मुसलमानों के दिलों में पाक क़ुरआन की अहमियत को कमज़ोर करना और उन्हें उसकी शिक्षाओं से दूर करना है.

फिलिस्तीन की दी मिसाल

उन्होंने कब्ज़े वाले फिलिस्तीन में फिलिस्तीनियों के खिलाफ इज़राइल के जरिए किए जा रहे अपराधों और इस्लामी पवित्र स्थलों पर हमलों का ज़िक्र करते हुए कहा कि इन कामों को पश्चिमी देशों का समर्थन मिलना भी इस दुश्मनी का एक और सबूत है.

प्रदेश

मुख्य सचिव पहुंचे मानसरोवर थाने, पुलिसकर्मियों से जानी परेशानियां

3 घंटे रुककर लिया फीडबैक, मैस में खाया खाना

आवाज़ तसनीम

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने रविवार को जयपुर पुलिस कमिश्नरेट के मानसरोवर थाने का निरीक्षण किया। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने तीन घंटे रुककर पूरे थाने का फीडबैक किया। पुलिसकर्मियों से जॉब के दौरान आने वाले कठिनाइयों के बारे में बातचीत की।

उन्होंने आधारभूत सुविधाओं का जायजा लिया और कार्यप्रणाली की जानकारी ली। मैस में सभी के साथ भोजन भी किया। वहीं स्टाफ कमी की शिकायत पर जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया।

तीन घंटे तक पूरे थाने का किया दौरा

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास रविवार दोपहर करीब 3:30 बजे मानसरोवर पुलिस स्टेशन पहुंचे। करीब तीन घंटे शाम 6:30 बजे तक पूरे थाने का दौरा किया।

मुख्य सचिव ने नए कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन का विश्लेषण करने के साथ ही अब तक की कार्रवाई का ब्योरा अधिकारियों से लिया। मानसरोवर थाने में मौजूद पुलिसकर्मी व स्टाफ से बातचीत कर कानून-व्यवस्था, क्राइम कंट्रोल, लोगों की शिकायतों के निपटारा व तकनीकी संसाधनों के यूज पर फीडबैक लिया। उन्होंने जोर दिया कि थाने आमजन का पहला संपर्क पॉइंट होते हैं, इसलिए संवेदनशीलता, पारदर्शिता व त्वरित कार्रवाई जरूरी है।

उच्च स्तरीय निरीक्षण के दौरान उनके साथ डीजीपी राजीव शर्मा, एडीजी (क्राइम) हवा सिंह घुमरिया, जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल, स्पेशल कमिश्नर राहुल प्रकाश, एडि. कमिश्नर डॉ. राजीव पचार सहित अन्य अधिकारी भी थे।

पारिवारिक समस्याओं, नौकरी के दौरान आने वाली कठिनाइयों पर चर्चा

पुलिस अधिकारियों ने क्राइम कंट्रोल, सीसीटीएनएस, महिला एवं साइबर क्राइम मामलों की स्थिति से मुख्य सचिव को अवगत कराया। निरीक्षण के बाद मुख्य सचिव ने स्टाफ के साथ अनौपचारिक बातचीत की। पारिवारिक समस्याओं, नौकरी के दौरान आने वाली कठिनाइयों पर चर्चा हुई। बेहतर संसाधन व कार्य परिस्थितियां उपलब्ध कराने का भरोसा जताया।

8 खासियतों ने राजस्थान पुलिस अकादमी को बनाया नंबर 1

पारिवारिक सहित स्टाफ कमी की बताई समस्याएं, काबिल ट्रेनर, नई तकनीक और अनुशासन, आईटी-रेलवे जैसे दूसरे विभागों को भी ट्रेनिंग

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। राजस्थान पुलिस अकादमी को देश की सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण अकादमी चुना गया है। क्षमता निर्माण आयोग की टीम ने 9 और 10 दिसम्बर 2025 को 8 पिलर्स के कुल 43 मानकों की जांच की। आरपीए में हो रही ट्रेनिंग को नजदीक से देखा। ट्रेनिंग कर रहे युवकों-युवतियों से और इंस्ट्रक्टर से भी सवाल किए गए। ट्रेनिंग में नई तकनीक के इस्तेमाल, ट्रेनर्स की काबिलियत और अनुशासन जैसे सभी मानकों पर राजस्थान पुलिस अकादमी खरी उतरी।

8 पैरामीटर जिन पर खरी उतरी पुलिस अकादमी

ट्रेनिंग से क्या फायदाः training need assessment को लेकर भी जांच की गई, ताकि ये पता चल सके कि यहां मिल रही ट्रेनिंग से अभ्यर्थियों को क्या फायदा होने वाला है। आने वाले समय में इस तरह की ट्रेनिंग की क्या जरूरत हैं। आरपीए इसे लेकर किस प्रकार की ट्रेनिंग यहां आने वाले प्रशिक्षुओं को दे रहा है। ट्रेनर्स की काबिलियत ः संकाय विकास की जांच की गई। इसमें ट्रेनर्स की दक्षता, कौशल, शिक्षा और क्षमता को लेकर जांच की जाती है। इस मानक में भी आरपीए सर्वश्रेष्ठ रहा। यहां पर ट्रेनिंग देने वाले हर विषय में पारंगत मिले। उनके पास दो से तीन दशक तक का अनुभव मिला।

संसाधन और ट्रेनिंग का टारगेट ः सीबीसी की टीम ने ट्रेनिंग देने के संसाधनों की भी जांच की। अकादमी का पूरा भौतिक संसाधन किया। बिल्डिंग, क्लास, लैब, उपकरण, वाहन, कंप्यूटर, प्रोजेक्ट, सॉफ्टवेयर, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म, प्रशिक्षण का बजट, अनुदान फंड, पाठ्यक्रम, मॉड्यूल, प्रशिक्षण सामग्री की जांच की। इसके अलावा ये भी देखा कि अकादमी किन-किन को प्रशिक्षण दे चुकी है? कौनसी स्किल को ट्रेनिंग के दौरान विकसित किया जा रहा है? ज्ञान और दक्षता में कितना सुधार हर वर्ष की ट्रेनिंग में किया जा रहा है? ट्रेनिंग के बाद प्रदर्शन में होने वाले सुधार की भी जांच की गई।

प्रशिक्षण में सहायता ः इसका मतलब है कि ट्रेनर को इस प्रकार का सहयोग, संसाधन और मार्गदर्शन उपलब्ध कराना कि वे प्रभावशाली प्रशिक्षण दे सके। मूल रूप से ट्रेनर को मजबूत करना ताकि यहां प्रशिक्षुओं को अच्छी ट्रेनिंग मिल सके। ट्रेनिंग में तकनीक का इस्तेमाल ः यहां आने वाले प्रशिक्षुओं को ट्रेनिंग के साथ-साथ तकनीक की भी शिक्षा दी जाए, जिसमें कंप्यूटर, लैपटॉप, टैबलेट, प्रोजेक्टर, स्मार्ट बोर्ड, ऑडियो-वीडियो कंटेंट, ऑनलाइन व ई-लर्निंग आदि की पूरी जानकारी देना मुख्य मकसद होना चाहिए। अन्य संस्थानों से कॉर्डिनेशन ः किसी काम को बेहतर करने के लिए कई अन्य विभागों, संगठनों, एजेंसियों के साथ तालमेल होना चाहिए, जिससे समय पर उनकी मदद से काम किया जा सके। ट्रेनिंग में एजेंसियों से समन्वय के बारे में क्या सिखाया जा रहा हैज्इसकी भी जांच की गई।

क्वालिटी ट्रेनिंगः यहां दिया जाने वाला प्रशिक्षण कितना प्रभावी, उपयोगी, व्यावहारिक है? इससे ट्रेनिंग ले रहे लोगों के ज्ञान, कौशल और कार्यक्षमता में वास्तविक सुधार हुआ या नहीं? इसे लेकर सीबीसी ने प्रशिक्षण ले रहे युवक और युवतियों के कई प्रकार के टेस्ट भी लिए।

प्रशासन के आधार पर मूल्यांकनः प्रशासनिक आधार पर मूल्यांकन में नियमों व निर्देशों का पालन, रिकॉर्ड व दस्तावेजों की स्थिति, कार्य-प्रणाली, समयबद्धता और अनुशासन, वित्तीय प्रबंधन, समन्वय व रिपोर्टिंग व्यवस्था और निर्णय लेने की प्रक्रिया देखी गई।

डीआईजी बोले- ट्रेनिंग के लिए दूसरे राज्यों से भी डिमांड

डीआईजी प्रदीप मोहन शर्मा ने बताया कि भारत सरकार के उपक्रम क्षमता विकास आयोग ने RPA को उत्कृष्ट संस्थान का दर्जा प्रदान किया है। हमारी ट्रेनिंग पहले से ही अच्छी थी लेकिन आने वाले समय में हम लोग और भी नवाचार हमारी ट्रेनिंग को लेकर करने वाले हैं। हमारे पास देश के कोने-कोने से प्रशिक्षण के लिए डिमांड आती है। हम लोग फोर्स ही नहीं अन्य विभाग जैसे आईटी, टैक्स, एजुकेशन, पीटीआई, रेलवे की भी ट्रेनिंग करवाते हैं। डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि यह सम्मान राजस्थान पुलिस के लिए एक अत्यंत गर्व का क्षण है। इस से पता चलता है कि हमारे प्रशिक्षु देश के सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण ढांचे के तहत तैयार हो रहे हैं। डीजी ट्रेनिंग अनिल पालीवाल ने अकादमी की टीम को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आरपीए ने देश के सामने एक मिसाल कायम की है।

यह दर्जा न केवल हमारी वर्तमान सफलता को दर्शाता है, बल्कि भविष्य में प्रशिक्षण पद्धतियों में नवाचार और गुणवत्ता के लिए हमें और अधिक प्रेरित करता है।

आरपीए डॉयरेक्टर संजीव नार्जरी ने बताया कि हम लोग निरंतर यह प्रयास कर रहे हैं कि हमारी ट्रेनिंग का फायदा आखिरी प्रशिक्षु तक पहुंचे।

पहले भी मिल चुका है सर्वश्रेष्ठ पुलिस अकादमी का गौरव

सीबीसी की गठित टीम ने सभी आवश्यक दस्तावेजीकरण और मूल्यांकन प्रक्रियाओं की जांच दो दिन में पूरी की। टीम ने गहन जांच के बाद अकादमी को उत्कृष्ट संस्थान का दर्जा दिया। निदेशक संजीव कुमार नार्जरी एवं टीम को प्रमाण पत्र दिया।

राजस्थान पुलिस अकादमी को पहले भी तीन बार देश की सर्वश्रेष्ठ पुलिस अकादमी का दर्जा प्राप्त हो चुका है। उस दौरान एमएचए द्वारा अकादमी की जांच की जाती थी।

अकादमी में चल रही ट्रेनिंग को देश की अन्य अकादमी में चल रही ट्रेनिंग से मैच कराया जाता था। इसके बाद राजस्थान पुलिस अकादमी को सर्वश्रेष्ठ अकादमी का पुरस्कार मिला। यह पहली बार है जब सीबीसी द्वारा अकादमी के मानकों की जांच की जा रही हैं। इसमें भी राजस्थान पुलिस अकादमी ने बाजी मार के खुद के सर्वश्रेष्ठ घोषित किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 'रन फॉर जयपुर' को -हरी झंडी दिखाकर किया रवाना, सड़क सुरक्षा के प्रति रहें जागरूक, यातायात नियमों का करें पालन - मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को जयपुर स्थित अल्बर्ट हॉल से 'रन फॉर जयपुर' मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि दैनिक भास्कर द्वारा आयोजित यह आयोजन सड़क सुरक्षा एवं स्वस्थ जीवन शैली की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए यातायात नियमों का पालन अत्यंत आवश्यक है। हमारी छोटी सी लापरवाही सड़क दुर्घटनाओं को अंजाम दे सकती है। उन्होंने कहा कि हमारा जीवन अमूल्य है। हमें वाहन चलाते समय हेलमेट, सीट बेल्ट का अनिवार्य रुप से उपयोग करना चाहिए, जिससे दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

शर्मा ने राज्य सरकार के सड़क सुरक्षा के कार्यक्रमों में सहयोग देने के लिए दैनिक भास्कर का धन्यवाद देते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। साथ ही, ऐसे आयोजनों में युवाओं की सक्रिय भागीदारी से सड़क सुरक्षा का संदेश जन-जन तक और अधिक प्रभावी रूप से पहुंचेगा।

इस दौरान शर्मा ने दौड़ में भाग ले रहे प्रतिभागियों से मिलकर उनका उत्साहवर्धन भी किया। इस अवसर पर विभिन्न गणमान्य एवं बड़ी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित रहे।

चित्तौड़गढ़ में 'रन फॉर विकसित राजस्थान' दौड़ एवं 'संडे ऑन साइकिलिंग' का आयोजन

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। राज्य सरकार के कार्यकाल के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर चित्तौड़गढ़ जिला मुख्यालय पर रन फॉर विकसित राजस्थान दौड़ एवं संडे ऑन साइकिलिंग कार्यक्रम का आयोजन रविवार प्रातः 8 बजे किया गया। रन और साइकिलिंग कलेक्ट्रेट से शुरू होकर कोतवाली, क्रय-विक्रय समिति एवं गंभीरी नदी पुलिया होते हुए सुभाष चौक पर सम्पन्न हुई।

जिला कलक्टर आलोक रंजन एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर (भू-अवाप्ति) रामचंद्र खटीक ने हरी झंडी दिखाकर रन फॉर विकसित राजस्थान दौड़ का शुभारंभ किया। कलेक्टर ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए मार्गदर्शन भी प्रदान किया। जिला खेल अधिकारी रामरतन गुर्जर ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार प्रत्येक जिला मुख्यालय पर आयोजित हो रहे इन दोनों कार्यक्रमों का उद्देश्य खिलाड़ियों एवं आमजन को राजस्थान की महान विरासत एवं संस्कृति के संरक्षण हेतु प्रतिबद्ध करना, राज्य के विकास एवं खुशहाली में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करना तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बनाए रखना है। कार्यक्रम में सैकड़ों खिलाड़ियों के साथ पुलिस के जवान, स्काउट एवं गाइड तथा चिकित्सा विभाग के नर्सिंग अभ्यर्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन को सफल बनाने में जिला प्रशासन का पूर्ण सहयोग रहा। शिक्षा विभाग से मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी प्रमोद कुमार दशोरा, जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय, माध्यमिक) राजेंद्र कुमार शर्मा तथा शारीरिक शिक्षकों का विशेष सहयोग रहा। जिला खेल कार्यालय से विजय सिंह झाला एवं आनंद सिंह भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पारस टेलर द्वारा किया गया।

सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला-2025: शिल्प, स्वाद और संस्कृति का अनूठा संगम

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। जयपुर के शिल्पग्राम में राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् (राजीविका) के तत्वावधान में आयोजित सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला-2025 देश की विविध सांस्कृतिक, शिल्प और पारंपरिक विरासत का भव्य मंच बनकर उभर रहा है। मेला देशभर से आए शिल्पकारों की उत्कृष्ट हस्तकलाओं के साथ-साथ स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से जुड़ी महिलाओं द्वारा तैयार किए गए शुद्ध, प्राकृतिक एवं ऑर्गेनिक उत्पादों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

मेले में रविवार को दर्शकों में भारी उत्साह देखने को मिला। रंग-बिरंगे टेक्सटाइल उत्पादों के साथ स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के चलते ऑर्गेनिक खाद्य पदार्थों के स्टॉल्स पर भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। आगंतुकों ने न केवल उत्पादों की सराहना की बल्कि उनकी पारंपरिक और प्राकृतिक निर्माण प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी ली।

उत्तराखंड से आए स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों ने खास ध्यान आकर्षित किया। इनमें कैमोमाइल चाय, कच्चा शहद, बुरांश की चाय, हर्बल चाय, सेब, गुड़, घी से बनी पारंपरिक मिठाइयाँ और बाजरा आधारित विशेष चाय शामिल रही। ये सभी उत्पाद बिना किसी रासायनिक प्रक्रिया के पूरी तरह प्राकृतिक सामग्री से तैयार किए गए हैं।

सांस्कृतिक संध्या में असम के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत बिहू, बैशाली, कार्बी, धमाही और शास्त्रीय सत्रिया नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं, राजस्थान की पारंपरिक लोक वाद्य परंपरा 'भपंग' वादन ने शाम को विशेष बना दिया।

यहां उत्पाद बेचने आई महिलाओं, राजीविका के अधिकारियों व आमजन, सभी का मानना है कि सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला2025 बहुत सफल रहा है।यह ग्रामीण महिलाओं की आजीविका और आत्मनिर्भरता को सशक्त करने के साथ-साथ देश की विविध सांस्कृतिक, शिल्प और खाद्य परंपराओं को एक मंच पर प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रहा है।

राज्य सरकार के 2 वर्ष के उपलक्ष्य पर 'रन फॉर विकसित राजस्थान', नव उत्थान-नई पहचान, बढ़ता राजस्थान-हमारा राजस्थान

दो वर्ष के कार्यकाल में ऐतिहासिक उपलब्धियां हुई हासिल, हर क्षेत्र तथा हर वर्ग के उत्थान के लिए किए गए निर्णय - मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 'रन फॉर विकसित राजस्थान' को दिखाई हरी झंडी

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने दो वर्ष के कार्यकाल में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। राज्य सरकार ने हर क्षेत्र और हर वर्ग के उत्थान के लिए निर्णय लिए हैं। विशेषकर युवाओं के सशक्तीकरण के लिए ठोस कदम उठाए गए हैं। उन्होंने युवाओं से स्वस्थ दिनचर्या का पालन करते हुए फिट रहने तथा प्रदेश के विकास में सक्रिय योगदान देने की अपील की जिससे प्रदेश नई ऊंचाइयों को छू सके। उन्होंने कहा कि अगर प्रदेशवासी एक कदम आगे बढ़ेंगे तो राजस्थान कई गुना आगे बढ़ेगा।

शर्मा राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर आयोजित हो रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में रविवार को 'रन फॉर विकसित राजस्थान' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने अमर जवान ज्योति से 'रन फॉर विकसित राजस्थान' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि गत सरकार के समय युवाओं के सपनों को रौंदते हुए पेपरलीक के अनेक प्रकरण हुए थे जबकि हमारी सरकार के कार्यकाल में 296 भर्ती परीक्षाएं आयोजित की गई, उनमें से एक भी पेपरलीक नहीं हुआ है। हमारा लक्ष्य है कि युवाओं को पांच साल में चार लाख सरकारी नौकरियां दी जाएं। इसी क्रम में राज्य सरकार ने दो वर्ष के कार्यकाल में अब तक 92 हजार से अधिक नियुक्तियां प्रदान की हैं तथा 1.53 लाख पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है। साथ ही, इस माह भी लगभग 20 हजार पदों पर युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हुए 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू में से 8 लाख करोड़ रुपये की ग्राउंड ब्रेकिंग की जा चुकी है। राज्य सरकार युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दे रही है, जिससे वे अब रोजगार प्रदाता भी बन रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने जब एक वर्ष का कार्यकाल पूरा किया था, तब अपने कार्यों का रिकॉर्ड लेकर जनता के बीच गए थे तथा अब भी राज्य सरकार के दो साल पूरे होने पर हम अपने कार्यों का रिपोर्ट कार्ड लेकर जनता के सामने जा रहे है। गांव-गांव, ढाणी-ढाणी तक विकास कार्यों की जानकारी पहुंचाई जा रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने राज्य के विकास के लिए रौडमैप बनाकर कार्य किया है। हमने प्रदेश में बिजली, पानी, उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में अनेक अभूतपूर्व निर्णय लिए हैं। साथ ही, राज्य सरकार किसान, महिला, युवा, मजदूर सहित सभी वर्गों के सशक्तीकरण के लिए भी निरंतर कार्य कर रही है।

इस अवसर पर युवा मामले और खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार ने दो वर्ष में हर क्षेत्र में काम किया हैं, जिससे युवाओं को रोजगार के अनेक अवसर मिले हैं। हमारी सरकार राज्य को भारत में अग्रणी स्टेट बनाने की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रतिभागियों के साथ दौड़ में हिस्सा लेकर उनका उत्साहवर्धन भी किया। इससे पहले शर्मा ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के पदक विजेताओं का सम्मान भी किया। इस दौरान विधायक कुलदीप, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, शासन सचिव युवा मामले एवं खेल नीरज के. पवन सहित बड़ी संख्या में प्रतिभागी मौजूद रहे।

विकसित राजस्थान के निर्माण में युवाओं की अहम भूमिका-मुख्य सचेतक, विधानसभा जालोर में रन फॉर विकसित राजस्थान कार्यक्रम में दौड़े युवा

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जालोर जिले में आयोजित किया जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला में रविवार को रन फॉर विकसित राजस्थान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित हुई दौड़ प्रतियोगिता को राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। तत्पश्चात दौड़ के प्रतिभागी कलेक्ट्रेट रोड, शिवाजी नगर, आहोर चौराहा से लगभग 2 किलोमीटर का सफर तय करते हुए समापन स्थल शाह पुंजाजी गेनाजी खेल स्टेडियम पहुंचे। इस अवसर पर जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि विकसित राजस्थान के निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है तथा विभिन्न खेलों के माध्यम से जिले के युवा अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर ज़िले का नाम रोशन कर रहे हैं। जिला खेलकूद प्रशिक्षण केंद्र के इमरान ने बताया कि विकसित राजस्थान कार्यक्रम के तहत संपन्न हुई दौड़ में बालक वर्ग में आर्यवीर दल हनुमान व्यायामशाला के भावेश प्रथम, सागर द्वितीय तथा वीर वीरमदेव स्पोर्ट्स अकादमी के अनिल चौधरी तृतीय स्थान पर रहे। बालिका वर्ग में वीर वीरमदेव स्पोर्ट्स अकादमी की निशा चौधरी प्रथम, आर्यवीर दल हनुमान व्यायामशाला की अनिता कुमारी द्वितीय और डिंपल तृतीय स्थान पर रही। इस अवसर पर जिला कलेक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे, जिला परिषद सीईओ नंदकिशोर राजोरा, कोषाधिकारी भूपेंद्र मकवाना, एसबीईओ जब्बर सिंह देवड़ा, डॉ. पवन ओझा, भागीरथ गर्ग, कन्हैयालाल मिश्रा, अंतरराष्ट्रीय वुशू खिलाड़ी छवि चौधरी, पुलिस जवान व कार्मिक, खिलाड़ी, स्कूली विद्यार्थी, नर्सिंग स्टूडेंट एवं शहरवासी उपस्थित रहे।

दौसा में 'रन फॉर विकसित राजस्थान' एवं 'संडे ऑन साइकिल' में युवाओं ने दिखाया उत्साह

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। राज्य सरकार के कार्यकाल के 2 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित हो रहे कार्यक्रमों के अन्तर्गत दौसा जिला मुख्यालय पर रविवार सुबह रन फॉर विकसित राजस्थान एवं संडे ऑन साइकिल का आयोजन किया गया। राय सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों एवं उपलब्धियों के प्रति आमजन को जागरूक करने एवं फिट राजस्थान के लिए आयोजित रन फॉर विकसित राजस्थान एवं संडे ऑन साइकिल को जिला कलक्टर देवेंद्र कुमार, जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा एवं लक्ष्मी रेला ने हरी झंडी दिखाकर कलक्ट्रेट से रवाना किया। प्रतिभागी वहां से सोमनाथ सर्किल होते हुए पं. नवल किशोर शर्मा राजकीय पीजी कॉलेज पहुंचे, जहां दौड़ और साइकिल यात्रा का समापन हुआ। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर वादकों ने सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा... धुन का वादन किया। प्रतिभागियों ने हाथों में नव उत्थान नई पहचान, हमारा राजस्थान बढ़ता राजस्थान का बैनर लेकर उत्साहपूर्वक दौड़ में भाग लिया। इस दौरान घुड़सवारों ने दौड़ का नेतृत्व किया। साइकिल रैली भी दौड़ में शामिल हुई, जिसमें पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने भी साइकिल चलाकर स्वस्थ एवं फिट रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमंत कलाल, अतिरिक्त जिला कलक्टर अरविंद शर्मा, नगर परिषद आयुक्त कमलेश कुमार मीणा, जिला खेल अधिकारी मनोज कुमार शर्मा, जिला युवा अधिकारी पूनम कुमारी, विपिन जैन सहित बड़ी संख्या में युवा, स्काउट, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, शारीरिक शिक्षक, जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं कर्मचारी दौड़ में शामिल हुए। दौड़ के सफल आयोजन में विभिन्न विभागों, स्वयंसेवी संगठनों, पुलिस प्रशासन एवं नगर निकाय का विशेष सहयोग रहा। स्वीप प्रभारी रामवीर सिंह चौधरी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

राजस्थान राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग (राजनीतिक प्रतिनिधित्व) आयोग जिला मुख्यालयों पर आयोजित करेगा जनसंवाद एवं परिचर्चा कार्यक्रम ओबीसी समुदाय के लिए सशक्त नीति निर्माण के साथ प्रदेश के पिछड़े वर्गों को मिले समुचित राजनीतिक प्रतिनिधित्व- अध्यक्ष ओबीसी(राजनीतिक प्रतिनिधित्व) आयोग

22 दिसम्बर से आयोग करेगा जिला मुख्यालयों पर जनसंवाद और परिचर्चा, मांगेंगे सुझाव

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। राजस्थान राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग (राजनीतिक प्रतिनिधित्व) आयोग 22 दिसंबर से 3 जनवरी तक विभिन्न जिला मुख्यालयों में जिला स्तरीय जनसंवाद एवं परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन करेगा।

आयोग के जनसंपर्क अधिकारी विक्रम राठौड़ ने बताया कि आयोग के अध्यक्ष न्यायाधीश (सेनि.) मदनलाल भाटी दिसंबर माह में 22 को जैसलमेर और फलौदी, 23 को बाड़मेर और बालोतरा,24 को जालौर और सिरोही, 29 को गंगानगर और हनुमानगढ़, 30 को पाली में एवं आयोग के अध्यक्ष न्यायाधीश (सेनि.) मदनलाल भाटी एवं सदस्य गोपाल कृष्ण शर्मा संयुक्त रूप से 26 को डीडवाना -कुचामन-नागौर और 31 दिसम्बर को ब्यावर और भीलवाडा में जनसंवाद करेंगे।

जारी कार्यक्रम के अनुसार आयोग के सदस्य प्रो. राजीव सक्सेना एवं सदस्य गोपाल कृष्ण शर्मा संयुक्त रूप से दिसंबर माह में 22 को दौसा और डीग, 23 को धौलपुर व करौली में जनसंवाद करेंगे। आयोग के सदस्य मोहन मोरवाल, पवन मंडाविया संयुक्त रूप से दिसंबर माह में 22 को चित्तोडगढ़ और राजसमंद, 23 को प्रतापगढ और बांसवाडा, 24 को डूंगरपुर और संलुम्बर में जनसंवाद करेंगे।

आयोग के सदस्य मोहन मोरवाल दिसंबर माह में 26 को टोंक व सवाई माधोपुर में जनसंवाद करेंगे। आयोग के सदस्य गोपाल कृष्ण शर्मा और पवन मंडाविया संयुक्त रूप से दिसंबर माह में 29 को झून्झूनू और चुरू एवं 30 को सीकर व कोटपूतली-बहरोड़ में जनसंवाद कार्यक्रम करेंगे। आयोग के सदस्य प्रो. राजीव सक्सेना एवं मोहन मोरवाल संयुक्त रूप से में 30 दिसंबर को अलवर-खैरथल, 2 जनवरी को झालावाड़ व 3 जनवरी को बांरा-बूंदी में जनसंवाद कार्यक्रम में भाग लेंगे।

गौरतलब है कि आयोग इससे पूर्व सातों संभागों में संभाग स्तरीय जनसंवाद कार्यक्रम कर चुका हैं। जिला स्तरीय जनसंवाद कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आयोग ने समस्त जिला कलेक्टर और जिला पुलिस अधीक्षकों को व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं। आयोग जनसंवाद/परिचर्चा कार्यक्रम में संबंधित जिले के वर्तमान व पूर्व सांसद, विधायक, जिला प्रमुख, पंचायत समिति प्रधान, जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य, नगर पालिका/नगर परिषद/नगर निगम सदस्य एवं अध्यक्ष, बार काउंसिल सदस्य, सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थाए, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद एवं नगरीय निकायों के अधिशाषी अधिकारी सहित अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण से जुड़े पदाधिकारी तथा आमजन के साथ प्रत्यक्ष संवाद करेगा। साथ ही, आयोग द्वारा वर्तमान एवं पूर्व जनप्रतिनिधियों, पंचायत राज संस्थाओं एवं नगरीय निकायों के प्रतिनिधियों के साथ ही सांसदों एवं विधायकों को जनसुनवाई में भागीदारी के लिए आमंत्रित किया गया है। आयोग संबंधित हितधारकों से जुड़े मुद्दों पर सुनवाई कर आवश्यक प्राथमिक टिप्पणियां एवं सुझाव लेगा। आयोग द्वारा संवाद कार्यक्रम से जुड़ी प्रशासनिक व्यवस्थाएं एवं जनसुनवाई के सुचारू संचालन के लिए जिला प्रशासन को नोडल अधिकारी नियुक्त करने के भी निर्देश प्रदान किए गए हैं। जनसंवाद के दौरान आयोग अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण से संबंधित विभिन्न विषयों एवं मुद्दों पर हितधारको के साथ विचार विमर्श,चर्चा करेगा एवं आमजन के सुझाव प्राप्त करेगा।

आयोग के अध्यक्ष न्यायाधीश (सेनि.) मदनलाल भाटी ने कहा कि राज्य में अन्य पिछडा वर्ग का अनुभवजन्य तरीके से अध्ययन करने के लिए आयोग ने सभी संभाग मुख्यालयों पर आयोजित हुई जनसुनवाई के बाद तय किया है कि शेष समस्त जिला मुख्यालयों पर पहुँचकर इस विषय में जनसुनवाई हेतु कार्यक्रम आयोजित किये जाएं जिसमें आम जनता, राजनीतिक व्यक्ति, हितबद्ध व्यक्ति एवं संस्थाओं के विचार जानने हेतु उनसे चर्चा की जाए और यदि कोई व्यक्ति / संस्था इस संबंध में अभ्यावेदन प्रस्तुत करना चाहे तो उसे लिया जाए। आयोग प्रदेश के अन्य पिछड़े वर्गों के समग्र उत्थान एवं राजनीतिक प्रतिनिधित्व के लिए प्रतिबद्ध हैं। आयोग का प्रयास रहेगा कि वह पूर्ण पारदर्शिता के साथ अन्य पिछड़ा वर्ग समाज के हर वर्ग का विश्लेषण कर शीघ्र ही आरक्षण का नवीन प्रावधान तय करे। वर्तमान परिदृश्य में पिछड़े वर्गों के संरक्षण, कल्याण और सामाजिक-आर्थिक, विकास के लिए उन रक्षोपायों का प्रभावी क्रियान्वयन आवश्यक हैं। आयोग पंचायती राज और शहरी निकायों में ओबीसी जातियों को आरक्षण देने का नवीन फार्मूला तय कर अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को प्रस्तुत करेगा। इसी रिपोर्ट के आधार पर प्रदेश में नवीन आरक्षण लागू कर चुनाव करवाया जाएगा।

एक परिचयः राजस्थान राज्य अन्य पिछडा वर्ग (राजनीतिक प्रतिनिधित्व) आयोग

सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुसरण में आयोग को राज्य के भीतर स्थानीय निकायों (ग्रामीण / शहरी) में सभी स्तरों पर अन्य पिछडा वर्ग के पिछड़ेपन की प्रकृति एवं उसके निहितार्थों की समसामयिक एंव अनुभवजन्य तरीके से गहन जांच / अध्ययन कर राज्य की पंचायतीराज संस्थाओं एवं नगरीय निकायों के निर्वाचनों में अन्य पिछडा वर्ग के आरक्षण के संबंध में अनुशंषाएं राज्य सरकार को एक निश्चित समय में प्रस्तुत करनी है। इस के लिए राज्य सरकार द्वारा वरिष्ठ विधिवेत्ता एवं न्यायाधीश (सेनि.) मदन लाल भाटी की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय राज्य स्तरीय ओबीसी आयोग का गठन किया गया है, जिसने प्रदेश में कार्य करना शुरू कर दिया हैं। यह आयोग प्रदेश के सामाजिक एवं शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों के कल्याण एवं स्थानीय निकायों में उनके समुचित राजनीतिक प्रतिनिधित्व को सुनिनिश्चित करने हेतु पंचायती राज और शहरी निकायों में ओबीसी जातियों को आरक्षण देने का फार्मूला तय कर अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को प्रस्तुत करेगा। इसी रिपोर्ट के आधार पर प्रदेश में आरक्षण लागू किया जाएगा। इस सबंध में आयोग नें राज्य के जन साधारण/अन्य पिछडा वर्ग के कल्याण हेतु कार्यरत संस्थाओं/हितबद्ध/हितधारको से अपील की है कि राज्य के वह अन्य पिछडा वर्ग के पिछडेपन के अध्ययन के संबंध में अपना प्रत्यावेदन/सुझाव आयोग को obccom-missionwz@gmail.com पर ईमेल करें या डाक से भेजे। किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में और संभाग स्तर पर आयोजित होने वाले जनसंवाद कार्यक्रम में प्रतिभागिता निभा कर भी प्रत्यावेदन/सुझाव प्रस्तुत कर सकते हैं।

राज्य सरकार के कार्यकाल के सफल 2 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चूरू में हुई रन फॉर विकसित राजस्थान दौड़ में विधायक, कलेक्टर और आमजन ने उत्साह से भागीदारी की

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। राज्य सरकार के कार्यकाल के सफल 2 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रविवार को चूरू जिला मुख्यालय पर ÷रन फॉर विकसित राजस्थान÷ का आयोजन किया गया। जिला मुख्यालय स्थित मातुश्री कमला गोयनका टाउन हॉल से चूरू विधायक श्री हरलाल सहारण, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, एडीएम सुअर्पिता सोनी, पंकज गुप्ता, बसंत शर्मा सहित अन्य अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर रन को रवाना किया। रन मातुकमला गोयनका टाउन हॉल से शुरू होकर भरतीया अस्पताल, चंदनमल बहड़ सर्किल से होते हुए जिला स्टेडियम पहुंची। सहारण ने कहा कि प्रदेश सरकार के दो वर्ष के कार्यकाल में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पानी, रोजगार एवं सामाजिक कल्याण के क्षेत्रों में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने के लिए आमजन सरकार की योजनाओं में सक्रिय सहभागिता निभाएं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहते हुए विकास यात्रा में भागीदार बनें। रन फॉर विकसित राजस्थान जैसे कार्यक्रमों से जनभागीदारी को बढ़ावा मिलता है। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि स्वस्थ जीवनशैली के लिए खेल, दौड़ जैसी शारीरिक गतिविधियां बेहद आवश्यक हैं। हम अपनी जीवनचर्या में नियमित रूप से इन गतिविधियों को शामिल करें। इस दौरान डीवाईएसपी सुनील झाझड़िया, सीडीईओ संतोष महर्षि, सीएमएचओ डॉ. मनोज शर्मा, पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. सुनील मेहरा, कोतवाली एसएचओ सुखराम चोटिया, भास्कर शर्मा, सुरेश सारस्वत, सी.पी. शर्मा, डीईओ (प्रारंभिक) ओमप्रकाश प्रजापत, जिला खेल अधिकारी सीताराम प्रजापत, शिशुपाल बुडानिया, सूर्यकांत चोटिया, विनय सोनी, सुनील ढाका, राजेन्द्र सिंह, पुलिसकर्मी, होमगार्ड, विद्यार्थी, अधिकारी, कर्मचारी व आमजन मौजूद रहे। रविवार को ही राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के निर्देशानुसार 'साइकिल पर संडे' कार्यक्रम के एक वर्ष के उपलक्ष्य में राष्ट्रव्यापी आयोजन के तहत साइकिल रैली निकाली गई। अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर साइकिल रैली को रवाना किया। साइकिल रैली जिला मुख्यालय पर मातुकमला गोयनका टाउन हॉल से शुरू होकर जिला स्टेडियम तक निकाली गई।

स्वामी और प्रकाशक रमाकांत गोस्वामी एवं मुद्रक ताराचंद कुमावत द्वारा महारानी प्रिन्टर्स, 17 मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर छपवाकर/मुद्रित कर, 10 MA, आईजी नगर, जगतपुरा,जयपुर, राजस्थान - 302017 से प्रकाशित किया। संपादकः रमाकान्त गोस्वामी, पीआरजीआई नं. RJBIL/25/A1815 ब्रांच ऑफिसः 18k3, पंकज सिंघवी मार्ग, ज्योति नगर, जयपुर-302002, मो. नं. 7610866001, हैल्प लाईन नं.: 8946840063, ईमेल आईडीः tasneemtv.official @gmail.com, वेबसाइटः www.tasneemtv.com (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी. आर. पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तदायी), किसी भी वाद-विवाद से निपटने के लिए न्यायालय जयपुर मान्य होगा।